

PREVIEW QUESTION BANK(Dual)

Module Name : DoPT-LDCE Paper II
Exam Date : 24-Sep-2023 Batch : 14:00-17:00

Sr. No.	Client Question ID	Question Body and Alternatives	Marks	Negative Marks
Objective Question				
1	5001	As per CSMOP, beginning in January each year, the departmental record room will send to the Sections/Desks concerned the files due for review in that year, together with a list of files, in : (1) One lot (2) Two lots (3) Three lots (4) Four lots सी.एस.एम.ओ.पी के अनुसार, प्रत्येक वर्ष के जनवरी माह के आरम्भ में विभागीय अभिलेख कक्ष, सम्बन्धित अनुभागों/डेस्क की फाइलों को सूची के साथ उस वर्ष की लॉबित फाइलों को समीक्षा के लिए भेजेगा ? (1) एक लॉट (2) दो लॉट (3) तीन लॉट (4) चार लॉट A1 : 1 1 A2 : 2 2 A3 : 3 3 A4 : 4 4		
Objective Question				
2	5002	In an office of Govt. of India, the file (Physical) maintained to record details of casual leave availed sanctioned to Group 'B' Gazetted employees during the calendar year 2021, is to be categorised as _____ file. (1) Category 'C' upto three years (2) Category 'A' (3) Category 'B' (4) Category 'C' to be destroyed after the end of calendar year 2021 भारत सरकार के किसी कार्यालय में, कैलेंडर वर्ष 2021 के दौरान समूह (ख) के राजपत्रित कर्मचारियों के अर्जित/अनुमा प्रदत्त आकस्मिक अवकाश के अभिलेख का विवरण (भौतिक) फाइलों के किस समूह में वर्गीकृत किया जाता है ? (1) तीन वर्ष तक समूह (ग) (2) समूह (क) (3) समूह (ख) (4) समूह (ग) कैलेंडर वर्ष 2021 के पश्चात् उसके नष्ट होने पर		

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

3 5003

After action on the issues considered on the file has been completed and no future action on the subject file is foreseen, _____ in consultation with his/her supervisory officer, should close and record the file.

- (1) The Dealing Assistant
- (2) The Divisional Officer
- (3) The Dealing Officer/Initiating Officer
- (4) Branch Officer

किसी विभागीय फाइल के किसी मुद्दे पर कार्य के पूर्ण हो जाने के पश्चात् तथा भविष्य में उस फाइल से सम्बन्धित किसी विषय की दृष्टिगत होने पर को उसे सम्बन्धित पर्यवेक्षक अधिकारी के परामर्श के बाद उस फाइल का अभिलेख रख कर बंद कर देना चाहिए।

- (1) संपर्क सहायक
- (2) प्रभागीय अधिकारी
- (3) संपर्क अधिकारी/प्रारंभिक अधिकारी
- (4) शाखा अधिकारी

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

4 5004

As per CSMOP-2022, recorded files are to be kept serially arranged in the Sections/Desks concerned for a period _____.

- (1) Not exceeding 6 months from the date of recording.
- (2) Upto 3 months from the date of closing of the file
- (3) Not more than one year
- (4) Upto three years of recording date

सी.एस.एम.ओ.पी.-2022 के अनुसार फाइलों को सम्बन्धित अनुभागों/डेस्कों में क्रमवार तथा व्यवस्थित अभिलेखित तरीके से कितनी अवधि के लिए रखा जाता है _____।

- (1) अभिलेखन की तिथि से 6 माह से अधिक नहीं।
- (2) फाइल के निपटान की तारीख से 3 माह तक।
- (3) एक वर्ष से अधिक नहीं।
- (4) अभिलेखन की तारीख से 3 वर्ष तक।

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

5 5005

The Record Retention Schedule, indicating the schedule of periods of retention for records, relating to establishment Land house keeping etc., common to all departments of Govt. of India, is issued by _____.

- (1) National Archives of India
- (2) Deptt. of Personnel and Training
- (3) Deptt. of Administrative Reforms and Public grievances
- (4) Central Information Commission

स्थापना और साफ सफाई इत्यादि से संबंधित अभिलेखों के अवरोधन की समयावधि, अनुसूची को दर्शाने वाली अभिलेख अवरोधन अनुसूची, जो भारत सरकार के विभाग को समान रूप से जारी की जाती है?

- (1) भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार
- (2) कार्मिक प्रशिक्षण विभाग
- (3) प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत
- (4) केन्द्रीय सूचना आयोग

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

6 5006

As per CSMOP-2022, each record creating agency will nominate a Departmental Records Officer who is :

- (1) Not below the level of Deputy Secretary
- (2) Not below the level of Under Secretary
- (3) Not below the level of Section Officer
- (4) Assistant Section Officer

सी.एस.एम.ओ.पी.-2022 के अनुसार, प्रत्येक अभिलेख निर्माता एजेंसी एक विभागीय अभिलेख अधिकारी को नियुक्त इस तरह का होगा :

- (1) उप सचिव के स्तर से नीचे का नहीं
- (2) अवर सचिव के स्तर से नीचे का नहीं
- (3) अनुभाग अधिकारी के स्तर से नीचे का नहीं
- (4) सहायक अनुभाग अधिकारी

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

7 5007

As per CSMOP-2022 the year of review of _____ files will be reckoned with reference to the year of their closing.

- (1) Category 'B'
- (2) Category 'A'
- (3) Category 'A' and 'B'
- (4) Category 'C'

सी.एस.एम.ओ.पी.- 2022 के अनुसार, _____ समूह की फाइलों का समीक्षा वर्ष उन फाइलों के निपटान के संदर्भ स्थिति का निर्धारण किया जायेगा।

- (1) समूह (ख)
- (2) समूह (क)
- (3) समूह (क) एवं (ख)
- (4) समूह (ग)

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

8 5008

As per CSMOP, which of the following activities is not involved in records management.

- (1) Retention
- (2) Retrieval
- (3) Weeding out
- (4) Docketing

सी.एस.एम.ओ.पी. के अनुसार, किस प्रकार की गतिविधि का अभिलेख प्रबंधन में शामिल नहीं है ?

- (1) अवरोधन
- (2) पुनःप्राप्ति
- (3) छटाई करना
- (4) डाकेटिंग

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

9 5009

As per CSMOP, which category of files are kept for specified period only under record management ?

- (1) Category 'A'
- (2) Category 'B'
- (3) Category 'C'
- (4) Category 'D'

सी.एस.एम.ओ.पी. के अनुसार, अभिलेख प्रबंधन के अंतर्गत किस प्रकार के फाइल को विशेषीकृत समयावधि तक रखा जा है ?

- (1) समूह (क)
- (2) समूह (ख)
- (3) समूह (ग)
- (4) समूह (घ)

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

10 5010

As per CSMOP each record creating agency will nominate a Departmental Records Officer (DRO) for overall records management of the organisation as a whole, in pursuance of provisions of :

- (1) GOI Allocation of Business Rules 1961
- (2) The Public Record Act 1993 and the Public Record Rules 1997
- (3) Right to Information Act Rules and Procedure
- (4) GOI Transaction of Business Rules 1961

सी.एस.एम.ओ.पी. के अनुसार, प्रत्येक अभिलेख निर्माता एजेंसी किन प्रावधानों के तहत किसी संगठन के समग्र रूप से सम अभिलेखों के प्रबंधन हेतु, एक विभागीय अभिलेख अधिकारी (DRO) को नामांकन करेगी :

- (1) कार्य संपादन नियम भारत सरकार 1961
- (2) लोक अभिलेख धारा 1993 और लोक अभिलेख नियम 1997
- (3) सूचना का अधिकार नियम एवं संघटन
- (4) अनुवाद एवं कार्य नियम, 1961 (भारत सरकार)

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

11 5011

In the context of the provisions contained in the General Financial Rules, 2017, in respect of Government electronic Market (GeM), which of the following statements is correct ?

- (1) GeM SPV shall certify the credential of suppliers on GeM; and the procuring authorities will certify the reasonability of rates.
- (2) GeM SPV shall certify both the credential of suppliers on GeM and the reasonability of rate
- (3) The procuring authorities shall certify both the credential of the suppliers on GeM and the reasonability of rates.
- (4) The procuring authorities shall certify the credential of suppliers and the GeM SPV shall certify the reasonability of rates.

सामान्य वित्तीय नियम, 2017 में विहित प्रावधानों के संदर्भ में सरकारी इलेक्ट्रॉनिक बाजार (जीईएम), हेतु निम्नलिखित में कौन-सा कथन सही है ?

- (1) जीईएम एसपीवी, जीईएम पर आपूर्तिकर्ताओं के वृत्तांत की पुष्टि करेगा, अधिग्रहण अधिकारी सार्थकता दरों की उत्तरदायित्व की पुष्टि करेगा।
- (2) जीईएम एसपीवी, जीईएम पर आपूर्तिकर्ताओं के वृत्तांत तथा सार्थकता दरों दोनों की पुष्टि करेगा।
- (3) अधिग्रहण अधिकारी जीईएम पर आपूर्तिकर्ताओं के वृत्तांत तथा सार्थकता दरों दोनों की पुष्टि करेगा।
- (4) अधिग्रहण प्राधिकारी आपूर्तिकर्ताओं के वृत्तांत की पुष्टि करेगा तथा जीईएम एसपीवी सार्थकता दरों की पुष्टि करेगा

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

12 5012

General Financial Rules, 2017 contains an Appendix titled 'Destruction of office records connecte with accounts.' The retention period prescribed in the Appendix in respect of Service Books of officials entitled to retirement or terminal benefits is _____ years after issue of final pension gratuity payment order.

- (1) 25
- (2) 10
- (3) 5
- (4) 3

सामान्य वित्तीय नियम, 2017 में 'लेखों से संबद्ध कार्यालय अभिलेखों के विनष्टिकरण' की एक परिशिष्ट शामिल होता है। परिशिष्ट में उल्लिखित उनके कर्मचारियों की सेवा-पुस्तिका के संदर्भ में जो सेवानिवृत्ति के पात्र हैं या सेवांत लाभ प्राप्ति योग्य हैं, अंतिम पेंशन/ ग्रेज्युटी भुगतान आदेश _____ वर्षों के बाद की अवरोधन समयावधि होती है।

- (1) 25
- (2) 10
- (3) 5
- (4) 3

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

13 5013

In which cases loss of revenue to Government is required to be reported by subordinate authority to the next authority ?

- (1) Mistake in assessments which are discovered too late to permit of a supplementary claim being made.
- (2) Refunds allowed on the ground that the claims were time-barred
- (3) Petty loss of value not exceeding Rs. ten thousand
- (4) Loss of immovable property by fire, floods etc, exceeding rupees fifty thousand such as building, communication, or other works.

किस मामले में, सरकारी राजस्व घाटे को अधीनस्थ प्राधिकारी द्वारा अगले प्राधिकारी को सूचित किया जाता है ?

- (1) निर्धारण में त्रुटियाँ जिनका अनुपूरक दावों की अनुमति हेतु बहुत विलम्ब से पता लगता है।
- (2) वे दावे जिसमें समयबाधित आधार पर अदायगी की अनुमति दी गई।
- (3) मूल्य का छोटा घाटा जो दस हजार रुपए से अधिक नहीं है।
- (4) आगजनी, बाढ़ आदि द्वारा अचल संपत्ति की हानि, जो पचास हजार रुपए से अधिक हो तथा जो भवन, संचार या अन्य कार्यों से संबंधित हो।

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

Objective Question

14 5014

Which of the following statements is **not** true about the proposals of creation of new posts or revision in an existing establishment ?

- (1) The present cost of the establishment in existence
- (2) Amount involved in the payment of travelling allowance on creation of new posts.
- (3) Details on how the expenditure is proposed to be met including the proposed re-appropriations.
- (4) Cost implication of the change proposed giving details of pay and allowances of post(s) proposed.

किसी नए पद के सृजन के प्रस्ताव या वर्तमान स्थापना के पुनरीक्षण के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही नहीं है ?

- (1) मौजूद स्थापना की वर्तमान लागत
- (2) नए पदों के सृजन पर यात्रा भत्तों के भुगतान में निहित राशि
- (3) प्रस्तावित पुनर्विनियोग सहित प्राप्त होने वाले व्यय के वहन करने का विवरण
- (4) प्रस्तावित पदों के वेतन और भत्तों में प्रस्तावित परिवर्तन के विवरण की लागत व्यवस्था

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

15 5015

An office of the Central Government Department is to procure certain goods. It is **not** available on the GeM portal. The estimated cost is ₹ 57 lakh. Which of the following methods of tender is to be adopted in this case :

- (1) Single Tender Enquiry
- (2) Local Purchase Committee
- (3) Limited Tender Enquiry
- (4) Advertised Tender Enquiry

केंद्रीय सरकार विभाग का कोई कार्यालय कुछ वस्तुओं की अधिप्राप्ति करता है। यह जेम पोर्टल पर उपलब्ध नहीं है। इस वस्तु का आकलित लागत ₹ 57 लाख है। इस मामले में निम्नलिखित में से निविदा की कौन-सी विधि को इस मामले में स्वीकार किया जाएगा ?

- (1) एकल निविदा जाँच
- (2) स्थानीय क्रय समिति
- (3) सीमित निविदा जाँच
- (4) विज्ञापित निविदा जाँच

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3
3
A4 : 4
4

Objective Question

16 5016

For effective control over expenditure by the Department Controlling and Disbursing officer which of the following statements is **not** true ?

- (1) Prepare and present bills for 'charged' and 'voted' expenditure separately.
- (2) Allow to exceed the expenditure beyond budget at its own volition.
- (3) Enter on each bill the complete accounts classifications from major head down to the object head of account.
- (4) Enter on each bill the progressive total of expenditure up-to-date under the primary unit of appropriation to which the bills relate

विभाग द्वारा व्यय के प्रभावी नियंत्रण के लिए, नियंत्रण तथा भुगतान अधिकारी में संबंध में, निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सत्य नहीं है ?

- (1) 'चार्ज' तथा 'बजट' व्यय की बिलों को अलग-अलग तैयार कर प्रस्तुत करना।
- (2) इसके स्व-अंतर्शक्ति या बजट से इतर व्यय की अनुमति प्रदान करना।
- (3) प्रत्येक प्रविष्टि में खातों के वर्गीकरण को प्रमुख शीर्ष से खाते के लक्षित खाता शीर्ष में प्रविष्टि करें।
- (4) विनियोग की प्राथमिक इकाई के तहत जिससे बिल संबंधित होता है, प्रत्येक प्रविष्टि में व्यय का कुल बढ़ते क्रम प्रविष्टि करना।

A1 : 1
1
A2 : 2
2
A3 : 3
3
A4 : 4
4

Objective Question

17 5017

An office of the Government of India is to procure a machinery at an estimated cost of ₹ 575 crore. This expenditure is to be classified in the Detailed Demand for Grants as :

- (1) Capital expenditure
- (2) Revenue expenditure
- (3) Recurring expenditure
- (4) Non-recurring expenditure

भारत सरकार के एक कार्यालय को ₹ 575 रुपए की अनुमानित लागत वाली किसी मशीनरी को अधिप्राप्त करना है। इस व्यय को विस्तृत अनुदानों की किस मांगों में वर्गीकृत किया जाता है ?

- (1) पूँजी व्यय
- (2) राजस्व व्यय
- (3) आवर्ती व्यय
- (4) गैर-आवर्ती व्यय

A1 : 1
1
A2 : 2

2
A3 : 3
3
A4 : 4
4

Objective Question

18 5018

Which of the following statements is **not** the part of main division and structure of Government of India Account ?

- (1) Consolidated Fund of India
- (2) Consolidated Fund of a State
- (3) Contingency Fund of India
- (4) Public Account

निम्नलिखित में से कौन-सा भारत सरकार के खाते के मुख्य भाग तथा ढाँचे का भाग **नहीं** है ?

- (1) भारत की संचित निधि
- (2) राज्य की संचित निधि
- (3) भारत की आकस्मिक निधि
- (4) लोक खाता

A1 : 1
1
A2 : 2
2
A3 : 3
3
A4 : 4
4

Objective Question

19 5019

For becoming entitled for availing Leave Travel Concession (LTC) the minimum continuous service required is :

- (1) Six months
- (2) Three months
- (3) Two year service
- (4) One year service

यात्रा अवकाश रियायत प्राप्ति के अर्ह होने के लिए आवश्यक न्यूनतम नियमित सेवा की अवधि क्या होती है ?

- (1) छ माह
- (2) तीन माह
- (3) दो वर्ष
- (4) एक वर्ष

A1 : 1
1
A2 : 2
2
A3 : 3
3
A4 : 4

4

Objective Question

20 5020

For Central Government Servants, other than a fresh direct recruit, Hometown L.T.C normally allowed :

- (1) Once in a block of each calendar year of the four (4) year block
- (2) Once in a block of two calendar years
- (3) Four times in each calendar year of a four year block
- (4) Only once in a four year block

केन्द्रीय सरकार के कर्मचारियों के लिए, सीधी भर्ती के अलावा, नियुक्त हुए अन्य कर्मचारी को सामान्य रूप से गृहन एलटीसी की अनुमति होती है :

- (1) चार वर्ष के ब्लॉक वर्ष में किसी कैलेंडर ब्लॉक वर्ष में एक बार।
- (2) दो कैलेंडर वर्षों के ब्लॉक में एक बार।
- (3) चार वर्ष के ब्लॉक वर्ष में प्रत्येक कैलेंडर वर्ष हेतु चार बार।
- (4) चार वर्ष के ब्लॉक में एक बार।

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

21 5021

The current four year block for Leave Travel concession is :

- (1) 2022-25
- (2) 2021-24
- (3) 2022-23
- (4) 2023-2026

यात्रा रियायत भत्ता हेतु वर्तमान चार वर्षीय ब्लॉक वर्ष है :

- (1) 2022-25
- (2) 2021-24
- (3) 2022-23
- (4) 2023-2026

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

22 5022

The leave travel concession to the hometown is **not** admissible, for the journey undertaken, by the Government servant, during :

- (1) The weekend holidays (ie., Saturday/Sunday) of the office/department
- (2) One day's casual leave followed by two days holiday
- (3) Two day's earned leave suffixing three gazetted holidays
- (4) Child Care Leave

_____ के दौरान केंद्रीय सरकारी सेवक द्वारा ली गई यात्रा हेतु गृह नगर यात्रा रियायत भत्ता अनुमन्य नहीं होता है।

- (1) कार्यालय विभाग के सप्ताहांत अवकाश (जैसे, शनिवार/रविवार)
- (2) दो दिन के सार्वजनिक अवकाश के बाद एक दिन का आकस्मिक अवकाश
- (3) दो दिन का अर्जित अवकाश जिसके बाद तीन दिन के राजपत्रित अवकाश हों
- (4) शिशु (देखभाल) अवकाश

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

23 5023

Encashment of Earned Leave on LTC is limited in entire service to the maximum of :

- (1) 30 days
- (2) 60 days
- (3) 50 days
- (4) 90 days

संपूर्ण सेवा की अवधि के दौरान अर्जित अवकाश के नकदीकरण की अधिकतम दिनों की सीमा कितनी है?

- (1) 30 दिन
- (2) 60 दिन
- (3) 50 दिन
- (4) 90 दिन

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

24 5024

Ms. 'S' was appointed to a post in a Central Government Office as a direct recruit (fresh recruit) on 01-11-2018. She wants to avail Leave Travel Concession (LTC). She is entitled to which of the following combinations of LTC ?

- (1) 3 hometown LTC one each in 2019, 2020, 2021 and an All India LTC in 2022
- (2) 3 hometown LTC one each in 2020, 2021, 2022 and an All India LTC in 2023
- (3) 2 hometown LTC one each in 2019, 2020 and one All India LTC in 2022
- (4) Four hometown LTC one each in 2019, 2020, 2021 and 2022

सुश्री 'एस' के सीधी भर्ती (नयी भर्ती) के पद पर केंद्रीय सरकार के कार्यालय में 01-11-2018 नियुक्त किया गया। वह अवकाश यात्रा रियायत लेना चाहती हैं। उसकी निम्नलिखित में से किस प्रकार के यात्रा भत्ता रियायत की पात्रता है?

- (1) 2019, 2020, 2021 में प्रत्येक तीन गृह नगर एलटीसी तथा 2022 में एक भारत भ्रमण एलटीसी।
- (2) 2020, 2021, 2022 में प्रत्येक तीन गृह नगर एलटीसी तथा 2023 में एक भारत भ्रमण एलटीसी।
- (3) 2019, 2020, 2021 में प्रत्येक में 2 गृह नगर एलटीसी तथा 2022 में एक भारत भ्रमण एलटीसी।
- (4) 2019, 2020, 2021 एवं 2022 में प्रत्येक 4 गृह नगर एलटीसी।

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

25 5025

When the advance is **not** drawn, then the LTC adjustment bill should be submitted within (as per GFR provision) :

- (1) 15 days
- (2) 30 days
- (3) 90 days
- (4) 60 days

जब एलटीसी हेतु अग्रिम नहीं लिया गया हो तो एलटीसी निपटान कितने दिनों में प्रस्तुत किया जाना चाहिए? (जीएफआर प्रावधानों के अनुसार)

- (1) 15 दिन
- (2) 30 दिन
- (3) 90 दिन
- (4) 60 दिन

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

26 5026

Chairperson of an attached office under the administrative control of a Department of Central Government is of the rank equivalent to the Additional Secretary, Government of India. She has the power to declare which of the following officers subordinate to her as the 'Head of Office' in terms of the provisions contained in the Delegation of Financial Powers Rules, 1978 ?

- (A) Assistant Director (Pay Matrix Level 10)
- (B) Deputy Director (Pay Matrix Level 11)
- (C) Joint Director (Pay Matrix Level 12)

Select the correct option :

- (1) (A), (B) or (C)
- (2) Only (A)
- (3) Only (A) or (B)
- (4) Only (B)

केंद्रीय सरकार के निजी विभाग प्रशासनिक नियंत्रणाधीन किसी कार्यालय से संबंधित कार्यालय में अध्यक्ष, जो भारत सरकार में अपर सचिव के पद के समकक्ष होता है। वित्तीय शक्तियाँ नियम, 1978 के प्रत्यायोजना में विहित प्रावधानों के संदर्भ 'कार्यालय प्रमुख' के रूप में उसको निम्नलिखित में से किस अधिनियम में घोषणा करने की शक्ति होती है ?

- (A) सहायक निदेशक (वेतन मैट्रिक्स स्तर 10)
- (B) उप-निदेशक (वेतन मैट्रिक्स स्तर 11)
- (C) संयुक्त सचिव (वेतन मैट्रिक्स स्तर 12)

निम्नलिखित में से सही उत्तर का चयन कीजिए।

- (1) (A), (B) और (C)
- (2) केवल (A)
- (3) केवल (A) अथवा (B)
- (4) केवल (B)

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

27 5027

Which of the following statements is **not** correct about the powers to waive the recovery of over payments made to Government servants ?

- (1) Where the amount involved does not exceed one month pay.
- (2) Where the recovery relates to Gazetted Government servants.
- (3) Where the amount involved does not exceed two months pay.
- (4) Emoluments overpaid of the nature of pay, as a fixed in F.R. 9 (21) where the drawal has been occasioned by delay in notifying promotion or reversion or where such overdrawal has been disallowed by the Audit Officer after one year of the date of payment cannot be waived

सरकारी सेवक जो अधिक भुगतान किए गए धन की वसूली से संबंधित शक्तियों के बारे में निम्नलिखित में से कौन-सा कथ सही नहीं है?

- (1) जहाँ धनराशि एक महीने के वेतन से अधिक नहीं हो।
- (2) जहाँ वसूली राजपत्रित सरकारी सेवक से संबंधित हो।
- (3) जहाँ धनराशि दो माह के वेतन से अधिक नहीं हो।
- (4) एफ आर 9 (21) में वर्णित अधिक भुगतान की धनराशि के भुगतान की प्रकृति जहाँ पदोन्नति या पदावनति निर्देश करने में आकस्मिक रूप से हुए विलंब को आहरण या जहाँ भुगतान की तिथि से एक वर्ष के बाद इस प्रकार के आ आहरण को लेखा अधिकारी द्वारा अनुमति नहीं दी जाती हो, भुगतान को छोड़ा नहीं जा सकता है।

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

28 5028

Government's contribution payable under the National Pension System (NPS) for Government employees is accounted for under :

- (1) Wages
- (2) Pensionary charges
- (3) Rewards
- (4) Salaries

राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस) के तहत किसी सरकारी कर्मचारी हेतु देय सरकारी अंशदान का किसमें हिसाब होता है?

- (1) पारिश्रमिक
- (2) पेंशन संबंधी शुल्क
- (3) पुरस्कार
- (4) वेतन

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

29 5029

The estimated cost of a scheme is ₹ 1,525 crore. After appraisal by the appraising authority concerned the competent authority to approve this case is :

- (1) Minister-in-charge of the Department
- (2) Finance Minister
- (3) Minister-in-charge of the Department and the Finance Minister
- (4) Cabinet or Cabinet Committee on Economic Affair

किसी योजना की अनुमानित लागत ₹ 1,525 करोड़ हो, संबंधित मूल्यनिर्धारण प्राधिकारी द्वारा मूल्यनिर्धारण के बाद, इस मामले का अनुमोदन करने वाला सक्षम प्राधिकारी कौन होता है?

- (1) विभाग के प्रभारी मंत्री
- (2) वित्त मंत्री
- (3) विभाग के प्रभारी मंत्री तथा वित्त मंत्री
- (4) कैबिनेट या वित्तीय मामलों संबंधी कैबिनेट समिति

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

30 5030

Mr. J is posted in the General Section of a Central Government Department. He processes cases of expenditure on stores which is incurred for the management of office like electricity charges, charges for issue of letters, stationery items printing and binding, rent, etc. These are examples of :

- (1) Non-recurring contingent expenditure
- (2) Recurring contingent expenditure
- (3) Non-recurring miscellaneous expenditure
- (4) Recurring miscellaneous expenditure

श्रीमान जे. केंद्रीय सरकार के किसी सामान्य अनुभाग में कार्यरत हैं। उनके पास भंडारण संबंधी मामलों के व्यय हैं जो कार्यालय प्रबंध के कार्यों जैसे बिजली शुल्क, पत्र जारी करने हेतु शुल्क, स्टेशनरी सामग्री, छपाई तथा बाइंडिंग इत्यादि के लिए अधिरोपित हैं। ये किससे संबंधित उदाहरण हैं?

- (1) गैर-आवर्ती आकस्मिक व्यय
- (2) आवर्ती आकस्मिक व्यय
- (3) गैर-आवर्ती विविध व्यय
- (4) आवर्ती विविध व्यय

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

31 5031

To whom the Delegation of Financial Power Rules, 1978 are not applicable ?

- (1) Ministry of Power, Government of India
- (2) Ministry of Social Justice and Empowerment, Government of India
- (3) Institute of Secretarial Training and Management Government of India
- (4) Department of Atomic Energy, Government of India

वित्तीय शक्तियाँ नियम, 1978 किस पर लागू नहीं है?

- (1) विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार
- (2) सामाजिक न्याय और सशक्तीकरण मंत्रालय, भारत सरकार
- (3) सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबंध संस्थान, भारत सरकार
- (4) परमाणु ऊर्जा विभाग, भारत सरकार

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

32 5032

Powers of the 'Subordinate authorities' to incur contingent expenditure are provided in Schedule _____ of the Delegation of Financial Powers Rules, 1978.

- (1) V
- (2) IV
- (3) III
- (4) II

'अधीनस्थ प्राधिकारियों' की आकस्मिक व्यय की शक्तियों का उल्लेख वित्तीय शक्तियों के प्रत्यायोजन नियम, 1978 की कि _____ अनुसूची में दिए गए हैं।

- (1) V
- (2) IV
- (3) III
- (4) II

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

33 5033

Expenditure on Dearness Allowances, Deputation (Duty) Allowances, Foreign Allowance Re-imbursement of Tuition fee, etc. are accounted for under :

- (1) Salaries only
- (2) Foreign Travel expenses only
- (3) Allowances only
- (4) Salaries and Allowances as the case may be

महँगाई भत्ता, प्रतिनियुक्ति (ड्यूटी) भत्ता, विदेश भत्ता, ट्यूशन का पुनर्भुगतान इत्यादि भत्ता निम्नलिखित में से किससे संबंधित है?

- (1) केवल वेतन
- (2) केवल विदेश यात्रा व्यय
- (3) केवल भत्ता
- (4) वेतन तथा भत्ते, जैसा मामला हो

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

34 5034

The right of a Government servant to travelling allowance, including daily allowance, is forfeited or deemed to have been relinquished if the claim is not preferred within :

- (1) Four months
- (2) Three months
- (3) One year
- (4) Sixty days

किसी सरकारी सेवक के यात्रे भत्ते का अधिकार जिसमें दैनिक भत्ता भी शामिल है, को परित्यक्त मान लिया जाता है, यदि दा को _____ के अंदर संदर्भित नहीं किया जाता है।

- (1) चार माह
- (2) तीन माह
- (3) एक वर्ष
- (4) साठ दिनों

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

35 5035

The family members of a deceased employee of the Central Government, to avail the travelling expenses of the family and personal effects should complete the journey to the place of settlement within _____ after the date of death of the Government Servant/employee.

- (1) One year
- (2) Six (6) months
- (3) Four (4) months
- (4) Five (5) years

केन्द्रीय सरकार के किसी मृतक कर्मचारी के परिवार के सदस्य, परिवार या व्यक्तिगत द्वारा यात्रा व्यय प्राप्त करने के लिए निपटान किए जाने वाले स्थान की यात्रा पूरी की जानी चाहिए, उसे सरकारी सेवक/कर्मचारी की मृत्यु की तारीख के पश्चात् अवश्य पूरा किया जाए।

- (1) एक वर्ष
- (2) 6 माह
- (3) 4 माह
- (4) 5 माह

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

36 5036

Two or more Government servants travel in a conveyance belonging to one of them. In this context which of the following statements is correct ?

- (1) Owner may be allowed to draw travelling allowance (TA) only and nothing payable to co-traveller.
- (2) Co-traveller may be allowed to draw mileage allowance only, but nothing to owner & conveyance.
- (3) Owner of conveyance may draw TA and daily allowance (DA) and co-traveller DA only
- (4) Only owner may draw TA/DA and nothing payable to co-traveller.

दो सरकारी सेवक ऐसे वाहन में यात्रा करते हैं जो उनमें से किसी एक का है। इस संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सत्य है?

- (1) केवल वाहन के स्वामी को यात्रा भत्ता आहरण की अनुमति है तथा सह यात्री को नहीं है।
- (2) सहयात्री केवल मील की दूरी भत्ता की अनुमति वाहन के स्वामी को कुछ भी नहीं।
- (3) वाहन का स्वामी यात्रा भत्ता तथा दैनिक भत्ता और सहयात्री केवल दैनिक भत्ता आहरण कर सकता है।
- (4) केवल स्वामी यात्रा भत्ता/दैनिक भत्ता प्राप्त कर सकता है तथा सहयात्री कुछ भी नहीं प्राप्त करता है।

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

37 5037

What is the maximum number of days for which daily allowance for continuous halt on official tour is admissible at full daily allowance ?

- (1) 120 days
- (2) 150 days
- (3) 180 days
- (4) 240 days

किसी सरकारी भ्रमण हेतु पूर्ण दैनिक भत्ते के रूप में सतत ठहरावों के लिए दैनिक भत्ते के दिनों की अधिकतम संख्या क्या है

- (1) 120 दिन
- (2) 150 दिन
- (3) 180 दिन
- (4) 240 दिन

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

38 5038

Government of India issued orders vide Ministry of Finance O.M. dated 13/7/2017 under SR. 4 of travelling allowance. Under these orders, mileage allowance for journeys, performed in own car/taxi, by a Government servant, on official duty is _____ per km. at places where no specific rates have been prescribed either by the Directorate of Transport of the concerned State or of the neighbouring States.

- (1) ₹ 18
- (2) ₹ 30
- (3) ₹ 20
- (4) ₹ 24

यात्रा भत्ता के संबंध में भारत सरकार, वित्त मंत्रालय ने एसआर 46 के तहत ओएम 13/7/20 जारी किया। इन नियमों के तहत किसी सरकारी सेवक द्वारा अपनी कार/टैक्सी द्वारा की गई यात्रा हेतु कार्यालय ड्यूटी के लिए मील का भत्ता _____ प्रति कि.मी. है, उन स्थानों के लिए जहाँ पर विशेष दरें उस राज्य या पड़ोसी राज्य के परिवहन निदेशालय द्वारा निर्धारित नहीं किए गए हैं।

- (1) ₹ 18
- (2) ₹ 30
- (3) ₹ 20
- (4) ₹ 24

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

39 5039

Whether the Agency charges/service charges levied by the authorized service agents to be reimbursed to the government servants while performing journey in public interest in tour or transfer ?

- (1) Not reimbursable
- (2) Yes, reimbursable by Department
- (3) Yes, reimbursable with the approval of Ministry of Finance
- (4) Yes, reimbursable with the concurrence of Financial adviser

किसी सरकारी सेवक द्वारा लोकहित विषयक किसी यात्रा या स्थानांतरण के संबंध में की गई यात्रा के लिए प्रतिपूर्ति कार्य हेतु प्राधिकृत सेवा एजेंट द्वारा प्रदत्त एजेंसी शुल्क/सेवा शुल्क की प्रतिपूर्ति की जाएगी।

- (1) गैर-प्रतिपूर्ति योग्य
- (2) हाँ, विभाग द्वारा प्रतिपूर्ति योग्य
- (3) हाँ, वित्त मंत्रालय के अनुमोदन से प्रतिपूर्ति योग्य
- (4) हाँ, वित्तीय सलाहकार के अभिस्वीकृति से प्रतिपूर्ति योग्य

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

40 5040

Which one is not the authorized travel agent for booking tickets for official tour/transfer ?

- (1) M/s Balmer Lawrie and Company Limited
- (2) M/s Ashoka Travel and Tours
- (3) Indian Railways Catering and Tourism Corporation Ltd
- (4) Web-portals of private sector travel agencies.

सरकारी भ्रमण/स्थानांतरण के लिए टिकट बुक करने हेतु कौन-सा प्राधिकृत यात्रा एजेंट नहीं है?

- (1) मेसर्स बामर लॉरी एंड कंपनी लिमिटेड
- (2) मेसर्स अशोका ट्रेवेल्स एण्ड टूरस
- (3) भारतीय रेलवे कैटरिंग तथा टूरिज्म निगम लिमिटेड
- (4) निजी क्षेत्र की यात्रा एजेंसियों के वेब पोर्टल

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

41 5041

Where information sought from Intelligence and Security organisations, is in respect of allegation of violation of human rights, the information shall only be provided after approval of :

- (1) HOD
- (2) Secretary of the Department/Ministry
- (3) Head of Office
- (4) CIC

जहाँ आसूचना और सुरक्षा संगठन से माँगी गई सूचना मानवाधिकार के उल्लंघन से संबंधित आरोप के बारे में हो तो यह सूचना इनके अनुमोदन के पश्चात् ही प्रदान की जाएगी :

- (1) विभागाध्यक्ष
- (2) विभाग/मंत्रालय का सचिव
- (3) कार्यालय प्रमुख (हेड ऑफ ऑफिस)
- (4) मुख्य सूचना आयुक्त (सीआईसी)

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

42 5042

Where an application for information is given to a Central Assistant Public Information Officer, period of _____ shall be added in computing the period for response :

- (1) five days
- (2) seven days
- (3) ten days
- (4) fourteen days

जहाँ केन्द्रीय सहायक लोक सूचना अधिकारी को सूचना के लिए आवेदन प्रस्तुत किया जाता है, उत्तर देने की समयावधि _____ समयावधि जोड़ी जाएगी।

- (1) पाँच दिन की
- (2) सात दिन की
- (3) दस दिन की
- (4) चौदह दिन की

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

43 5043

According to the Right to Information Rules, 2012 which of the following category of applicant has been exempted from payment of fee for seeking information under the RTI Act 2005 :

- (1) Scheduled Castes
- (2) Scheduled Tribes
- (3) Other Backward Classes
- (4) Person Below Poverty Line

सूचना का अधिकार नियमावली, 2012 के अनुसार निम्नांकित में से किस श्रेणी के आवेदकों को सूचना का अधिक अधिनियम 2005 के अधीन सूचना माँगने पर फीस की संदायगी से छूट दी गई है?

- (1) अनुसूचित जातियाँ
- (2) अनुसूचित जनजातियाँ
- (3) अन्य पिछड़ा वर्ग
- (4) गरीबी रेखा से नीचे के व्यक्ति

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

44 5044

Transfer of an application should be made as soon as practicable but in no case later than :

- (1) Ten days from the date of receipt of the application
- (2) Five days from the date of receipt of the application
- (3) Thirty days from the date of receipt of the application
- (4) Seven days from the date of receipt of the application

आवेदन पत्र का अंतरण यथाशक्य किसी भी दशा में _____ दिन के बाद नहीं किया जाना चाहिए।

- (1) आवेदन प्राप्त होने की तारीख से दस दिन
- (2) आवेदन प्राप्त होने की तारीख से पाँच दिन
- (3) आवेदन प्राप्त होने की तारीख से तीस दिन
- (4) आवेदन प्राप्त होने की तारीख से सात दिन

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

45 5045

Fee under RTI Rules, 2012 could be paid by electronic means to _____ of the public authority

- (1) Drawing and Disbursing Officer
- (2) Accounts Officer
- (3) Head of Officer
- (4) Head of the Department

सूचना का अधिकार नियमावली के अधीन शुल्क (फीस) की संदायगी सरकारी प्राधिकारी के _____ को इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से की जाएगी।

- (1) आहरण और संचितरण अधिकारी
- (2) लेखा अधिकारी
- (3) कार्यालय अध्यक्ष
- (4) विभागाध्यक्ष

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

46 5046

What is the time limit for a 'Public Information Officer' for providing requested information concerning the life and liberty of a person ?

- (1) It has to be provided immediately
- (2) Same time limit as providing any other information
- (3) It has to be provided within 24 hrs from receipt of the request
- (4) It has to be provided within 48 hrs of the receipt of the request

किसी व्यक्ति के जीवन और स्वतंत्रता से संबंधित याचित (माँगी गई) सूचना देने के लिए 'लोक सूचना अधिकारी' के लिए निर्धारित समय सीमा क्या है ?

- (1) यह तत्काल दी जानी है।
- (2) किसी अन्य सूचना देने की भाँति ही इसकी समय-सीमा है।
- (3) इस प्रकार की सूचना अनुरोध प्राप्त होने के 24 घंटे के भीतर प्रदान की जानी है।
- (4) इस प्रकार की सूचना अनुरोध प्राप्त होने के 48 घंटे के भीतर प्रदान की जानी है।

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

47 5047

As per the instructions issued by the Department of Personnel and Training (DOPT) with reference to the format in which 'information' should be supplied, identify the statement which is not correct

- (1) The CPIO is required to draw conclusion from the material and provide to the applicant
- (2) The CPIO is required to supply material in the form available with the Public Authority
- (3) The CPIO is not required to draw conclusion from the material and supply it to the applicant
- (4) The right includes inspection of work, taking notes, taking certified samples of material etc

कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) द्वारा जारी अनुदेशों के अनुसार सूचना प्रदान किए जाने के प्रारूप के संदर्भ निम्नांकित में से क्या गलत है?

- (1) सीपीआईओ. से यह अपेक्षित है कि वह सामग्री से निष्कर्ष निकालकर आवेदक को सूचना प्रदान करता है।
- (2) सीपीआईओ से अपेक्षित है कि वह लोक प्राधिकारी के पास उपलब्ध प्रारूप में सामग्री उपलब्ध कराए।
- (3) सीपीआईओ से यह अपेक्षित नहीं है कि वह सामग्री से निष्कर्ष निकालकर आवेदक को जानकारी उपलब्ध कराए।
- (4) अधिकार में कार्य का निरीक्षण, टिप्पण तैयार करना, सामग्री की प्रमाणित प्रतियाँ लेना इत्यादि सम्मिलित हैं।

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

48 5048

APIO has to forward second appeals to :

- (1) The Head of the Authority
- (2) The Concerned Information Commission
- (3) Public Information Officer
- (4) First Appellate Authority

सहायक लोक सूचना अधिकारी द्वितीय अपील को किसे अग्रसरित करता है?

- (1) प्राधिकरण के प्रधान को
- (2) संबंधित सूचना आयुक्त को
- (3) लोक सूचना अधिकारी को
- (4) प्रथम अपीलीय प्राधिकारी को

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

49 5049

Which of the following statements does not apply to appeal as per the RTI Act, 2005 ?

- (1) An appeal can be preferred if a reply is not received within 30 days of the date of request.
- (2) An appeal should be preferred to the Head of the Public Authority only.
- (3) An appeal can be admitted after 30 days if there is sufficient cause.
- (4) The onus to prove that the denial of request was justified, in an appeal proceeding, rests on CPIO.

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के अनुसार निम्नांकित में से कौन-सा कथन अपील के मामले में लागू नहीं है ?

- (1) अपील की जा सकती है यदि अनुरोध किए जाने की तारीख से 30 दिन के भीतर उत्तर प्राप्त नहीं होता है।
- (2) अपील केवल लोक प्राधिकरण के प्रधान को ही संबोधित की जानी चाहिए।
- (3) यदि पर्याप्त कारण अंतर्बलित हो तो 30 दिन के बाद अपील स्वीकृत (गृहीत) की जा सकती है।
- (4) यह सिद्ध करने का दायित्व कि अपील संबंधी अनुरोध की अस्वीकृति न्यायोचित थी, सीपीआईओ पर है।

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

50 5050

Which of the following statements regarding applicability of RTI Act 2005 is true ?

- (1) It extends to the whole of India
- (2) It extends to the whole of India except Jammu and Kashmir
- (3) It extends to the whole of India except the UT of Ladakh
- (4) It extends to the whole of India except the UT of Andaman and Nicobar Islands.

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 की प्रयोज्यता (के लागू होने) के बारे में निम्नांकित में से कौन-सा कथन सही है ?

- (1) इसका विस्तार संपूर्ण भारत में है।
- (2) इसका विस्तार जम्मू और कश्मीर के सिवाय संपूर्ण भारत में है।
- (3) इसका विस्तार लद्दाख संघ राज्य क्षेत्र के सिवाय संपूर्ण भारत में है।
- (4) इसका विस्तार अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह के सिवाय संपूर्ण भारत में है।

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

51 5051

The time limit specified in the 'RTI Act, 2005' for the Central/State Information Commissions to decide on complaints is :

- (1) 30 days
- (2) 90 days
- (3) 120 days
- (4) No such time limit has been specified

शिकायतों के बारे में विनिश्चय करने के संबंध में केन्द्रीय/राज्य सूचना आयोगों के लिए सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 में विनिर्दिष्ट समय सीमा है :

- (1) 30 दिन
- (2) 90 दिन
- (3) 120 दिन
- (4) ऐसी कोई समय सीमा विनिर्दिष्ट नहीं की गई है।

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

52 5052

The RTI Rules, 2012 mandate that the application excluding any annexures and addresses of the PIO shall ordinarily not contain more than.

- (1) 500 words
- (2) 250 words
- (3) 1000 words
- (4) 750 words

सूचना का अधिकार नियमावली, 2012 में अधिदेश है कि लोक सूचना अधिकारी के पते और किसी अनुलग्नक को छोड़कर आवेदन पत्र में साधारणतया _____ से अधिक शब्द नहीं होने चाहिए।

- (1) 500 शब्द
- (2) 250 शब्द
- (3) 1000 शब्द
- (4) 750 शब्द

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

53 5053

Which provision of the RTI Act basically provides for exemption from disclosure of information

- (1) Section 8
- (2) Section 9
- (3) Section 10
- (4) Section 11

सूचना का अधिकार अधिनियम की किस धारा में सूचना के प्रकटीकरण से छूट का उपबंध किया है?

- (1) धारा 8
- (2) धारा 9
- (3) धारा 10
- (4) धारा 11

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

54 5054

Which of the following is not true as per RTI Act 2005 ?

- (1) A CPIO has to provide information free of cost if it concerns the life or liberty of a person.
- (2) A PIO has to offer reasonable assistance to an applicant to reduce an oral application into writing.
- (3) A CPIO is under no obligation to provide requested information to a person who is not citizen of India.
- (4) A CPIO is under obligation to provide requested information to a citizen within 30 days of the receipt of request in normal circumstances.

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के अनुसार निम्नांकित में से क्या सही नहीं है?

- (1) यदि माँगी गई सूचना व्यक्ति के जीवन और स्वतंत्रता से संबंधित तो सीपीआईओ निःशुल्क सूचना प्रदान करेगा।
- (2) पीआईओ मौखिक आवेदन को लिखित रूप में प्रस्तुत करने में पर्याप्त व उचित सहायता प्रदान करता है।
- (3) जो भारत का नागरिक नहीं है, उसे माँगी गई सूचना प्रदान करने के लिए सीपीआईओ बाध्य नहीं है।
- (4) सीपीआईओ सामान्य परिस्थिति में नागरिक को सूचना प्राप्ति का आग्रह प्राप्त होने के 30 दिनों के भीतर सूचना देने में बाध्य है।

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

55 5055

Which of the following statements about further fees to be charged under the RTI Act 2005 is not true ?

- (1) It is up to the applicant whether to pay fees or not, but information has to be provided in an case.
- (2) Information provided after the specified time limits should be provided free of cost.
- (3) An applicant has the right to appeal the further fee charged and should be provided a information about this.
- (4) Details of such fees should be provided along with the calculations of the fees to be paid.

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के अधीन और अधिक फीस प्रभारित किए जाने के संबंध में कौन-सा कथन सही नहीं है ?

- (1) यह आवेदक पर निर्भर है कि वह फीस का भुगतान करे या नहीं किन्तु किसी भी दशा में सूचना प्रदान किया जाना है
- (2) विनिर्दिष्ट समय सीमा के बाद प्रदत्त सूचना निःशुल्क दी जानी चाहिए।
- (3) आवेदक के पास और अधिक प्रभारित फीस की अपील करने का अधिकार है और इस बारे में सभी सूचना दी जा चाहिए।
- (4) इस तरह की फीस का ब्यौरा संदाय की जाने वाली फीस के परिकलन के साथ दिया जाना चाहिए।

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

56 5056

Which of the following information has not been exempted from disclosure under the RTI Act 2005 ?

- (1) Information that could cause contempt of Court
- (2) Information which cannot be denied to the Parliament or a State Legislature
- (3) Records of deliberations of the Council of Ministers and decision on the matter is pending
- (4) Information which would impede the process of prosecution of offenders

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के अधीन निम्नांकित में से किस सूचना के प्रकटन की छूट नहीं दी गई है ?

- (1) सूचना जिससे न्यायालय की अवमानना हो सकती है।
- (2) सूचना जिसे संसद या राज्य विधानमंडल/विधान सभा को देने से मना नहीं किया जा सकता है।
- (3) मामले पर मंत्रिपरिषद् के विमर्श का अभिलेख तथा निर्णय लंबित है।
- (4) सूचना जिससे अपराधियों की अभियोजन प्रक्रिया बाधित होगी।

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

57	5057	Which of the following statements is correct with reference to 'compensation' under the RTI, Act (1) There is no provision for compensation under the RTI, Act 2005. (2) Compensation and penalty under the RTI Act are exactly similar. (3) In appropriate case the public authority could be required to compensate the complainant for loss or detriment suffered. (4) Compensation cannot exceed ₹ 15,000. सूचना का अधिकार अधिनियम के संदर्भ में 'प्रतिकर' के संबंध में निम्नांकित में से कौन-सा कथन सही है? (1) सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के अधीन प्रतिकर का कोई उपबंध नहीं है। (2) सूचना का अधिकार अधिनियम के अधीन प्रतिकर और शास्ति दोनों बिल्कुल समान हैं। (3) समुपयुक्त मामले में लोक प्राधिकारी को शिकायतकर्ता को हुई हानि या उसे हुई बाधा के बदले क्षतिपूर्ति का भुगतान करना पड़ सकता है। (4) प्रतिकर की धनराशि ₹ 15,000 से अधिक नहीं हो सकती है। A1 : 1 1 A2 : 2 2 A3 : 3 3 A4 : 4 4
----	------	---

Objective Question

58	5058	Exemption from disclosure of information is provided under _____ of RTI Act, 2005. (1) Section 7 only (2) Section 8 and 9 (3) Section 9 only (4) Section 10 only सूचना के प्रकटन से छूट का उपबंध सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 की किस धारा में किया गया है? (1) केवल धारा 7 में (2) धारा 8 और 9 में (3) केवल धारा 9 में (4) केवल धारा 10 में A1 : 1 1 A2 : 2 2 A3 : 3 3 A4 : 4 4
----	------	---

Objective Question

59 5059

What is not sexual harassment as per the SHWW (PPR) Act, 2013 ?

- (1) Physical contact and advances
- (2) Acid attack in a mall
- (3) A demand or request for sexual favours
- (4) Making sexually coloured remarks

कार्यस्थल पर महिलाओं का लैंगिक उत्पीड़न (निवारण प्रतिषेध और प्रतितोष) अधिनियम, 2013 के अनुसार निम्नांकित में क्या यौन उत्पीड़न नहीं है ?

- (1) शारीरिक स्पर्श और पहल
- (2) माल में अम्लीय (तेजाब से) हमला
- (3) यौन संबंध कायम करने की माँग या उस आशय से किया गया आग्रह
- (4) यौन रंजित टिप्पणियाँ करना

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

60 5060

Which of the following Rules of the CCS (Conduct) Rules 1964 deals with the prohibition of sexual harassment of working women ?

- (1) 3-A
- (2) 3-B
- (3) 3-C
- (4) 3-D

केन्द्रीय सिविल सेवा (आचरण) नियमावली, 1964 का कौन-सा नियम कामकाजी महिलाओं के लैंगिक उत्पीड़न के प्रतिषेध से संबंधित है ?

- (1) 3-A
- (2) 3-B
- (3) 3-C
- (4) 3-D

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

61 5061

As per the SHWW (PPR) Act, 2013, the member appointed from amongst the non-governmental organisations shall be paid such fees or allowances for holding the proceedings of the Internal Complaints Committee by the :

- (1) Aggrieved woman
- (2) Presiding officer
- (3) Employer
- (4) Charged employee

कार्यस्थल पर महिलाओं का लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध और प्रतितोष) अधिनियम, 2013 के अनुसार गैर-सरकारी संगठनों में से नियुक्त सदस्य को विभागीय शिकायत समिति की कार्यवाही आयोजित करने के बदले ऐसी फीस या भत्ते व संदायगी _____ के द्वारा की जाएगी।

- (1) व्यथित महिला
- (2) पीठासीन अधिकारी
- (3) नियोक्ता
- (4) आरोपी कर्मचारी

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

62 5062

As per the SHWW (PPR) Rules, 2013, the member appointed from amongst the non-governmental organisations or associations to the Internal complaints committee of an organisation shall be entitled to an allowance for holding the proceedings (in addition to the reimbursement of travel cost) at the rate of :

- (1) ₹ 200 per day
- (2) ₹ 250 per day
- (3) ₹ 300 per day
- (4) ₹ 500 per day

कार्यस्थल पर महिलाओं का लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध या प्रतितोष) अधिनियम, 2013 के अनुसार किसी संगठन व विभागीय शिकायत समिति में गैर-सरकारी संगठनों या संघों से नियुक्त सदस्य समिति की कार्यवाहियाँ आयोजित करने के बदले किस दर से भत्ते (यात्रा व्यय की प्रतिपूर्ति के अलावा) के हकदार होंगे?

- (1) ₹ 200 प्रति दिन
- (2) ₹ 250 प्रति दिन
- (3) ₹ 300 प्रति दिन
- (4) ₹ 500 प्रति दिन

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3
A4 : 4
4

Objective Question

63 5063

What should be the minimum number of women members in the Internal Complaints Committee constituted under the SHWW (PPR) Act 2013 ?

- (1) At least one-half of the total members so nominated
- (2) At least one-fourth of the total members so nominated
- (3) All members so nominated shall be women only
- (4) At least three-fourth of the total members so nominated

कार्यस्थल पर महिलाओं का लैंगिक उत्पीड़न (निवारण प्रतिषेध और प्रतितोष) अधिनियम, 2013 के अधीन गठित विभागीय शिकायत समिति में न्यूनतम कितनी सदस्य महिलाएँ होनी चाहिए ?

- (1) इस प्रकार नामनिर्दिष्ट कुल सदस्यों का कम से कम आधा।
- (2) इस प्रकार नामनिर्दिष्ट कुल सदस्यों का कम से कम एक चौथाई।
- (3) इस प्रकार नामनिर्दिष्ट सभी सदस्य केवल महिलाएँ होंगी।
- (4) इस प्रकार नामनिर्दिष्ट कुल सदस्यों का कम से कम तीन चौथाई।

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

64 5064

As per the provisions of the Sexual Harassment of Women at Workplace (Prevention, Prohibition and Redressal) Act, 2013 "aggrieved Woman", in relation to a workplace, means :

- (1) A woman above 21 years of age employed in the workplace, who alleges to have been subjected to any act of sexual harassment by the respondent.
- (2) A woman aged upto 60 years, whether employed in the work place or not, who alleges to have been subjected to any act of sexual harassment by the respondent.
- (3) A woman of any age employed in the workplace, who alleges to have been subjected to an act of sexual harassment by the respondent.
- (4) A woman of any age whether employed or not, who alleges to have been subjected to an act of sexual harassment by the respondent.

कार्यस्थल पर महिलाओं का लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध और प्रतितोष) अधिनियम, 2013 के उपबंधों के अनुसार कार्यस्थल पर “व्यथित महिला” का तात्पर्य किससे है?

- (1) कार्यस्थल पर नियोजित 21 वर्ष से अधिक आयु की महिला जो यह आरोप लगती है कि प्रत्यर्थी द्वारा उसका लैंगिक उत्पीड़न किया गया है।
- (2) 60 वर्ष की आयु तक की महिला भले वह कार्यस्थल पर नियोजित हो या नहीं; जो यह आरोप लगाती है कि प्रत्यर्थी उसका लैंगिक उत्पीड़न किया है।
- (3) कार्यस्थल पर नियोजित किसी भी उम्र की महिला जो यह आरोप लगाती है कि प्रत्यर्थी ने उसका लैंगिक उत्पीड़न किया है।
- (4) किसी भी उम्र की महिला भले ही वह कार्यस्थल पर नियोजित हो या नहीं जिसका आरोप है कि प्रत्यर्थी ने उसका लैंगिक उत्पीड़न किया है।

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

65 5065

The presiding officer and every member of the Internal Committee shall hold office for such period _____, from the date of their nomination as may be specified by the employer.

- (1) not less than two years
- (2) not exceeding two years
- (3) not less than three years
- (4) not exceeding three years

विभागीय समिति का पीठासीन अधिकारी और उसके सदस्य अपने नामनिर्दिष्ट किए जाने की तारीख से, जैसा कि नियोक द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाए से ऐसी अवधि के लिए पदधारण करेगा/करेंगे जो _____ होगा।

- (1) दो वर्ष से अन्यून
- (2) दो वर्ष से अनधिक
- (3) तीन वर्ष से अन्यून
- (4) तीन वर्ष से अनधिक

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

66 5066

Any aggrieved woman may make, in writing, a complaint of sexual harassment at workplace to the Internal Committee within a period of _____ from the date of incident.

- (1) one month
- (2) two month
- (3) three months
- (4) six months

कोई भी व्यथित महिला कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न की लिखित शिकायत घटना होने की तारीख से _____ अर्वा से भीतर विभागीय समिति से कर सकती है।

- (1) एक माह
- (2) दो माह
- (3) तीन माह
- (4) छह माह

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

67 5067

As per the provisions of the Sexual Harassment of Women at Workplace (Prevention, Prohibition and Redressal) Act, 2013, the inquiry into the complaint on Sexual Harassment shall be complete within a period of :

- (1) thirty days
- (2) sixty days
- (3) ninety days
- (4) hundred days

कार्यस्थल पर महिलाओं का लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध और प्रतितोष) अधिनियम, 2013 के अनुसार लैंगिक उत्पीड़न की शिकायत की जाँच कितनी समयावधि के भीतर पूरी की जाएगी?

- (1) तीस दिन
- (2) साठ दिन
- (3) नब्बे दिन
- (4) सौ दिन

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

68 5068

On completion of the inquiry, the Internal Committee shall provide a report of its findings to the employer within a period of _____ from the date of completion of the inquiry.

- (1) 5 days
- (2) 7 days
- (3) 10 days
- (4) 15 days

जाँच पूरी होने के बाद विभागीय समिति जाँच पूरी होने की तारीख से _____ की समयावधि के भीतर नियोक्ता को अपने निष्कर्ष का प्रतिवेदन प्रस्तुत करेगी।

- (1) 5 दिन
- (2) 7 दिन
- (3) 10 दिन
- (4) 15 दिन

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

69 5069

For the purpose of determining the sums to be paid to the aggrieved woman under the provision of the Sexual Harassment of Women at Work place (Prevention, Prohibition and Redressal), Act 2013 which of the following need not be considered by the local committee.

- (1) Emotional distress caused to the aggrieved women
- (2) The income and financial status of the aggrieved women
- (3) Medical expenses incurred by the victim for physical and psychiatric treatment
- (4) The income and financial status of the respondent

कार्यस्थल पर महिलाओं का लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध और प्रतितोष) अधिनियम 2013, के उपबंधों के अधीन व्यथित महिला को धनराशि की संदायगी की अवधारणा के प्रयोजनार्थ स्थानीय समिति को निम्नांकित में से किस पर विचार करने की आवश्यकता नहीं है?

- (1) व्यथित महिला को हुआ भावनात्मक कष्ट
- (2) व्यथित महिला की आय और उसकी वित्तीय स्थिति
- (3) शारीरिक और मनोरोग उपचार के लिए पीड़िता द्वारा किया गया चिकित्सीय व्यय
- (4) प्रत्यर्थी की आय और वित्तीय स्थिति।

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

70 5070

As per provisions of the Sexual Harassment of Women at Workplace (Prevention, Prohibition and Redressal) Act, 2013, _____ from the recommendations made under sub-section(2) of section 13 or under clause (i) or clause (ii) of sub-section (3) of section 13 or sub-section (1) of sub-section (2) of section 14 or section 17 or non-implementation of the recommendation may prefer an appeal to the court or tribunal.

- (1) aggrieved woman
- (2) respondent
- (3) witness
- (4) any person aggrieved

कार्यस्थल पर महिलाओं का लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध और प्रतितोष) अधिनियम, 2013 के उपबंधों के अनुसार धारा 13 की उपधारा (2) के अधीन अथवा धारा 13 की उपधारा (3) के खण्ड (i) या खण्ड (ii) के अधीन अथवा धारा 14 की उपधारा (1) के खण्ड (2) के अधीन अथवा धारा 17 की उपधारा (i) या उपधारा (ii) के अधीन की गई संस्तुति अथवा सिफारिश का कार्यान्वयन नहीं होने की दशा में _____ सरकार या अधिकरण में अपील दायर कर सकता/सकती है।

- (1) व्यथित महिला
- (2) प्रत्यर्थी महिला
- (3) साक्षी
- (4) कोई भी व्यथित व्यक्ति

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

71 5071

Date of birth of a family pensioner is 20th August, 1943, he shall be eligible for additional family pension at the rate of 20% of basic family pension from :

- (1) 1st August 2023
- (2) 20th August 2023
- (3) 1st September 2023
- (4) 21st August 2023

परिवार पेंशन प्राप्तकर्ता की जन्मतिथि 20 अगस्त 1943 है। वह कब से 20% की दर से अतिरिक्त पेंशन प्राप्त करने हेतु योग्य होगा :

- (1) 1 अगस्त 2023 से
- (2) 20 अगस्त 2023 से
- (3) 1 सितम्बर 2023 से
- (4) 21 अगस्त 2023 से

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

72 5072

In terms of the provisions contained in the CCS (Pension) Rules, 2021, the family pension shall be payable to one eligible member of the family of the deceased Government servant or pensioners at a time in the order specified therein, subject to the provisions of the said Rules. Indicate the correct order from the category of family members listed below :

- (A) Dependent parents
- (B) Children
- (C) Dependent sibling
- (D) Widow or widower
- (1) (A), (B), (C), (D)
- (2) (D), (B), (A), (C)
- (3) (D), (A), (B), (C)
- (4) (D), (C), (B), (A)

CCS (पेंशन) नियम 2021 में विहित प्रावधानों के संदर्भ में, कथित नियम में प्रावधान के अनुसार, उसमें दिए गए क्रम में आधार पर दिवंगत सरकारी कर्मचारी अथवा पेंशन प्राप्तकर्ता के परिवार के एक पात्र सदस्य को, एक समय पर परिवार पेंशन देय होगी। नीचे दी गई पारिवारिक सदस्यों की श्रेणी के सही क्रम को इंगित करें :

- (A) निर्भर माता-पिता
- (B) बच्चे
- (C) निर्भर भाई-बहन
- (D) विधवा अथवा विधुर
- (1) (A), (B), (C), (D)
- (2) (D), (B), (A), (C)
- (3) (D), (A), (B), (C)
- (4) (D), (C), (B), (A)

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

73 5073

Head of office in consultation with the Accounts Office shall verify the service and determine the qualifying service of a government servant on each occasion after a government servant has completed :

- (1) 25 years of service or within 5 years of service before retirement.
- (2) 20 years of service or within 10 years of service before superannuation.
- (3) 18 years of service and on his being left with 5 years of service, before superannuation.
- (4) 18 years of service and on his being left with 10 years of service before superannuation.

सरकारी कर्मचारी द्वारा सेवा में _____ पूर्ण किए जाने के अवसर पर कार्यालयाध्यक्ष लेखा, कार्यालय की सहायता सरकारी कर्मचारी की सेवा अवधि को सत्यापित कर सकता है तथा अर्हकारी सेवा को सुनिश्चित कर सकता है।

- (1) 25 वर्ष की सेवा अथवा सेवानिवृत्ति से पूर्व 5 वर्ष तक की सेवा
- (2) 20 वर्ष की सेवा अथवा वार्धक्य-निवृत्ति से 10 वर्ष पूर्व तक की सेवा
- (3) 18 वर्ष की सेवा और वार्धक्य-निवृत्ति से पाँच वर्ष पूर्व सेवा छोड़ देने पर
- (4) 18 वर्ष की सेवा और वार्धक्य-निवृत्ति से 10 वर्ष पूर्व सेवा छोड़ देने पर

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

74 5074

A government servant retired from government service on attaining the age of 60 years and die at the age of 63 years as pensioner. For how long the enhanced rate of family pension shall be payable to the eligible member of family ?

- (1) For 7 years only
- (2) For 5 years only
- (3) For 3 years only
- (4) For 4 years or till the date he would have attained the age of 67 years whichever is earlier

60 वर्ष की आयु हो जाने पर एक सरकारी कर्मचारी सेवा निवृत्त होता है तथा 63 वर्ष की आयु में पेंशनर के रूप में उसकी मृत हो जाती है। परिवार के पात्र सदस्य को कितने समय तक परिवार पेंशन की बढ़ी हुई दर प्रदान की जाएगी ?

- (1) केवल 7 वर्षों के लिए
- (2) केवल 5 वर्षों के लिए
- (3) केवल 3 वर्षों के लिए
- (4) चार वर्षों के लिए अथवा जब तक वह 67 वर्ष की आयु प्राप्त करता, जो भी पहले हो।

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

75 5075

A doubt has arisen as to the interpretation of the CCS (Pension) Rules, 2021. It shall be referred to which of the following Department(s) for decision depending upon the rule or the subject on which decision is required ?

- (A) Department of Pension and Pensioners' Welfare
- (B) Department of Expenditure
- (C) Department of Personnel and Training
- (D) Department of Social Justice and Empowerment

Select the answer from the following options.

- (1) (A), (B), (C) or (D)
- (2) Only (A), (B) or (C)
- (3) Only (A) or (C)
- (4) Only (A)

CCS (पेंशन) नियम, 2021 की व्याख्या पर संदेह किया जाता है। नियम अथवा विषय जिस पर निर्णय की आवश्यकता है के आधार पर निम्नलिखित में से किस विभाग को निर्णय हेतु यह सौंपा जाएगा ?

- (A) पेंशन एवं पेंशन प्राप्तकर्ता कल्याण विभाग
- (B) व्यय विभाग
- (C) कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग
- (D) सामाजिक न्याय एवं सशक्तीकरण विभाग

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए।

- (1) (A), (B), (C) अथवा (D)
- (2) केवल (A), (B) अथवा (C)
- (3) केवल (A) अथवा (C)
- (4) केवल (A)

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

76 5076

Invalid pension to a government servant who retires from government service on account of an bodily or mental infirmity is admissible if he has rendered :

- (1) At least 10 years of qualifying service
- (2) Even before completion of 10 years of qualifying service
- (3) After 15 years of qualifying service
- (4) After 20 years of qualifying service

कोई सरकारी कर्मचारी जो किसी शारीरिक अथवा मानसिक अक्षमता के कारण सरकारी सेवा से सेवानिवृत्ति लेता है, उस स्थिति में अविधिमान्य पेंशन प्रदेय होगी।

- (1) न्यूनतम 10 वर्ष की अर्हकारी सेवा की स्थिति में
- (2) 10 वर्ष की अर्हकारी सेवा पूर्ण होने से भी पहले
- (3) 15 वर्ष की अर्हकारी सेवा के बाद
- (4) 20 वर्ष की अर्हकारी सेवा के बाद

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

77 5077

The average emoluments of a government servant for the last 10 months of service are ₹ 1,00,070 /- whereas last pay drawn is ₹ 99,500 P.M. In this case, this pension will be admissible at the rate of _____ per month.

- (1) ₹ 50,035 /-
- (2) ₹ 49,750 /-
- (3) ₹ 50,000 /-
- (4) ₹ 49,000 /-

किसी सरकारी कर्मचारी के अंतिम दस महीनों का औसत परिलाभ ₹ 1,00,070 है जबकि उसकी अंतिम प्राप्त आय ₹ 99,500 प्रतिमाह है। इस स्थिति में, उसकी पेंशन _____ प्रतिमाह की दर पर स्वीकार्य होगी।

- (1) ₹ 50,035/-
- (2) ₹ 49,750/-
- (3) ₹ 50,000/-
- (4) ₹ 49,000/-

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

78 5078

Date of birth of a government servant is 01.01.1964, he will retire from government service on attaining the age of superannuation on :

- (1) 31.01.2024
- (2) 31.12.2023
- (3) 31.12.2024
- (4) 01.01.2025

एक सरकारी कर्मचारी की जन्म तिथि 01.01.1964 है। सेवानिवृत्ति की आयु प्राप्त करने पर वह सरकारी सेवा को सेवानिवृत्त होगा।

- (1) 31.01.2024
- (2) 31.12.2023
- (3) 31.12.2024
- (4) 01.01.2025

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

79 5079

The amount of Retirement/Death Gratuity shall be subject to the maximum monetary ceiling of

- (1) ₹ 10 Lakh
- (2) ₹ 15 Lakh
- (3) ₹ 20 Lakh
- (4) ₹ 25 Lakh

सेवानिवृत्ति/मृत्यु ग्रेच्युटी की राशि अधिकतम वित्तीय ऊपरी सीमा का विषय है :

- (1) ₹ 10 लाख
- (2) ₹ 15 लाख
- (3) ₹ 20 लाख
- (4) ₹ 25 लाख

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

80 5080

What is the maximum limit of percent of pension that a Government servant shall be entitled to commute for a lump sum payment ?

- (1) 40
- (2) 50
- (3) 60
- (4) 30

एक सरकारी कर्मचारी अपनी पेंशन का अधिकतम कितना प्रतिशत एकमुश्त राशि में रूपांतरित कर सकता है?

- (1) 40
- (2) 50
- (3) 60
- (4) 30

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

81 5081

In terms of the provisions contained in the CCS (Pension) Rules, 2021, 'Retiring pension' is payable to a Government servant :

- (1) Who retires on attaining the age of superannuation
- (2) Who is retired by the Government in accordance with the provisions contained in the CC (Pension) Rules, 2021 or Rule 56 of Fundamental Rules.
- (3) Who retires or is retired on acquiring a disability under Rule 39 of Pension rules.
- (4) Who is dismissed or removed from service and the competent authority sanctions not exceeding two-thirds of pension.

CCS (पेंशन) नियम, 2021 में निहित निर्धारित प्रावधानों के संदर्भ में, सरकारी कर्मचारी को सेवानिवृत्ति पेंशन देय होगा :

- (1) वार्धक्य निवृत्ति की आयु प्राप्ति पर सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारी को।
- (2) CCS (पेंशन) नियम, 2021 अथवा मौलिक नियमों के नियम 56 में निहित प्रावधानों के आधार पर, सरकार द्वारा सेवानिवृत्त कर्मचारी।
- (3) पेंशन नियमों के नियम 39 के तहत अशक्तता निर्धारित हो जाने पर सेवानिवृत्त होने या किए जाने वाले सरकारी कर्मचारी को।
- (4) जिसे सेवा से बर्खास्त कर दिया अथवा हटा दिया गया हो तथा सक्षम अधिकारी द्वारा 2 तिहाई से अधिक पेंशन व अनुशक्ति न दी गई हो।

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

82 5082

In the pension wealth of a subscriber there is a balance of ₹ 24 lakh, out of which ₹ 10 lakh pertains to his own account and ₹ 14 lakh government contribution. Out of the total amount of ₹ 24 lakh how much amount of withdrawal is admissible.

- (1) ₹ 6.00 lakh
- (2) ₹ 2.50 lakh
- (3) ₹ 3.00 lakh
- (4) ₹ 4.00 lakh

किसी पेंशन ग्राहक के पेंशन धन में 24 लाख की राशि है, जिसमें से 10 लाख उसके अपने खाते में है तथा 14 लाख सरकार सहयोग है। कुल 24 लाख की राशि में से कितनी राशि निकाली जा सकती है?

- (1) ₹ 6.00 लाख
- (2) ₹ 2.50 लाख
- (3) ₹ 3.00 लाख
- (4) ₹ 4.00 लाख

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

83 5083

Given below are two statements; in the control of the circular issued by the PFRDA :

Statement (I) : In case of subscribers who join NPS beyond 60 years, the exit before 3 years shall be treated as 'premature exit'.

Statement (II) : In case of unfortunate death of subscriber in Government sector, lump sum shall be payable to the nominees or legal heirs if the corpus is less than or equal to ₹ 5 lakh.

In the light of the above statements, choose the **most appropriate answer** from the options given below :

- (1) Both **Statement I** and **Statement II** are correct
- (2) Both **Statement I** and **Statement II** are incorrect
- (3) **Statement I** is correct but **Statement II** is incorrect
- (4) **Statement I** is incorrect but **Statement II** is correct

PFRDA द्वारा जारी किए गए परिपत्र के नियंत्रण के संदर्भ में दो कथन दिए गए हैं :

कथन (I) : ऐसे ग्राहक के मामले में, जिसने 60 वर्ष की आयु के बाद NPS की सुविधा ली हो, तीन वर्ष से पूर्व बहिर्गमन व 'अपरिपक्व बहिर्गमन' माना जाएगा।

(II) : सरकारी क्षेत्र में ग्राहक की दुखद मृत्यु के मामले में, यदि उसके खाते में ₹ 5 लाख अथवा उससे कम की राशि उपलब्ध होने पर, उसके नामिती अथवा वैध उत्तराधिकारी को एकमुश्त राशि देय होगी।

उपरोक्त कथनों के संदर्भ में निम्नलिखित विकल्पों में से **सबसे उपयुक्त** उत्तर का चयन कीजिए।

- (1) दोनों कथन I और कथन II सही हैं।
- (2) दोनों कथन I और कथन II गलत हैं।
- (3) कथन I सही है, परन्तु कथन II गलत है।
- (4) कथन I गलत है, परन्तु कथन II सही है।

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

84 5084

Under the CCS (Implementation of National Pension System) Rules, 2021, the powers to relax the rule vests with which of the following Departments ?

- (1) Department of Personnel and Training
- (2) Department of Economic Affairs
- (3) Department of Pension and Pensioner's Welfare
- (4) Department of Financial Services

CCS (राष्ट्रीय पेंशन व्यवस्था कार्यान्वयन) नियम, 2021 के अंतर्गत नियम को लचीला बनाने की शक्ति निम्नलिखित में किस विभाग में है ?

- (1) कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग
- (2) आर्थिक मामले विभाग
- (3) पेंशन एवं पेंशन प्राप्तकर्ता कल्याण विभाग
- (4) वित्तीय सेवा विभाग

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

85 5085

In case of interpretation or relaxation of any provision of CCS (Implementation of National Pension System) Rules, 2021 which department of the Government is to be consulted ?

- (1) Department of Pension and Pensioner's Welfare
- (2) Department of Expenditure, Ministry of Finance
- (3) Department of Financial Services, Ministry of Finance
- (4) Department of Public Enterprises, Ministry of Finance

CCS (राष्ट्रीय पेंशन व्यवस्था कार्यान्वयन) नियम, 2021 के किसी भी प्रावधान की व्याख्या एवं लचीलीकरण के मामले में सरकार के किस विभाग से सलाह ली जाती है ?

- (1) पेंशन एवं पेंशन प्राप्तकर्ता कल्याण विभाग
- (2) व्यय विभाग, वित्त मंत्रालय
- (3) वित्तीय सेवा विभाग, वित्त मंत्रालय
- (4) लोक उद्यम विभाग, वित्त मंत्रालय

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

86 5086

Under the National Pension System, the Government shall make contribution of _____ per cent or such other percentage as may be notified from time to time, of the emoluments of the Government servant to the Individual Pension Account of the subscriber every month.

- (1) 5
- (2) 10
- (3) 14
- (4) 20

राष्ट्रीय पेंशन व्यवस्था (NPS) के अंतर्गत, सरकार ग्राहक के किसी व्यक्तिगत पेंशन खाते में _____ प्रतिशत अथवा सरकारी कर्मचारी परिलाभ में समय-समय पर अधिसूचित अन्य प्रतिशत का अंशदान प्रतिमाह दिया जाएगा।

- (1) 5
- (2) 10
- (3) 14
- (4) 20

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

87 5087

Under the CCS (Implementation of National Pension System) Rules, 2021, a subscriber shall make a contribution of _____ per cent or such other percentage as may be notified from time to time, of his emoluments to the NPS every month.

- (1) 5
- (2) 10
- (3) 14
- (4) 15

CCS (राष्ट्रीय पेंशन व्यवस्था कार्यान्वयन) नियम, 2021 के अंतर्गत, ग्राहक अपनी आय का _____ प्रतिशत अथवा समय-समय पर अधिसूचित प्रतिशत प्रतिमाह अपने परिलाभ से एनपीएस में करेगा।

- (1) 5
- (2) 10
- (3) 14
- (4) 15

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

88 5088

During which of the following no contribution should be made by the subscriber to NPS account

- (1) Transfer on deputation
- (2) Half Pay leave
- (3) Commuted leave
- (4) Extra-ordinary leave

निम्नलिखित में से किसके दौरान, ग्राहक द्वारा एन पी एस खाते में कोई अंशदान नहीं किया जाना चाहिए?

- (1) प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण
- (2) अर्ध-वेतन अवकाश
- (3) परिवर्तित छुट्टी
- (4) असाधारण छुट्टी

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

89 5089

A Government servant is appointed on 2nd January of a year. Earned leave that shall be credited for that half year is :

- (1) 10 days
- (2) 13 days
- (3) 15 days
- (4) 12 days

एक सरकारी कर्मचारी की नियुक्ति किसी वर्ष 2 जनवरी को होती है। उसके खाते में आधे वर्ष के लिए कितनी अर्जित छुट्टियाँ जुड़ेंगी ?

- (1) 10 दिन
- (2) 13 दिन
- (3) 15 दिन
- (4) 12 दिन

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

90 5090

Child care leave can be granted to a single female employee upto _____ spells in a calendar year.

- (1) 9
- (2) 6
- (3) 3
- (4) 12

एक महिला कर्मचारी को एक कैलेंडर वर्ष में अधिकतम शिशु देखभाल छुट्टी प्रदान की जा सकती है।

- (1) 9
- (2) 6
- (3) 3
- (4) 12

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

91 5091

A government servant having 260 days of Earned Leave in his leave account, resigned from government service, then how many days of Earned Leave shall be encashed in his case :

- (1) 120 days
- (2) 130 days
- (3) 140 days
- (4) 150 days

एक सरकारी कर्मचारी, जिसके खाते में 260 दिन की अर्जित छुट्टियाँ हैं, सरकारी सेवा से त्यागपत्र दे देता है। ऐसी स्थिति कितने दिन की अर्जित छुट्टियों का नकदीकरण होगा ?

- (1) 120 दिन
- (2) 130 दिन
- (3) 140 दिन
- (4) 150 दिन

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

92 5092

Which is **not** correct in respect of Child Care Leave ?

- (1) Child Care Leave (CCL) is not debited against leave account
- (2) CCL is admissible only to female Government servant
- (3) CCL may be allowed up to three spells in a year
- (4) CCL can be taken for at least 5 days in one spell

शिशु देखभाल छुट्टी के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन-सा सही **नहीं** है ?

- (1) अवकाश खाते से शिशु देखभाल छुट्टी (CCL) नहीं ली जा सकती है।
- (2) CCL केवल महिला कर्मचारियों को ही प्रदेय है।
- (3) वर्ष में केवल 3 बार ही CCL प्रदान करने की अनुमति है।
- (4) एक साथ कम से कम, 5 दिन की CCL ली जा सकती है।

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

93 5093

Which of the following is not correct in respect of Paternity leave ?

- (1) Apprentices are not eligible for paternity leave
- (2) It is not to be debited to leave account
- (3) It is to be applied upto 15 days before delivery
- (4) If leave not availed within a period of six months from the date of delivery it will lapse.

पितृत्व अवकाश के संदर्भ में निम्नलिखित में से क्या सही नहीं है ?

- (1) प्रशिक्षु पितृत्व अवकाश प्राप्ति के लिए योग्य नहीं है।
- (2) इसे अवकाश खाते से नहीं लिया जा सकता है।
- (3) इसे हेतु प्रसव के 15 दिन पूर्व तक आवेदन किया जाना होता है।
- (4) यदि प्रसव के छः महीने के भीतर यह अवकाश प्राप्त नहीं किया जाता है, तो यह व्यपगत हो जाएगा।

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

94 5094

Which of the following statements is not correct ?

- (1) Paternity leave is not debited to any other leave account
- (2) Paternity leave can be availed only after delivery of the child
- (3) Paternity leave can be combined with any other kind of leave
- (4) Paternity leave if not availed within 6 months from the date of delivery shall lapse.

निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही नहीं है ?

- (1) पितृत्व अवकाश किसी अन्य अवकाश खाते से नहीं प्राप्त किया जा सकता है।
- (2) पितृत्व अवकाश केवल बच्चे के जन्म के बाद ही लिया जा सकता है।
- (3) पितृत्व अवकाश को किसी भी अन्य प्रकार के अवकाश के साथ संलग्न किया जा सकता है।
- (4) बच्चे के जन्म के छः माह के भीतर यदि पितृत्व अवकाश नहीं लिया गया तो वह व्यपगत हो जाएगा।

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

95 5095

Leave not due may be granted to a government servant in the entire service to a maximum period of :

- (1) 360 days
- (2) 240 days
- (3) 180 days
- (4) 120 days

किसी सरकारी कर्मचारी को अपने पूरे कार्यकाल में अधिकतम _____ दिन की अर्जन-शोध्य छुट्टी प्रदान की जा सकती है।

- (1) 360 दिन
- (2) 240 दिन
- (3) 180 दिन
- (4) 120 दिन

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

96 5096

Which of the following is **incorrect** in respect of casual leave ?

- (1) It can be taken with RH as prefixed or suffixed.
- (2) LTC can be availed during CL
- (3) It can be combined with joining time
- (4) It can be combined with Special Casual Leave

आकस्मिक छुट्टी के संबंध में निम्नलिखित में से क्या **गलत** है ?

- (1) इसे प्रतिबंधित छुट्टी (RH) के साथ पूर्वयोजन अथवा अंतयोजन किया जा सकता है।
- (2) आकस्मिक छुट्टी के दौरान LTC लिया जा सकता है।
- (3) इसे कार्यग्रहण अवधि के साथ संलग्न किया जा सकता है।
- (4) विशिष्ट आकस्मिक छुट्टी के साथ संलग्न किया जा सकता है।

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

97 5097

In terms of the provisions contained in the First Schedule to the CCS (Leave) Rules, 1972, which of the authorities is competent to grant Earned Leave to an Assistant Section Officer ?

- (1) Section officer
- (2) Branch officer
- (3) Deputy Secretary/Director
- (4) Head of Department (HOD) or any subordinate authority to which HOD may delegate the powers.

CCS (अवकाश) नियम, 1972 की प्रथम सूची में निहित प्रावधानों के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-से प्राधिकार सहायक अनुभाग अधिकारी को अर्जित छुट्टी प्रदान करने में सक्षम हैं ?

- (1) अनुभाग अधिकारी
- (2) शाखा अधिकारी
- (3) उप सचिव/निदेशक
- (4) विभागाध्यक्ष या अधीनस्थ प्राधिकारी जिसे विभागाध्यक्ष की शक्तियाँ सौंपे हो

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

98 5098

Any application of leave shall be made in which form to the authority competent to grant leave

- (1) Form - 1
- (2) Form - 2
- (3) Form - 3
- (4) No form has been prescribed in the CCS (Leave) Rules, 1972.

अवकाश प्रदान करने में सक्षम अधिकारी को किस फॉर्म में छुट्टी हेतु आवेदन देना होगा ?

- (1) फॉर्म - 1
- (2) फॉर्म - 2
- (3) फॉर्म - 3
- (4) CCS (अवकाश) नियम, 1972 में ऐसा कोई फॉर्म निर्दिष्ट नहीं है।

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

99 5099

Which of the following is correct in respect of grant of Half Pay Leave (HPL) ?

- (1) HPL cannot be granted for the purpose of attending to private affairs
- (2) HPL can be granted only on Medical certificate
- (3) HPL shall be credited to the said leave account @ 5/3 days of each completed calendar month
- (4) HPL cannot be combined with the maternity leave

अर्ध-वेतन अवकाश (HPL) प्रदान करने के संबंध में, निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?

- (1) निजी मामले में भाग लेने हेतु अर्ध-वेतन अवकाश प्रदान नहीं किया जा सकता।
- (2) चिकित्सीय प्रमाणपत्र के आधार पर ही अर्ध-वेतन अवकाश प्रदान किया जा सकता है।
- (3) अर्ध-वेतन अवकाश को पूर्ण कैलेंडर माह में 5/3 प्रतिदिन की दर से जोड़ा जा सकता है।
- (4) अर्ध-वेतन अवकाश को मातृत्व अवकाश के साथ संलग्न नहीं किया जा सकता है।

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

100 5100

As per CCS (CCA) Rules, 1965 which of the following is not a penalty ?

- (1) Censure
- (2) Removal
- (3) Withholding of promotion
- (4) Suspension

CCS (CCA) नियम, 1965 के अनुसार, निम्नलिखित में से क्या दंड नहीं है?

- (1) सेंसर
- (2) हटाना
- (3) पदोन्नति पर रोक लेना
- (4) निलंबन

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

101 5101

A government servant shall be deemed to have been placed under suspension by an order of the Appointing Authority if he is detained in custody, whether on a criminal charge or otherwise for a period exceeding :

- (1) Thirty six hours
- (2) Seventy two hours
- (3) Twenty four hours
- (4) Forty eight hours

नियोजन अधिकारी के आदेश द्वारा किसी सरकारी कर्मचारी को निलंबन के अंतर्गत माना जा सकता है, यदि वह _____ से अधिक की समयावधि तक आपराधिक अथवा किसी अन्य मामले में निरुद्ध किया गया हो।

- (1) 36 घंटे
- (2) 72 घंटे
- (3) 24 घंटे
- (4) 48 घंटे

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

102 5102

Which of the following recoveries is optional from subsistence allowance of a Government Servant who is under suspension ?

- (1) Subscription to CGEGIS, 1980
- (2) Refund of advances taken from GPF
- (3) House Rent Allowance
- (4) Repayment of loans and advance taken from Govt. of such rates as may be fixed, if necessary, by the competent authority.

निलंबन के अंतर्गत सरकारी कर्मचारी के निर्वाह भत्ते से निम्नलिखित में से कौन-सी बरामदगी वैकल्पिक है ?

- (1) CGEGIS अधिदान, 1980
- (2) GPF से ली गई अग्रिम राशि की वापसी
- (3) मकान किराया-भत्ता
- (4) यदि आवश्यकता हो तो, सक्षम अधिकारी द्वारा, ऐसी विशेष दरों पर निर्धारित ऋण तथा अग्रिम राशि की अदायगी।

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

103 5103

As per CCS(CCA) Rules, 1965 which of the following is **not** a major penalty ?

- (1) Withholding of Promotion
- (2) Compulsory Retirement
- (3) Dismissal
- (4) Removal

CCS (CCA) नियम, 1965 के अनुसार, निम्नलिखित में से क्या प्रमुख दंड **नहीं** है?

- (1) पदोन्नति पर रोक
- (2) अनिवार्य सेवानिवृत्ति
- (3) बर्खास्तगी
- (4) निष्कासन

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

104 5104

As per CCS(CCA) Rules, 1965, a charged officer is required to submit his reply to the charge sheet within a period of :

- (1) 10 days
- (2) 21 days
- (3) 15 days
- (4) 7 days

CCS (CCA) नियम, 1965 के अनुसार, प्रभारी अधिकारी को कितने समय के भीतर आरोपपत्र जमा करना होता है?

- (1) 10 दिन
- (2) 21 दिन
- (3) 15 दिन
- (4) 7 दिन

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

105 5105

Which of the following is **not** a major penalty as per CCS(CCA) Rules 1965 ?

- (1) Removal from service
- (2) Dismissal from service
- (3) Reduction to a lower stage in the time-scale of pay for a specified period with the effect of postponing his future increments.
- (4) Compulsory retirement of a Government Servant in accordance with the provision relating to his superannuation or retirement.

CCS (CCA) नियम, 1965 के अनुसार निम्नलिखित में से क्या प्रमुख दंड **नहीं** है?

- (1) नौकरी से निष्कासन
- (2) नौकरी से बर्खास्तगी
- (3) विशिष्ट कालखंड के लिए आय के समय मान में निचले स्तर पर पदावनति, सरकारी कर्मचारी के भविष्य में वेतन वृद्धि को लंबित करने के प्रभाव के साथ।
- (4) सरकारी कर्मचारी के वार्धक्य निवृत्ति अथवा सेवानिवृत्ति से संबंधित प्रावधान के अनुसार सरकारी कर्मचारी व अनिवार्य सेवानिवृत्ति।

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

106 5106

As per CCS(CCA) Rules, 1965, in cases other than continuous detention, an order of suspension shall be reviewed by the competent authority :

- (1) Before the expiry 90 days
- (2) After 90 days
- (3) Before the expiry of 180 days
- (4) After 180 days

CCS (CCA) नियम, 1965 के अनुसार, सतत निरोध के मामलों से अलग, सक्षम अधिकारी द्वारा निलंबन आदेश की समीक्षा की जाएगी?

- (1) 90 दिन की अवधि समाप्ति से पूर्व
- (2) 90 दिन के बाद
- (3) 180 दिन की अवधि समाप्ति से पूर्व
- (4) 180 दिन के बाद

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

107 5107

The rate of subsistence allowance for the period of first three months of suspension is :

- (1) 25% of pay
- (2) 75% of pay
- (3) 60% of pay
- (4) 50% of pay

निलंबन के प्रथम तीन महीनों की अवधि में निर्वाह भत्ता की दर है :

- (1) आय का 25%
- (2) आय का 75%
- (3) आय का 60%
- (4) आय का 50%

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

108 5108

In terms of the provisions contained in the CCS(CCA) Rules, 1965, under which of the following circumstances, it may **not** be appropriate to place a Government Servant under suspension ?

- (1) A Government Servant remains absent from duty without permission and his movements are not known.
- (2) When a disciplinary proceeding against a Government servant is contemplated or pending.
- (3) When a case against a Government Servant in respect of any criminal offence is under investigation, inquiry or trial, which is likely to lead to his conviction and/or dismissal, removal or compulsory retirement.
- (4) he has engaged himself in activities prejudicial to the interest of the security of the state.

CCS (CCA) नियम, 1965 में निहित प्रावधानों के संदर्भ में, निम्नलिखित में से किस स्थिति में, सरकारी कर्मचारी व निलंबन में डालना उचित **नहीं** हो सकता है?

- (1) सरकारी कर्मचारी द्वारा बिना किसी सूचना के कार्य से अनुपस्थिति तथा उसके आने-जाने के विषय में कोई जानकारी होने पर।
- (2) सरकारी कर्मचारी के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही पर विचार होने अथवा लंबित होने की स्थिति में।
- (3) सरकारी कर्मचारी के विरुद्ध आपराधिक गतिविधि से संबंधित मामले की जाँच-पड़ताल, पूछताछ अथवा विचारण चला रहा हो तथा उसके विरुद्ध दोष-सिद्धि तथा/अथवा बर्खास्तगी, निष्कासन अथवा अनिवार्य सेवानिवृत्ति की संभावना हो
- (4) सरकारी कर्मचारी स्वयं को ऐसी गतिविधियों में लिप्त हो जो राज्य की सुरक्षा के हित में प्रतिकूल हो।

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

109 5109

Which of the following as **not** admissible or allowed to a Government Servant under suspension

- (1) House Building Advance
- (2) Writing of Annual Performance Appraisal Report of one's subordinates
- (3) Functioning as Defence Assistant
- (4) LTC for family member

निलंबन के दौरान किसी सरकारी कर्मचारी को निम्नलिखित में से क्या ग्राह्य अथवा उसकी अनुमति **नहीं** है?

- (1) गृह-निर्माण अग्रिम
- (2) अपने कनिष्ठ अधिकारी की वार्षिक निष्पादन मूल्यांकन रिपोर्ट लिखना
- (3) रक्षा सहायक के रूप में कार्य
- (4) परिवार के सदस्यों के लिए LTC

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

110 5110

In terms of provisions contained in the CCS(Conduct) Rules, 1964, a Group 'C' employee can accept gift from his near relatives/friends on the occasion of a religious function without intimating the government. The value of such gifts should not exceed.

- (1) ₹ 15,000
- (2) ₹ 10,000
- (3) ₹ 7,500
- (4) ₹ 5,000

CCS (आचार संहिता) नियम, 1964 में निहित प्रावधानों के संदर्भ में, समूह (ग) के कर्मचारी सरकार को बिना सूचित कि धार्मिक कार्यक्रमों में अपने संबंधियों/मित्रों आदि से उपहार ले सकते हैं। ऐसे उपहारों का मूल्य _____ से अधिक न होना चाहिए।

- (1) ₹ 15,000
- (2) ₹ 10,000
- (3) ₹ 7,500
- (4) ₹ 5,000

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

111 5111

Out of the following to which the Central Civil Services (Conduct) Rules, 1964 are applicable ?

- (A) Central Civil Service employees
- (B) Railway Board Personnel
- (C) All India Service Officers
- (D) Civilian employees working in Defence Service.

Select the **correct** answer using the code given below :

- (1) (A) and (B) only
- (2) (B) and (C) only
- (3) (C) and (D) only
- (4) (A) and (D) only

निम्नलिखित में से किन पर केंद्रीय सिविल सेवा (अचार संहिता) नियम, 1964 लागू होते हैं ?

- (A) केंद्रीय सिविल सेवा के कर्मचारी
- (B) रेलवे बोर्ड के कर्मचारी
- (C) अखिल भारतीय सेवा अधिकारी
- (D) रक्षा सेवाओं में काम कर रहे असैनिक कर्मचारी

नीचे दिए गए कूटों में से **सही** उत्तर का चयन कीजिए।

- (1) केवल (A) और (B)
- (2) केवल (B) और (C)
- (3) केवल (C) और (D)
- (4) केवल (A) और (D)

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

112 5112

"Observance of Government's policies" falls under which Rule of the CCS(conduct) Rules, 1964

- (1) Rule 3-A
- (2) Rule 3-B
- (3) Rule 3-C
- (4) Rule 4

"सरकारी नीतियों का अनुपालन" CCS (आचार संहिता) नियम, 1964 के अंतर्गत किस नियम में आता है ?

- (1) नियम 3 - A
- (2) नियम 3 - B
- (3) नियम 3 - C
- (4) नियम 4

A1 : 1
1
A2 : 2
2
A3 : 3
3
A4 : 4
4

Objective Question

113 5113

In terms of provisions of CCS(Conduct) Rules, 1964 which of the following statements is not correct ?

- (1) Direction of official superior should ordinarily be in writing.
- (2) If the oral instructions are issued by any senior officer, they should be confirmed by him in writing immediately thereafter;
- (3) A Junior officer who has received oral orders from his superior officer should seek confirmation in writing as early as practicable.
- (4) Junior officer should implement the oral instructions of superior officers and need not seek written confirmation subsequently.

CCS (आचार संहिता) नियम, 1964 के प्रावधानों के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही नहीं है ?

- (1) वरिष्ठ अधिकारियों के निदेश सामान्यतः लिखित रूप में होना चाहिए।
- (2) यदि किसी वरिष्ठ अधिकारी द्वारा मौखिक अनुदेश दिया जाता है, ऐसी स्थिति में बाद में यथाशीघ्र अनुदेश को लिखित सुनिश्चित किया जाए।
- (3) वरिष्ठ अधिकारी से प्राप्त मौखिक अनुदेश को कनिष्ठ अधिकारी द्वारा यथाशीघ्र लिखित पुष्टि की माँग अपने वरिष्ठ अधिकारी से की जानी चाहिए।
- (4) कनिष्ठ अधिकारी को अपने वरिष्ठ अधिकारी से मिले मौखिक अनुदेश का पालन करना चाहिए तथा तदनुसार लिखित पुष्टि की माँग नहीं करनी चाहिए।

A1 : 1
1
A2 : 2
2
A3 : 3
3
A4 : 4
4

Objective Question

114 5114

In terms of provisions given in the CCS(Conduct) Rules, 1964, out of the following which statement is not correct ?

- (1) No Government employee should play cards on the lawns and such other places inside and outside office buildings.
- (2) The game of cards should be confined to the recreation rooms or places approved for such purposes.
- (3) Government servants may play cards on their table in the room.
- (4) No indoor games should be played in the office building after 7.00 pm. except on special occasions such as tournament etc.

- CCS (आचार संहिता) नियम, 1964 में दिए गए प्रावधानों के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही नहीं है?
- (1) किसी भी सरकारी कर्मचारी को कार्यालय इमारत के अंदर अथवा बाहर के बगीचे और ऐसे अन्य स्थानों पर ताश न खेलना चाहिए।
 - (2) ताश आदि को ऐसे उद्देश्यों के लिए निर्धारित मनोरंजन कक्ष तथा अन्य अनुमोदित स्थानों तक की सुनिश्चित कर चाहिए।
 - (3) सरकारी कर्मचारी अपने कमरे की मेज पर ताश आदि खेल सकते हैं।
 - (4) विशेष अवसरों पर, जैसे टूर्नामेंट आदि के अतिरिक्त कार्यालय परिसर में 7 बजे के बाद भवन के अंदर खेले जाने वा खेल नहीं खेले जाने चाहिए।

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

115 5115

The Central Civil Services (Conduct) Rules, 1965 shall apply to :

- (1) A member of an All India Service
- (2) A railway servant as defined in section 3 of the Indian Railways Act, 1890
- (3) Armed personnel in Defence Services
- (4) Every person appointed to a civil service or post in connection with the affairs of the Union

केंद्रीय सिविल सेवा (आचार संहिता) नियम, 1964 लागू होंगे :

- (1) अखिल भारतीय सेवा के सदस्य पर।
- (2) भारतीय रेलवे अधिनियम, 1890 के अनुभाग 3 में परिभाषित रेलवे कर्मचारी पर।
- (3) रक्षा सेवाओं में सशस्त्र कर्मचारी पर।
- (4) सिविल सेवा अथवा संघ संबंधित मामलों से जुड़े पदों पर नियुक्त सभी व्यक्तियों पर।

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

116 5116

Which of the following is not essential for a government servant as per CCS (Conduct) Rule 1964 ?

- (1) Maintain accountability and transparency
- (2) Maintain high ethical standards and honesty
- (3) Maintain political neutrality on case to case basis
- (4) Make recommendations on merit

सीसीएस (आचार संहिता) नियम, 1964 के अनुसार, किसी सरकारी कर्मचारी के लिए निम्नलिखित में से क्या आवश्यक नहीं है?

- (1) जवाबदेही तथा पारदर्शिता रखना।
- (2) उच्च स्तरीय मानक तथा ईमानदारी बनाए रखना।
- (3) अति सचेतता के आधार राजनैतिक तटस्थता बनाए रखना।
- (4) योग्यता पर संस्तुतियाँ बनाना।

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

117 5117

In terms of provisions given in the CCS(Conduct) Rules, 1964 which of the following acts and omissions do **not** amount to misconduct ?

- (1) Habitual late attendance
- (2) Government servant seeking permission to join Civil Defence Service
- (3) Riotous and disorderly behaviour during and after office hours
- (4) Wilful insubordination or disobedience, whether alone or in combination with others, to an lawful and reasonable order of a superior.

CCS (आचार संहिता) नियम, 1964 में प्रदत्त प्रावधानों के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन-से कार्य तथा त्रुटियाँ कदाच **नहीं** मानी जाती हैं?

- (1) देर से ऑफिस आने की आदत
- (2) सिविल रक्षा सेवा से जुड़ने के लिए सरकारी कर्मचारी द्वारा अनुमति की माँग करना।
- (3) अपने वरिष्ठ अधिकारी के विधिसम्मत तथा तर्कसंगत आदेशों का अकेले अथवा अन्य लोगों के साथ मिलकर अनुपालन न करना अथवा अवज्ञा करना।
- (4) कार्यालयी समय में अथवा उसके पश्चात उपद्रवी तथा अनियंत्रित व्यवहार करना।

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

118 5118

As per CCS(Conduct) Rules, 1964 which of the following statements is **not** correct ?

- (1) No employee having a spouse living should enter into or contract a marriage with any person
- (2) In an employee is married to or marries a foreign national, he should intimate this, to the Government.
- (3) No employee should enter into or contract a marriage with any person having a spouse living
- (4) Inter faith marriage disqualifies a person from government service.

CCS (आचार संहिता) नियम, 1964 के अनुसार, निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही **नहीं** है?

- (1) कोई भी कर्मचारी अपने पति अथवा पत्नी के जीवित रहते किसी अन्य व्यक्ति विवाहेतर संबंध अथवा दूसरा वैवाहिक संबंध नहीं रख सकता।
- (2) यदि कोई कर्मचारी किसी विदेशी नागरिक के साथ विवाहित है अथवा विवाह कर रहा है, तो उसे सरकार को इस विषय में सूचित करना चाहिए।
- (3) कोई भी कर्मचारी अपने पति अथवा पत्नी के जीवित रहते किसी अन्य व्यक्ति के साथ विवाहेतर संबंध नहीं रख सकता (दूसरा विवाह नहीं कर सकता)
- (4) अंतःधार्मिक विवाह (Inter faith) से किसी सरकारी कर्मचारी की सरकारी सेवा निरर्थक हो जाती है।

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

119 5119

In the context of the Central Civil Service (Conduct) Rules, 1964, which of the following statements is **not** correct ?

- (1) Mr. A, a Government servant, was arrested. He was later released on bail. It is not his duty to promptly intimate this fact to his official superior.
- (2) These rules are applicable to the personal staff members of Ministers.
- (3) These rules are applicable to the employees of non-statutory departmental center
- (4) Provision of these rules do not violate fundamental rights guaranteed under the Constitution of India.

केंद्रीय सिविल सेवा (आचार संहिता) नियम, 1964 के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही **नहीं** है?

- (1) श्रीमान क जो एक सरकारी कर्मचारी हैं, की गिरफ्तारी होती है। बाद में उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया जाता है। अप्रतिष्ठ अधिकारी को इस तथ्य के विषय में तत्काल सूचित करना सरकारी कर्मचारी का दायित्व नहीं है।
- (2) ये नियम मंत्रियों के निजी स्टॉफ सदस्यों पर लागू होते हैं।
- (3) ये नियम असांविधिक विभागीय कैंटीन के कर्मचारियों पर लागू होते हैं।
- (4) इन नियमों के प्रावधान भारतीय संविधान द्वारा सुनिश्चित मौलिक अधिकारों का उल्लंघन नहीं करते हैं।

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

120 5120

What is the time limit in case of transaction in immovable property outside India or with foreigner in which the Competent Authority has to communicate the permission ?

- (1) 15 days
- (2) 30 days
- (3) 45 days
- (4) 60 days

भारत से बाहर अथवा विदेशियों के साथ अचल संपत्ति के संव्यवहार की समय-सीमा क्या है, जिसमें सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुमति दिया जाना आवश्यक है ?

- (1) 15 दिन
- (2) 30 दिन
- (3) 45 दिन
- (4) 60 दिन

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

121 5121

Read the passage given below and answer the questions that follow.

Similar to the now ubiquitous sticker on appliances that carry a “star rating” to indicate energy efficiency, a variety of equipment could soon ship with similar star-ratings for water-use efficiency, helping consumers make a more environmentally friendly choice.

These ratings could apply to a variety of devices, from motor pumps and bath showers to irrigation machinery and washing machines. They would apply to diverse sectors, from irrigation and municipalities to hotels and buildings, as well as equipment such as pumps, if a government plan takes final shape.

A panel formed by the Centre to curb wastage of water across commissioner Anuj Kanwa

According to the recommendations, the bureau will be a technical body that will also develop standards for house hold fixtures and appliances, such as taps and washing machines. It will also devise building and plumbing codes for toilets, faucets, shower heads, water and sewer lines and cooling plants.

A proposal to set up an autonomous body was initially sent to the committee of establishment expenditure of the finance ministry, HT has learnt. The finance ministry suggested that the department of water resources should review the recommendation that the National Bureau for Water Use Efficiency should be an autonomous body. Following this, the panel recommended that the bureau could function under the Jal Shakti ministry.

India is undergoing the worst water crisis in its history and critical groundwater resources which accounted for 40% of India’s water supply, are depleting at “unsustainable” rates, according to the 2018 Niti Aayog report. Many Indian cities are grappling with water-supply crisis.

The bureau will be mandated to carry out a countrywide programme on water efficiency and increase water efficiency in all sectors by 20%. I will plan and execute the programme to save water in sectors such as irrigation, domestic water supply and industrial sectors, and said seeking anonym.

Another key function to “evolve guidelines, and ensure water audit distribution supply in town and ensure implementation of water saving measures by local bodies”.

The new policy of water crisis monitors _____.

- (1) wastage of dirty water
- (2) its efficient use
- (3) discourages water audits
- (4) helps people for maximum use of water

Read the passage given below and answer the questions that follow.

Similar to the now ubiquitous sticker on appliances that carry a “star rating” to indicate energy efficiency, a variety of equipment could soon ship with similar star-ratings for water-use efficiency, helping consumers make a more environmentally friendly choice.

These ratings could apply to a variety of devices, from motor pumps and bath showers to irrigation machinery and washing machines. They would apply to diverse sectors, from irrigation and municipalities to hotels and buildings, as well as equipment such as pumps, if a government plan takes final shape.

A panel formed by the Centre to curb wastage of water across commissioner Anuj Kanwa

According to the recommendations, the bureau will be a technical body that will also develop standards for house hold fixtures and appliances, such as taps and washing machines. It will also devise building and plumbing codes for toilets, faucets, shower heads, water and sewer lines and cooling plants.

A proposal to set up an autonomous body was initially sent to the committee of establishment expenditure of the finance ministry, HT has learnt. The finance ministry suggested that the department of water resources should review the recommendation that the National Bureau for Water Use Efficiency should be an autonomous body. Following this, the panel recommended that the bureau could function under the Jal Shakti ministry.

India is undergoing the worst water crisis in its history and critical groundwater resources which accounted for 40% of India’s water supply, are depleting at “unsustainable” rates, according to the 2018 Niti Aayog report. Many Indian cities are grappling with water-supply crisis.

The bureau will be mandated to carry out a countrywide programme on water efficiency and increase water efficiency in all sectors by 20%. I will plan and execute the programme to save water in sectors such as irrigation, domestic water supply and industrial sectors, and said seeking anonym.

Another key function to “evolve guidelines, and ensure water audit distribution supply in town and ensure implementation of water saving measures by local bodies”.

The new policy of water crisis monitors _____.

- (1) wastage of dirty water
- (2) its efficient use
- (3) discourages water audits
- (4) helps people for maximum use of water

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

122 5122

Read the passage given below and answer the questions that follow.

Similar to the now ubiquitous sticker on appliances that carry a “star rating” to indicate energy efficiency, a variety of equipment could soon ship with similar star-ratings for water-use efficiency, helping consumers make a more environmentally friendly choice.

These ratings could apply to a variety of devices, from motor pumps and bath showers to irrigation machinery and washing machines. They would apply to diverse sectors, from irrigation and municipalities to hotels and buildings, as well as equipment such as pumps, if a government plan takes final shape.

A panel formed by the Centre to curb wastage of water across commissioner Anuj Kanwa

According to the recommendations, the bureau will be a technical body that will also develop standards for house hold fixtures and appliances, such as taps and washing machines. It will also devise building and plumbing codes for toilets, faucets, shower heads, water and sewer lines and cooling plants.

A proposal to set up an autonomous body was initially sent to the committee of establishment expenditure of the finance ministry, HT has learnt. The finance ministry suggested that the department of water resources should review the recommendation that the National Bureau for Water Use Efficiency should be an autonomous body. Following this, the panel recommended that the bureau could function under the Jal Shakti ministry.

India is undergoing the worst water crisis in its history and critical groundwater resources which accounted for 40% of India’s water supply, are depleting at “unsustainable” rates, according to the 2018 Niti Aayog report. Many Indian cities are grappling with water-supply crisis.

The bureau will be mandated to carry out a countrywide programme on water efficiency and increase water efficiency in all sectors by 20%. I will plan and execute the programme to save water in sectors such as irrigation, domestic water supply and industrial sectors, and said seeking anonym.

Another key function to “evolve guidelines, and ensure water audit distribution supply in town and ensure implementation of water saving measures by local bodies”.

What is the best summary of the third paragraph in the passage ?

- (1) Bureau will devise building and other machinery codes.
- (2) Bureau will technically monitor household use of water along with urban building plans.
- (3) Bureau will restrict the use of water both at home and the corporate world.
- (4) Bureau will report the misuse of water.

Read the passage given below and answer the questions that follow.

Similar to the now ubiquitous sticker on appliances that carry a “star rating” to indicate energy efficiency, a variety of equipment could soon ship with similar star-ratings for water-use efficiency, helping consumers make a more environmentally friendly choice.

These ratings could apply to a variety of devices, from motor pumps and bath showers to irrigation machinery and washing machines. They would apply to diverse sectors, from irrigation and municipalities to hotels and buildings, as well as equipment such as pumps, if a government plan takes final shape.

A panel formed by the Centre to curb wastage of water across commissioner Anuj Kanwa

According to the recommendations, the bureau will be a technical body that will also develop standards for house hold fixtures and appliances, such as taps and washing machines. It will also devise building and plumbing codes for toilets, faucets, shower heads, water and sewer lines and cooling plants.

A proposal to set up an autonomous body was initially sent to the committee of establishment expenditure of the finance ministry, HT has learnt. The finance ministry suggested that the department of water resources should review the recommendation that the National Bureau for Water Use Efficiency should be an autonomous body. Following this, the panel recommended that the bureau could function under the Jal Shakti ministry.

India is undergoing the worst water crisis in its history and critical groundwater resources which accounted for 40% of India’s water supply, are depleting at “unsustainable” rates, according to the 2018 Niti Aayog report. Many Indian cities are grappling with water-supply crisis.

The bureau will be mandated to carry out a countrywide programme on water efficiency and increase water efficiency in all sectors by 20%. I will plan and execute the programme to save water in sectors such as irrigation, domestic water supply and industrial sectors, and said seeking anonym.

Another key function to “evolve guidelines, and ensure water audit distribution supply in town and ensure implementation of water saving measures by local bodies”.

What is the best summary of the third paragraph in the passage ?

- (1) Bureau will devise building and other machinery codes.
- (2) Bureau will technically monitor household use of water along with urban building plans.
- (3) Bureau will restrict the use of water both at home and the corporate world.
- (4) Bureau will report the misuse of water.

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

123 5123

Read the passage given below and answer the questions that follow.

Similar to the now ubiquitous sticker on appliances that carry a “star rating” to indicate energy efficiency, a variety of equipment could soon ship with similar star-ratings for water-use efficiency, helping consumers make a more environmentally friendly choice.

These ratings could apply to a variety of devices, from motor pumps and bath showers to irrigation machinery and washing machines. They would apply to diverse sectors, from irrigation and municipalities to hotels and buildings, as well as equipment such as pumps, if a government plan takes final shape.

A panel formed by the Centre to curb wastage of water across commissioner Anuj Kanwa

According to the recommendations, the bureau will be a technical body that will also develop standards for house hold fixtures and appliances, such as taps and washing machines. It will also devise building and plumbing codes for toilets, faucets, shower heads, water and sewer lines and cooling plants.

A proposal to set up an autonomous body was initially sent to the committee of establishment expenditure of the finance ministry, HT has learnt. The finance ministry suggested that the department of water resources should review the recommendation that the National Bureau for Water Use Efficiency should be an autonomous body. Following this, the panel recommended that the bureau could function under the Jal Shakti ministry.

India is undergoing the worst water crisis in its history and critical groundwater resources which accounted for 40% of India’s water supply, are depleting at “unsustainable” rates, according to the 2018 Niti Aayog report. Many Indian cities are grappling with water-supply crisis.

The bureau will be mandated to carry out a countrywide programme on water efficiency and increase water efficiency in all sectors by 20%. I will plan and execute the programme to save water in sectors such as irrigation, domestic water supply and industrial sectors, and said seeking anonym.

Another key function to “evolve guidelines, and ensure water audit distribution supply in town and ensure implementation of water saving measures by local bodies”.

Why should the appliance be graded ?

- (1) to increase their prices
- (2) to encourage their brands
- (3) for awareness and popularity
- (4) for efficient use of energy

Read the passage given below and answer the questions that follow.

Similar to the now ubiquitous sticker on appliances that carry a “star rating” to indicate energy efficiency, a variety of equipment could soon ship with similar star-ratings for water-use efficiency, helping consumers make a more environmentally friendly choice.

These ratings could apply to a variety of devices, from motor pumps and bath showers to irrigation machinery and washing machines. They would apply to diverse sectors, from irrigation and municipalities to hotels and buildings, as well as equipment such as pumps, if a government plan takes final shape.

A panel formed by the Centre to curb wastage of water across commissioner Anuj Kanwa

According to the recommendations, the bureau will be a technical body that will also develop standards for house hold fixtures and appliances, such as taps and washing machines. It will also devise building and plumbing codes for toilets, faucets, shower heads, water and sewer lines and cooling plants.

A proposal to set up an autonomous body was initially sent to the committee of establishment expenditure of the finance ministry, HT has learnt. The finance ministry suggested that the department of water resources should review the recommendation that the National Bureau for Water Use Efficiency should be an autonomous body. Following this, the panel recommended that the bureau could function under the Jal Shakti ministry.

India is undergoing the worst water crisis in its history and critical groundwater resources which accounted for 40% of India’s water supply, are depleting at “unsustainable” rates, according to the 2018 Niti Aayog report. Many Indian cities are grappling with water-supply crisis.

The bureau will be mandated to carry out a countrywide programme on water efficiency and increase water efficiency in all sectors by 20%. I will plan and execute the programme to save water in sectors such as irrigation, domestic water supply and industrial sectors, and said seeking anonym.

Another key function to “evolve guidelines, and ensure water audit distribution supply in town and ensure implementation of water saving measures by local bodies”.

Why should the appliance be graded ?

- (1) to increase their prices
- (2) to encourage their brands
- (3) for awareness and popularity
- (4) for efficient use of energy

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

124 5124

Read the passage given below and answer the questions that follow.

Similar to the now ubiquitous sticker on appliances that carry a “star rating” to indicate energy efficiency, a variety of equipment could soon ship with similar star-ratings for water-use efficiency, helping consumers make a more environmentally friendly choice.

These ratings could apply to a variety of devices, from motor pumps and bath showers to irrigation machinery and washing machines. They would apply to diverse sectors, from irrigation and municipalities to hotels and buildings, as well as equipment such as pumps, if a government plan takes final shape.

A panel formed by the Centre to curb wastage of water across commissioner Anuj Kanwa

According to the recommendations, the bureau will be a technical body that will also develop standards for house hold fixtures and appliances, such as taps and washing machines. It will also devise building and plumbing codes for toilets, faucets, shower heads, water and sewer lines and cooling plants.

A proposal to set up an autonomous body was initially sent to the committee of establishment expenditure of the finance ministry, HT has learnt. The finance ministry suggested that the department of water resources should review the recommendation that the National Bureau for Water Use Efficiency should be an autonomous body. Following this, the panel recommended that the bureau could function under the Jal Shakti ministry.

India is undergoing the worst water crisis in its history and critical groundwater resources which accounted for 40% of India’s water supply, are depleting at “unsustainable” rates, according to the 2018 Niti Aayog report. Many Indian cities are grappling with water-supply crisis.

The bureau will be mandated to carry out a countrywide programme on water efficiency and increase water efficiency in all sectors by 20%. I will plan and execute the programme to save water in sectors such as irrigation, domestic water supply and industrial sectors, and said seeking anonym.

Another key function to “evolve guidelines, and ensure water audit distribution supply in town and ensure implementation of water saving measures by local bodies”.

The newly set national bureau for water use is advised to work under the _____.

- (1) Finance ministry
- (2) Power Ministry
- (3) Jal Shakti Ministry
- (4) Prime Minister Office (PMO)

Read the passage given below and answer the questions that follow.

Similar to the now ubiquitous sticker on appliances that carry a “star rating” to indicate energy efficiency, a variety of equipment could soon ship with similar star-ratings for water-use efficiency, helping consumers make a more environmentally friendly choice.

These ratings could apply to a variety of devices, from motor pumps and bath showers to irrigation machinery and washing machines. They would apply to diverse sectors, from irrigation and municipalities to hotels and buildings, as well as equipment such as pumps, if a government plan takes final shape.

A panel formed by the Centre to curb wastage of water across commissioner Anuj Kanwa

According to the recommendations, the bureau will be a technical body that will also develop standards for house hold fixtures and appliances, such as taps and washing machines. It will also devise building and plumbing codes for toilets, faucets, shower heads, water and sewer lines and cooling plants.

A proposal to set up an autonomous body was initially sent to the committee of establishment expenditure of the finance ministry, HT has learnt. The finance ministry suggested that the department of water resources should review the recommendation that the National Bureau for Water Use Efficiency should be an autonomous body. Following this, the panel recommended that the bureau could function under the Jal Shakti ministry.

India is undergoing the worst water crisis in its history and critical groundwater resources which accounted for 40% of India’s water supply, are depleting at “unsustainable” rates, according to the 2018 Niti Aayog report. Many Indian cities are grappling with water-supply crisis.

The bureau will be mandated to carry out a countrywide programme on water efficiency and increase water efficiency in all sectors by 20%. I will plan and execute the programme to save water in sectors such as irrigation, domestic water supply and industrial sectors, and said seeking anonym.

Another key function to “evolve guidelines, and ensure water audit distribution supply in town and ensure implementation of water saving measures by local bodies”.

The newly set national bureau for water use is advised to work under the _____.

- (1) Finance ministry
- (2) Power Ministry
- (3) Jal Shakti Ministry
- (4) Prime Minister Office (PMO)

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

125 5125

Read the passage given below and answer the questions that follow.

Similar to the now ubiquitous sticker on appliances that carry a “star rating” to indicate energy efficiency, a variety of equipment could soon ship with similar star-ratings for water-use efficiency, helping consumers make a more environmentally friendly choice.

These ratings could apply to a variety of devices, from motor pumps and bath showers to irrigation machinery and washing machines. They would apply to diverse sectors, from irrigation and municipalities to hotels and buildings, as well as equipment such as pumps, if a government plan takes final shape.

A panel formed by the Centre to curb wastage of water across commissioner Anuj Kanwal.

According to the recommendations, the bureau will be a technical body that will also develop standards for house hold fixtures and appliances, such as taps and washing machines. It will also devise building and plumbing codes for toilets, faucets, shower heads, water and sewer lines and cooling plants.

A proposal to set up an autonomous body was initially sent to the committee of establishment expenditure of the finance ministry, HT has learnt. The finance ministry suggested that the department of water resources should review the recommendation that the National Bureau for Water Use Efficiency should be an autonomous body. Following this, the panel recommended that the bureau could function under the Jal Shakti ministry.

India is undergoing the worst water crisis in its history and critical groundwater resources, which accounted for 40% of India’s water supply, are depleting at “unsustainable” rates, according to the 2018 Niti Aayog report. Many Indian cities are grappling with water-supply crisis.

The bureau will be mandated to carry out a countrywide programme on water efficiency and increase water efficiency in all sectors by 20%. I will plan and execute the programme to save water in sectors such as irrigation, domestic water supply and industrial sectors, and said seeking anonym.

Another key function to “evolve guidelines, and ensure water autit distribution supply in town and ensure implementation of water saving measures by local bodies”.

Given below are two statements :

Statement (I) : New ratings will be applied to pumps, water-showers, machinery and wasting equipments etc.

Statement (II) : The state governments have formed pond to curb the wastage of water across their states.

In the light of the above statements, choose the **most appropriate answer** from the options given below :

- (1) Both **Statement I** and **Statement II** are correct
- (2) Both **Statement I** and **Statement II** are incorrect
- (3) **Statement I** is correct but **Statement II** is incorrect
- (4) **Statement I** is incorrect but **Statement II** is correct

Read the passage given below and answer the questions that follow.

Similar to the now ubiquitous sticker on appliances that carry a “star rating” to indicate energy efficiency, a variety of equipment could soon ship with similar star-ratings for water-use efficiency, helping consumers make a more environmentally friendly choice.

These ratings could apply to a variety of devices, from motor pumps and bath showers to irrigation machinery and washing machines. They would apply to diverse sectors, from irrigation and municipalities to hotels and buildings, as well as equipment such as pumps, if a government plan takes final shape.

A panel formed by the Centre to curb wastage of water across commissioner Anuj Kanwal.

According to the recommendations, the bureau will be a technical body that will also develop standards for house hold fixtures and appliances, such as taps and washing machines. It will also devise building and plumbing codes for toilets, faucets, shower heads, water and sewer lines and cooling plants.

A proposal to set up an autonomous body was initially sent to the committee of establishment expenditure of the finance ministry, HT has learnt. The finance ministry suggested that the department of water resources should review the recommendation that the National Bureau for Water Use Efficiency should be an autonomous body. Following this, the panel recommended that the bureau could function under the Jal Shakti ministry.

India is undergoing the worst water crisis in its history and critical groundwater resources, which accounted for 40% of India’s water supply, are depleting at “unsustainable” rates, according to the 2018 Niti Aayog report. Many Indian cities are grappling with water-supply crisis.

The bureau will be mandated to carry out a countrywide programme on water efficiency and increase water efficiency in all sectors by 20%. I will plan and execute the programme to save water in sectors such as irrigation, domestic water supply and industrial sectors, and said seeking anonym.

Another key function to “evolve guidelines, and ensure water autit distribution supply in town and ensure implementation of water saving measures by local bodies”.

Given below are two statements :

Statement (I) : New ratings will be applied to pumps, water-showers, machinery and wasting equipments etc.

Statement (II) : The state governments have formed pond to curb the wastage of water across their states.

In the light of the above statements, choose the **most appropriate answer** from the options given below :

- (1) Both **Statement I** and **Statement II** are correct
- (2) Both **Statement I** and **Statement II** are incorrect
- (3) **Statement I** is correct but **Statement II** is incorrect
- (4) **Statement I** is incorrect but **Statement II** is correct

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

126 5126

Read the passage given below and answer the questions that follow.

Similar to the now ubiquitous sticker on appliances that carry a “star rating” to indicate energy efficiency, a variety of equipment could soon ship with similar star-ratings for water-use efficiency, helping consumers make a more environmentally friendly choice.

These ratings could apply to a variety of devices, from motor pumps and bath showers to irrigation machinery and washing machines. They would apply to diverse sectors, from irrigation and municipalities to hotels and buildings, as well as equipment such as pumps, if a government plan takes final shape.

A panel formed by the Centre to curb wastage of water across commissioner Anuj Kanwa

According to the recommendations, the bureau will be a technical body that will also develop standards for house hold fixtures and appliances, such as taps and washing machines. It will also devise building and plumbing codes for toilets, faucets, shower heads, water and sewer lines and cooling plants.

A proposal to set up an autonomous body was initially sent to the committee of establishment expenditure of the finance ministry, HT has learnt. The finance ministry suggested that the department of water resources should review the recommendation that the National Bureau for Water Use Efficiency should be an autonomous body. Following this, the panel recommended that the bureau could function under the Jal Shakti ministry.

India is undergoing the worst water crisis in its history and critical groundwater resources which accounted for 40% of India’s water supply, are depleting at “unsustainable” rates, according to the 2018 Niti Aayog report. Many Indian cities are grappling with water-supply crisis.

The bureau will be mandated to carry out a countrywide programme on water efficiency and increase water efficiency in all sectors by 20%. I will plan and execute the programme to save water in sectors such as irrigation, domestic water supply and industrial sectors, and said seeking anonym.

Another key function to “evolve guidelines, and ensure water audit distribution supply in town and ensure implementation of water saving measures by local bodies”.

Find out a word from the above passage which means ‘found everywhere’ :

- (1) efficiency
- (2) unsustainable
- (3) ubiquitous
- (4) diverse

Read the passage given below and answer the questions that follow.

Similar to the now ubiquitous sticker on appliances that carry a “star rating” to indicate energy efficiency, a variety of equipment could soon ship with similar star-ratings for water-use efficiency, helping consumers make a more environmentally friendly choice.

These ratings could apply to a variety of devices, from motor pumps and bath showers to irrigation machinery and washing machines. They would apply to diverse sectors, from irrigation and municipalities to hotels and buildings, as well as equipment such as pumps, if a government plan takes final shape.

A panel formed by the Centre to curb wastage of water across commissioner Anuj Kanwa

According to the recommendations, the bureau will be a technical body that will also develop standards for house hold fixtures and appliances, such as taps and washing machines. It will also devise building and plumbing codes for toilets, faucets, shower heads, water and sewer lines and cooling plants.

A proposal to set up an autonomous body was initially sent to the committee of establishment expenditure of the finance ministry, HT has learnt. The finance ministry suggested that the department of water resources should review the recommendation that the National Bureau for Water Use Efficiency should be an autonomous body. Following this, the panel recommended that the bureau could function under the Jal Shakti ministry.

India is undergoing the worst water crisis in its history and critical groundwater resources which accounted for 40% of India’s water supply, are depleting at “unsustainable” rates, according to the 2018 Niti Aayog report. Many Indian cities are grappling with water-supply crisis.

The bureau will be mandated to carry out a countrywide programme on water efficiency and increase water efficiency in all sectors by 20%. I will plan and execute the programme to save water in sectors such as irrigation, domestic water supply and industrial sectors, and said seeking anonym.

Another key function to “evolve guidelines, and ensure water audit distribution supply in town and ensure implementation of water saving measures by local bodies”.

Find out a word from the above passage which means ‘found everywhere’ :

- (1) efficiency
- (2) unsustainable
- (3) ubiquitous
- (4) diverse

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

127 5127

Read the passage given below and answer the question that follow.

Science and technology, it is said, transcends national boundaries. However, there was no mistaking the total Indian-ness of the celebrations in the monitoring room of ISRO. May be this is how the nerve centres of cutting-edge technology companies in Silicon Valley, California, will look in the not-too-distant future. For the moment, however, there was no mistaking the fact that last week's successful moon mission was entirely an Indian success story. Most important, this is how it looked and was internalised by the country. The countless WhatsApp messages juxtaposing the 1963 photograph of a rocket head being carried on a bicycle with latest images of the Vikram lander have driven home the point that India made the journey its way - and despite modest resources and the unending sneers of those who already had a place on the global high table. Nine years ago, Narendra Modi's invocation of Atmanirbhar Bharat and Make in India was brushed aside by cosmopolitan India as xenophobic claptrap, so typical of Hindu insularity. The global condescension towards India's pretensions of greatness was summed up in the infamous New York Times cartoon depicted the dhoti-clad rustic with his cow knocking on the doors of the global space club. Today, no one is laughing. The bundi-clad and sari-wearing Indian men and women have proved a point.

Choose a suitable title for the given passage :

- (1) Chandrayaan - 3 : A Success Moon Mission Celebration
- (2) Chandrayaan - 3 : A Cultural Celebration of Technological Advancement
- (3) Chandrayaan - 3 : A Success Story of Landing
- (4) Chandrayaan - 3 : Advancement of Space Technology

Read the passage given below and answer the question that follow.

Science and technology, it is said, transcends national boundaries. However, there was no mistaking the total Indian-ness of the celebrations in the monitoring room of ISRO. May be this is how the nerve centres of cutting-edge technology companies in Silicon Valley, California, will look in the not-too-distant future. For the moment, however, there was no mistaking the fact that last week's successful moon mission was entirely an Indian success story. Most important, this is how it looked and was internalised by the country. The countless WhatsApp messages juxtaposing the 1963 photograph of a rocket head being carried on a bicycle with latest images of the Vikram lander have driven home the point that India made the journey its way - and despite modest resources and the unending sneers of those who already had a place on the global high table. Nine years ago, Narendra Modi's invocation of Atmanirbhar Bharat and Make in India was brushed aside by cosmopolitan India as xenophobic claptrap, so typical of Hindu insularity. The global condescension towards India's pretensions of greatness was summed up in the infamous New York Times cartoon depicted the dhoti-clad rustic with his cow knocking on the doors of the global space club. Today, no one is laughing. The bundi-clad and sari-wearing Indian men and women have proved a point.

Choose a suitable title for the given passage :

- (1) Chandrayaan - 3 : A Success Moon Mission Celebration
- (2) Chandrayaan - 3 : A Cultural Celebration of Technological Advancement
- (3) Chandrayaan - 3 : A Success Story of Landing
- (4) Chandrayaan - 3 : Advancement of Space Technology

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

128 5128

Read the passage given below and answer the question that follow.

Science and technology, it is said, transcends national boundaries. However, there was no mistaking the total Indian-ness of the celebrations in the monitoring room of ISRO. May be this is how the nerve centres of cutting-edge technology companies in Silicon Valley, California, will look in the not-too-distant future. For the moment, however, there was no mistaking the fact that last week's successful moon mission was entirely an Indian success story. Most important, this is how it looked and was internalised by the country. The countless WhatsApp messages juxtaposing the 1963 photograph of a rocket head being carried on a bicycle with latest images of the Vikram lander have driven home the point that India made the journey its way - and despite modest resources and the unending sneers of those who already had a place on the global high table.

Nine years ago, Narendra Modi's invocation of Atmanirbhar Bharat and Make in India was brushed aside by cosmopolitan India as xenophobic claptrap, so typical of Hindu insularity. The global condescension towards India's pretensions of greatness was summed up in the infamous New York Times cartoon depicted the dhoti-clad rustic with his cow knocking on the doors of the global space club. Today, no one is laughing. The bundi-clad and sari-wearing Indian men and women have proved a point.

Arrange the followings in reverse chronological order of their occurrence :

- (A) Make in India
- (B) Chandrayaan - 1
- (C) Atmanirbhar Bharat
- (D) Chandrayaan - 2
- (E) Chandrayaan - 3

Choose the **correct** answer from the options given below :

- (1) (B), (C), (A), (D), (E)
- (2) (C), (A), (B), (D), (E)
- (3) (E), (D), (B), (A), (C)
- (4) (E), (D), (A), (C), (B)

Read the passage given below and answer the question that follow.

Science and technology, it is said, transcends national boundaries. However, there was no mistaking the total Indian-ness of the celebrations in the monitoring room of ISRO. May be this is how the nerve centres of cutting-edge technology companies in Silicon Valley, California, will look in the not-too-distant future. For the moment, however, there was no mistaking the fact that last week's successful moon mission was entirely an Indian success story. Most important, this is how it looked and was internalised by the country. The countless WhatsApp messages juxtaposing the 1963 photograph of a rocket head being carried on a bicycle with latest images of the Vikram lander have driven home the point that India made the journey its way - and despite modest resources and the unending sneers of those who already had a place on the global high table. Nine years ago, Narendra Modi's invocation of Atmanirbhar Bharat and Make in India was brushed aside by cosmopolitan India as xenophobic claptrap, so typical of Hindu insularity. The global condescension towards India's pretensions of greatness was summed up in the infamous New York Times cartoon depicted the dhoti-clad rustic with his cow knocking on the doors of the global space club. Today, no one is laughing. The bundi-clad and sari-wearing Indian men and women have proved a point.

Arrange the followings in reverse chronological order of their occurrence :

- (A) Make in India
- (B) Chandrayaan - 1
- (C) Atmanirbhar Bharat
- (D) Chandrayaan - 2
- (E) Chandrayaan - 3

Choose the **correct** answer from the options given below :

- (1) (B), (C), (A), (D), (E)
- (2) (C), (A), (B), (D), (E)
- (3) (E), (D), (B), (A), (C)
- (4) (E), (D), (A), (C), (B)

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

129 5129

Read the passage given below and answer the question that follow.

Science and technology, it is said, transcends national boundaries. However, there was no mistaking the total Indian-ness of the celebrations in the monitoring room of ISRO. May be this is how the nerve centres of cutting-edge technology companies in Silicon Valley, California, will look in the not-too-distant future. For the moment, however, there was no mistaking the fact that last week's successful moon mission was entirely an Indian success story. Most important, this is how it looked and was internalised by the country. The countless WhatsApp messages juxtaposing the 1963 photograph of a rocket head being carried on a bicycle with latest images of the Vikram lander have driven home the point that India made the journey its way - and despite modest resources and the unending sneers of those who already had a place on the global high table. Nine years ago, Narendra Modi's invocation of Atmanirbhar Bharat and Make in India was brushed aside by cosmopolitan India as xenophobic claptrap, so typical of Hindu insularity. The global condescension towards India's pretensions of greatness was summed up in the infamous New York Times cartoon depicted the dhoti-clad rustic with his cow knocking on the doors of the global space club. Today, no one is laughing. The bundi-clad and sari-wearing Indian men and women have proved a point.

Xenophobic refers to _____.

- (1) Hated for people from foreign nation
- (2) Liking for people from foreign land.
- (3) Liking for people of one's own nation
- (4) Feeling of patriotism

Read the passage given below and answer the question that follow.

Science and technology, it is said, transcends national boundaries. However, there was no mistaking the total Indian-ness of the celebrations in the monitoring room of ISRO. May be this is how the nerve centres of cutting-edge technology companies in Silicon Valley, California, will look in the not-too-distant future. For the moment, however, there was no mistaking the fact that last week's successful moon mission was entirely an Indian success story. Most important, this is how it looked and was internalised by the country. The countless WhatsApp messages juxtaposing the 1963 photograph of a rocket head being carried on a bicycle with latest images of the Vikram lander have driven home the point that India made the journey its way - and despite modest resources and the unending sneers of those who already had a place on the global high table. Nine years ago, Narendra Modi's invocation of Atmanirbhar Bharat and Make in India was brushed aside by cosmopolitan India as xenophobic claptrap, so typical of Hindu insularity. The global condescension towards India's pretensions of greatness was summed up in the infamous New York Times cartoon depicted the dhoti-clad rustic with his cow knocking on the doors of the global space club. Today, no one is laughing. The bundi-clad and sari-wearing Indian men and women have proved a point.

Xenophobic refers to _____.

- (1) Hated for people from foreign nation
- (2) Liking for people from foreign land.
- (3) Liking for people of one's own nation
- (4) Feeling of patriotism

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

130/5130

Read the passage given below and answer the question that follow.

Science and technology, it is said, transcends national boundaries. However, there was no mistaking the total Indian-ness of the celebrations in the monitoring room of ISRO. May be this is how the nerve centres of cutting-edge technology companies in Silicon Valley, California, will look in the not-too-distant future. For the moment, however, there was no mistaking the fact that last week's successful moon mission was entirely an Indian success story. Most important, this is how it looked and was internalised by the country. The countless WhatsApp messages juxtaposing the 1963 photograph of a rocket head being carried on a bicycle with latest images of the Vikram lander have driven home the point that India made the journey its way - and despite modest resources and the unending sneers of those who already had a place on the global high table.

Nine years ago, Narendra Modi's invocation of Atmanirbhar Bharat and Make in India was brushed aside by cosmopolitan India as xenophobic claptrap, so typical of Hindu insularity. The global condescension towards India's pretensions of greatness was summed up in the infamous New York Times cartoon depicted the dhoti-clad rustic with his cow knocking on the doors of the global space club. Today, no one is laughing. The bundi-clad and sari-wearing Indian men and women have proved a point.

Choose the statement that most appropriately by represents the precis of paragraph 1 :

- (1) Since science and technology transcends national boundaries, the moon-mission Chandrayaan-3 is considered to be the success of the world.
- (2) The successful moon mission Chandrayaan-3 was entirely an Indian success, which was internalized by the citizen's of the nation in different way.
- (3) The world made fun of India for its previous moon mission failure but has finally accepted Chandrayaan-3's success and Indian; success.
- (4) Chandrayaan-3 is not only the success of India but the success of entire world.

Read the passage given below and answer the question that follow.

Science and technology, it is said, transcends national boundaries. However, there was no mistaking the total Indian-ness of the celebrations in the monitoring room of ISRO. May be this is how the nerve centres of cutting-edge technology companies in Silicon Valley, California, will look in the not-too-distant future. For the moment, however, there was no mistaking the fact that last week's successful moon mission was entirely an Indian success story. Most important, this is how it looked and was internalised by the country. The countless WhatsApp messages juxtaposing the 1963 photograph of a rocket head being carried on a bicycle with latest images of the Vikram lander have driven home the point that India made the journey its way - and despite modest resources and the unending sneers of those who already had a place on the global high table. Nine years ago, Narendra Modi's invocation of Atmanirbhar Bharat and Make in India was brushed aside by cosmopolitan India as xenophobic claptrap, so typical of Hindu insularity. The global condescension towards India's pretensions of greatness was summed up in the infamous New York Times cartoon depicted the dhoti-clad rustic with his cow knocking on the doors of the global space club. Today, no one is laughing. The bundi-clad and sari-wearing Indian men and women have proved a point.

Choose the statement that most appropriately represents the precis of paragraph 1 :

- (1) Since science and technology transcends national boundaries, the moon-mission Chandrayaan-3 is considered to be the success of the world.
- (2) The successful moon mission Chandrayaan-3 was entirely an Indian success, which was internalized by the citizen's of the nation in different way.
- (3) The world made fun of India for its previous moon mission failure but has finally accepted Chandrayaan-3's success and Indian; success.
- (4) Chandrayaan-3 is not only the success of India but the success of entire world.

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

131 | 5131

Read the passage given below and answer the question that follow.

Science and technology, it is said, transcends national boundaries. However, there was no mistaking the total Indian-ness of the celebrations in the monitoring room of ISRO. May be this is how the nerve centres of cutting-edge technology companies in Silicon Valley, California, will look in the not-too-distant future. For the moment, however, there was no mistaking the fact that last week's successful moon mission was entirely an Indian success story. Most important, this is how it looked and was internalised by the country. The countless WhatsApp messages juxtaposing the 1963 photograph of a rocket head being carried on a bicycle with latest images of the Vikram lander have driven home the point that India made the journey its way - and despite modest resources and the unending sneers of those who already had a place on the global high table. Nine years ago, Narendra Modi's invocation of Atmanirbhar Bharat and Make in India was brushed aside by cosmopolitan India as xenophobic claptrap, so typical of Hindu insularity. The global condescension towards India's pretensions of greatness was summed up in the infamous New York Times cartoon depicted the dhoti-clad rustic with his cow knocking on the doors of the global space club. Today, no one is laughing. The bundi-clad and sari-wearing Indian men and women have proved a point.

Choose the statement that is incorrect with respect to the given passage :

- (1) The New York times cartoon represents the success story of India.
- (2) Science and Technology cannot be limited to a certain space.
- (3) The New York times cartoon made a mocking of Rustic India aiming to excel in space science.
- (4) Cosmopolitan India did not give importance to the idea of 'Make in India' and 'Atmanirbhar Bharat'.

Read the passage given below and answer the question that follow.

Science and technology, it is said, transcends national boundaries. However, there was no mistaking the total Indian-ness of the celebrations in the monitoring room of ISRO. May be this is how the nerve centres of cutting-edge technology companies in Silicon Valley, California, will look in the not-too-distant future. For the moment, however, there was no mistaking the fact that last week's successful moon mission was entirely an Indian success story. Most important, this is how it looked and was internalised by the country. The countless WhatsApp messages juxtaposing the 1963 photograph of a rocket head being carried on a bicycle with latest images of the Vikram lander have driven home the point that India made the journey its way - and despite modest resources and the unending sneers of those who already had a place on the global high table. Nine years ago, Narendra Modi's invocation of Atmanirbhar Bharat and Make in India was brushed aside by cosmopolitan India as xenophobic claptrap, so typical of Hindu insularity. The global condescension towards India's pretensions of greatness was summed up in the infamous New York Times cartoon depicted the dhoti-clad rustic with his cow knocking on the doors of the global space club. Today, no one is laughing. The bundi-clad and sari-wearing Indian men and women have proved a point.

Choose the statement that is incorrect with respect to the given passage :

- (1) The New York times cartoon represents the success story of India.
- (2) Science and Technology cannot be limited to a certain space.
- (3) The New York times cartoon made a mocking of Rustic India aiming to excel in space science.
- (4) Cosmopolitan India did not give importance to the idea of 'Make in India' and 'Atmanirbhar Bharat'.

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3
A4 : 4
4

Objective Question

132 5132

Read the passage given below and answer the question that follow.

Science and technology, it is said, transcends national boundaries. However, there was no mistaking the total Indian-ness of the celebrations in the monitoring room of ISRO. May be this is how the nerve centres of cutting-edge technology companies in Silicon Valley, California, will look in the not-too-distant future. For the moment, however, there was no mistaking the fact that last week's successful moon mission was entirely an Indian success story. Most important, this is how it looked and was internalised by the country. The countless WhatsApp messages juxtaposing the 1963 photograph of a rocket head being carried on a bicycle with latest images of the Vikram lander have driven home the point that India made the journey its way - and despite modest resources and the unending sneers of those who already had a place on the global high table.

Nine years ago, Narendra Modi's invocation of Atmanirbhar Bharat and Make in India was brushed aside by cosmopolitan India as xenophobic claptrap, so typical of Hindu insularity. The global condescension towards India's pretensions of greatness was summed up in the infamous New York Times cartoon depicted the dhoti-clad rustic with his cow knocking on the doors of the global space club. Today, no one is laughing. The bundi-clad and sari-wearing Indian men and women have proved a point.

Given below are two statements :

Statement (I) : The invocation of Atmanirbhar Bharat was not taken seriously by the cosmopolitan India.

Statement (II) : Developed countries mocked at Indian's idea of becoming Atmanirbhar

In the light of the above statements, choose the **most appropriate answer** from the options given below :

- (1) Both **Statement I** and **Statement II** are correct
- (2) Both **Statement I** and **Statement II** are incorrect
- (3) **Statement I** is correct but **Statement II** is incorrect
- (4) **Statement I** is incorrect but **Statement II** is correct

Read the passage given below and answer the question that follow.

Science and technology, it is said, transcends national boundaries. However, there was no mistaking the total Indian-ness of the celebrations in the monitoring room of ISRO. May be this is how the nerve centres of cutting-edge technology companies in Silicon Valley, California, will look in the not-too-distant future. For the moment, however, there was no mistaking the fact that last week's successful moon mission was entirely an Indian success story. Most important, this is how it looked and was internalised by the country. The countless WhatsApp messages juxtaposing the 1963 photograph of a rocket head being carried on a bicycle with latest images of the Vikram lander have driven home the point that India made the journey its way - and despite modest resources and the unending sneers of those who already had a place on the global high table. Nine years ago, Narendra Modi's invocation of Atmanirbhar Bharat and Make in India was brushed aside by cosmopolitan India as xenophobic claptrap, so typical of Hindu insularity. The global condescension towards India's pretensions of greatness was summed up in the infamous New York Times cartoon depicted the dhoti-clad rustic with his cow knocking on the doors of the global space club. Today, no one is laughing. The bundi-clad and sari-wearing Indian men and women have proved a point.

Given below are two statements :

Statement (I) : The invocation of Atmanirbhar Bharat was not taken seriously by the cosmopolitan India.

Statement (II) : Developed countries mocked at Indian's idea of becoming Atmanirbhar

In the light of the above statements, choose the **most appropriate answer** from the options given below :

- (1) Both **Statement I** and **Statement II** are correct
- (2) Both **Statement I** and **Statement II** are incorrect
- (3) **Statement I** is correct but **Statement II** is incorrect
- (4) **Statement I** is incorrect but **Statement II** is correct

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

133 5133

Read the passage given below and answer the question that follow.

Kicking up plumes of moondust, Vikram landed at 6.03 pm, completing an improbable two decade-long arc in India's lunar exploration. If Chandrayaan-1 in 2008 pushed India into the elite club of space-faring nations, its third iteration propelled the world's most-populous country into its front row. Only three countries have successfully reached the lunar surface before. And no one has done so on the south pole, where critical evaluations of the moon's surface, atmosphere, and the presence of water are possible. This traverse - the 20 years it took for a country to sharpen its indigenous science and technology capabilities, and for thousands of men and women to not be daunted by shoestring budgets to make possible the 3,84,000 km journey to our nearest neighbour - all to ensure that Vikram, with Pragyan rover in tow, seamlessly decelerated from 6,048 km/h to zero, in 18 heart-stopping minutes - should stand among our proudest moments as a nation.

Space is the ultimate frontier for any nation because it exemplifies the zenith of human exploration. But for a country that threw off the shackles of colonialism a mere 76 years ago and is still pulling millions out of crushing poverty, conquering the moon means so much more. For a pantheon of young boys and girls who watched India step confidently into the vastness of outer universe - hunched over rickety wooden benches in their cramped classrooms and village homes - Chandrayaan-3 represented the shattering of limits. Few things can galvanise a nation and imbue scientific fervour like an interplanetary mission. At 6.03 pm on a Wednesday evening, a 1,752 kg craft ignited that spark for a new generation of Indians. It showed them that anything is possible.

It also opens the gates of various opportunities. The first deals with the lucrative market of ferrying people and objects to the moon and back. The second allows scientists and agencies to collect and exploit technical data. The third includes mining and extracting resources and products for scientific and commercial purposes. A formidable hurdle was the ability to soft-land a mooncraft regularly and with accuracy - something India showed it is capable of. From the science fiction promise of building lunar colonies to the cold commerce of interplanetary flights, this moment is watershed.

Chandrayaan - 3 represents _____.

- (1) the shattering of limits
- (2) the shattering of human efforts
- (3) the richness of 76 year old nation
- (4) the victory on moon for all countries

Read the passage given below and answer the question that follow.

Kicking up plumes of moondust, Vikram landed at 6.03 pm, completing an improbable two decade-long arc in India's lunar exploration. If Chandrayaan-1 in 2008 pushed India into the elite club of space-faring nations, its third iteration propelled the world's most-populous country into its front row. Only three countries have successfully reached the lunar surface before. And no one has done so on the south pole, where critical evaluations of the moon's surface, atmosphere, and the presence of water are possible. This traverse - the 20 years it took for a country to sharpen its indigenous science and technology capabilities, and for thousands of men and women to not be daunted by shoestring budgets to make possible the 3,84,000 km journey to our nearest neighbour - all to ensure that Vikram, with Pragyan rover in tow, seamlessly decelerated from 6,048 km/h to zero, in 18 heart-stopping minutes-should stand among our proudest moments as a nation.

Space is the ultimate frontier for any nation because it exemplifies the zenith of human exploration. But for a country that threw off the shackles of colonialism a mere 76 years ago and is still pulling millions out of crushing poverty, conquering the moon means so much more. For a pantheon of young boys and girls who watched India step confidently into the vastness of our universe - hunched over rickety wooden benches in their cramped classrooms and village homes - Chandrayaan-3 represented the shattering of limits. Few things can galvanise a nation and imbue scientific fervour like an interplanetary mission. At 6.03 pm on a Wednesday evening, a 1,752 kg craft ignited that spark for a new generation of Indians. It showed them that anything is possible.

It also opens the gates of various opportunities. The first deals with the lucrative market of ferrying people and objects to the moon and back. The second allows scientists and agencies to collect and exploit technical data. The third includes mining and extracting resources and products for scientific and commercial purposes. A formidable hurdle was the ability to soft-land a mooncraft regularly and with accuracy - something India showed it is capable of. From the science fiction promise of building lunar colonies to the cold commerce of interplanetary flights, this moment is watershed.

Chandrayaan - 3 represents _____.

- (1) the shattering of limits
- (2) the shattering of human efforts
- (3) the richness of 76 year old nation
- (4) the victory on moon for all countries

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

134 5134

Read the passage given below and answer the question that follow.

Kicking up plumes of moondust, Vikram landed at 6.03 pm, completing an improbable two decade-long arc in India's lunar exploration. If Chandrayaan-1 in 2008 pushed India into the elite club of space-faring nations, its third iteration propelled the world's most-populous country into its front row. Only three countries have successfully reached the lunar surface before. And no one has done so on the south pole, where critical evaluations of the moon's surface, atmosphere, and the presence of water are possible. This traverse - the 20 years it took for a country to sharpen its indigenous science and technology capabilities, and for thousands of men and women to not be daunted by shoestring budgets to make possible the 3,84,000 km journey to our nearest neighbour - all to ensure that Vikram, with Pragyan rover in tow, seamlessly decelerated from 6,048 km/h to zero, in 18 heart-stopping minutes - should stand among our proudest moments as a nation.

Space is the ultimate frontier for any nation because it exemplifies the zenith of human exploration. But for a country that threw off the shackles of colonialism a mere 76 years ago and is still pulling millions out of crushing poverty, conquering the moon means so much more. For a pantheon of young boys and girls who watched India step confidently into the vastness of outer universe - hunched over rickety wooden benches in their cramped classrooms and village homes - Chandrayaan-3 represented the shattering of limits. Few things can galvanise a nation and imbue scientific fervour like an interplanetary mission. At 6.03 pm on a Wednesday evening, a 1,752 kg craft ignited that spark for a new generation of Indians. It showed them that anything is possible.

It also opens the gates of various opportunities. The first deals with the lucrative market of ferrying people and objects to the moon and back. The second allows scientists and agencies to collect and exploit technical data. The third includes mining and extracting resources and products for scientific and commercial purposes. A formidable hurdle was the ability to soft-land a mooncraft regularly and with accuracy - something India showed it is capable of. From the science fiction promise of building lunar colonies to the cold commerce of interplanetary flights, this moment is watershed.

Which of the following sentences represent the best summary of (second paragraph of the passage) :

- (1) Conquering the moon by a under developed country with 1752 kg is going beyond boundaries
- (2) Conquering the moon by a 76 years old country is mind blowing.
- (3) Conquering the moon is outstanding.
- (4) Conquering the moon with 1752 kg load is a very good achievement

Read the passage given below and answer the question that follow.

Kicking up plumes of moondust, Vikram landed at 6.03 pm, completing an improbable two decade-long arc in India's lunar exploration. If Chandrayaan-1 in 2008 pushed India into the elite club of space-faring nations, its third iteration propelled the world's most-populous country into its front row. Only three countries have successfully reached the lunar surface before. And no one has done so on the south pole, where critical evaluations of the moon's surface, atmosphere, and the presence of water are possible. This traverse - the 20 years it took for a country to sharpen its indigenous science and technology capabilities, and for thousands of men and women to not be daunted by shoestring budgets to make possible the 3,84,000 km journey to our nearest neighbour - all to ensure that Vikram, with Pragyan rover in tow, seamlessly decelerated from 6,048 km/h to zero, in 18 heart-stopping minutes-should stand among our proudest moments as a nation.

Space is the ultimate frontier for any nation because it exemplifies the zenith of human exploration. But for a country that threw off the shackles of colonialism a mere 76 years ago and is still pulling millions out of crushing poverty, conquering the moon means so much more. For a pantheon of young boys and girls who watched India step confidently into the vastness of our universe - hunched over rickety wooden benches in their cramped classrooms and village homes - Chandrayaan-3 represented the shattering of limits. Few things can galvanise a nation and imbue scientific fervour like an interplanetary mission. At 6.03 pm on a Wednesday evening, a 1,752 kg craft ignited that spark for a new generation of Indians. It showed them that anything is possible.

It also opens the gates of various opportunities. The first deals with the lucrative market of ferrying people and objects to the moon and back. The second allows scientists and agencies to collect and exploit technical data. The third includes mining and extracting resources and products for scientific and commercial purposes. A formidable hurdle was the ability to soft-land a mooncraft regularly and with accuracy - something India showed it is capable of. From the science fiction promise of building lunar colonies to the cold commerce of interplanetary flights, this moment is watershed.

Which of the following sentences represent the best summary of (second paragraph of the passage) :

- (1) Conquering the moon by a under developed country with 1752 kg is going beyond boundaries
- (2) Conquering the moon by a 76 years old country is mind blowing.
- (3) Conquering the moon is outstanding.
- (4) Conquering the moon with 1752 kg load is a very good achievement

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

135 5135

Read the passage given below and answer the question that follow.

Kicking up plumes of moondust, Vikram landed at 6.03 pm, completing an improbable two-decade-long arc in India's lunar exploration. If Chandrayaan-1 in 2008 pushed India into the elite club of space-faring nations, its third iteration propelled the world's most-populous country into its front row. Only three countries have successfully reached the lunar surface before. And no one has done so on the south pole, where critical evaluations of the moon's surface, atmosphere, and the presence of water are possible. This traverse - the 20 years it took for a country to sharpen its indigenous science and technology capabilities, and for thousands of men and women to not be daunted by shoestring budgets to make possible the 3,84,000 km journey to our nearest neighbour, all to ensure that Vikram, with Pragyan rover in tow, seamlessly decelerated from 6,048 km/h to zero, in 18 heart-stopping minutes-should stand among our proudest moments as a nation.

Space is the ultimate frontier for any nation because it exemplifies the zenith of human exploration. But for a country that threw off the shackles of colonialism a mere 76 years ago and is still pulling millions out of crushing poverty, conquering the moon means so much more. For a pantheon of young boys and girls who watched India step confidently into the vastness of our universe - hunched over rickety wooden benches in their cramped classrooms and village homes - Chandrayaan-3 represented the shattering of limits. Few things can galvanise a nation and imbue scientific fervour like an interplanetary mission. At 6.03 pm on a Wednesday evening, a 1,752 kg craft ignited that spark for a new generation of Indians. It showed them that anything is possible.

It also opens the gates of various opportunities. The first deals with the lucrative market of ferrying people and objects to the moon and back. The second allows scientists and agencies to collect and exploit technical data. The third includes mining and extracting resources and products for scientific and commercial purposes. A formidable hurdle was the ability to soft-land a mooncraft regularly and with accuracy - something India showed it is capable of. From the science fiction promise of building lunar colonies to the cold commerce of interplanetary flights, this moment is a watershed.

Given below are two statements :

Statement (I) : The Chandrayaan weighing 1752 kg was launched in August successfully opening a number of lunar opportunities for all Indians.

Statement (II) : No other country except India has been successful in landing on the South Pole of the Moon's.

In the light of the above statements, choose the **most appropriate answer** from the options given below :

- (1) Both **Statement I** and **Statement II** are correct
- (2) Both **Statement I** and **Statement II** are incorrect
- (3) **Statement I** is correct but **Statement II** is incorrect
- (4) **Statement I** is incorrect but **Statement II** is correct

Read the passage given below and answer the question that follow.

Kicking up plumes of moondust, Vikram landed at 6.03 pm, completing an improbable two-decade-long arc in India's lunar exploration. If Chandrayaan-1 in 2008 pushed India into the elite club of space-faring nations, its third iteration propelled the world's most-populous country into its front row. Only three countries have successfully reached the lunar surface before. And no one has done so on the south pole, where critical evaluations of the moon's surface, atmosphere, and the presence of water are possible. This traverse - the 20 years it took for a country to sharpen its indigenous science and technology capabilities, and for thousands of men and women to not be daunted by shoestring budgets to make possible the 3,84,000 km journey to our nearest neighbour, all to ensure that Vikram, with Pragyan rover in tow, seamlessly decelerated from 6,048 km/h to zero, in 18 heart-stopping minutes-should stand among our proudest moments as a nation.

Space is the ultimate frontier for any nation because it exemplifies the zenith of human exploration. But for a country that threw off the shackles of colonialism a mere 76 years ago and is still pulling millions out of crushing poverty, conquering the moon means so much more. For a pantheon of young boys and girls who watched India step confidently into the vastness of our universe - hunched over rickety wooden benches in their cramped classrooms and village homes - Chandrayaan-3 represented the shattering of limits. Few things can galvanise a nation and imbue scientific fervour like an interplanetary mission. At 6.03 pm on a Wednesday evening, a 1,752 kg craft ignited that spark for a new generation of Indians. It showed them that anything is possible.

It also opens the gates of various opportunities. The first deals with the lucrative market of ferrying people and objects to the moon and back. The second allows scientists and agencies to collect and exploit technical data. The third includes mining and extracting resources and products for scientific and commercial purposes. A formidable hurdle was the ability to soft-land a mooncraft regularly and with accuracy - something India showed it is capable of. From the science fiction promise of building lunar colonies to the cold commerce of interplanetary flights, this moment is a watershed.

Given below are two statements :

Statement (I) : The Chandrayaan weighing 1752 kg was launched in August successfully opening a number of lunar opportunities for all Indians.

Statement (II) : No other country except India has been successful in landing on the South Pole of the Moon's.

In the light of the above statements, choose the **most appropriate answer** from the options given below :

- (1) Both **Statement I** and **Statement II** are correct
- (2) Both **Statement I** and **Statement II** are incorrect
- (3) **Statement I** is correct but **Statement II** is incorrect
- (4) **Statement I** is incorrect but **Statement II** is correct

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

136 5136

Read the passage given below and answer the question that follow.

Kicking up plumes of moondust, Vikram landed at 6.03 pm, completing an improbable two decade-long arc in India's lunar exploration. If Chandrayaan-1 in 2008 pushed India into the elite club of space-faring nations, its third iteration propelled the world's most-populous country into its front row. Only three countries have successfully reached the lunar surface before. And no one has done so on the south pole, where critical evaluations of the moon's surface, atmosphere, and the presence of water are possible. This traverse - the 20 years it took for a country to sharpen its indigenous science and technology capabilities, and for thousands of men and women to not be daunted by shoestring budgets to make possible the 3,84,000 km journey to our nearest neighbour - all to ensure that Vikram, with Pragyan rover in tow, seamlessly decelerated from 6,048 km/h to zero, in 18 heart-stopping minutes - should stand among our proudest moments as a nation.

Space is the ultimate frontier for any nation because it exemplifies the zenith of human exploration. But for a country that threw off the shackles of colonialism a mere 76 years ago and is still pulling millions out of crushing poverty, conquering the moon means so much more. For a pantheon of young boys and girls who watched India step confidently into the vastness of outer universe - hunched over rickety wooden benches in their cramped classrooms and village homes - Chandrayaan-3 represented the shattering of limits. Few things can galvanise a nation and imbue scientific fervour like an interplanetary mission. At 6.03 pm on a Wednesday evening, a 1,752 kg craft ignited that spark for a new generation of Indians. It showed them that anything is possible.

It also opens the gates of various opportunities. The first deals with the lucrative market of ferrying people and objects to the moon and back. The second allows scientists and agencies to collect and exploit technical data. The third includes mining and extracting resources and products for scientific and commercial purposes. A formidable hurdle was the ability to soft-land a mooncraft regularly and with accuracy - something India showed it is capable of. From the science fiction promise of building lunar colonies to the cold commerce of interplanetary flights, this moment is watershed.

Find out a word from the above passage which means 'daunting'.

- (1) formidable
- (2) galvanise
- (3) elite
- (4) seamlessly

Read the passage given below and answer the question that follow.

Kicking up plumes of moondust, Vikram landed at 6.03 pm, completing an improbable two decade-long arc in India's lunar exploration. If Chandrayaan-1 in 2008 pushed India into the elite club of space-faring nations, its third iteration propelled the world's most-populous country into its front row. Only three countries have successfully reached the lunar surface before. And no one has done so on the south pole, where critical evaluations of the moon's surface, atmosphere, and the presence of water are possible. This traverse - the 20 years it took for a country to sharpen its indigenous science and technology capabilities, and for thousands of men and women to not be daunted by shoestring budgets to make possible the 3,84,000 km journey to our nearest neighbour - all to ensure that Vikram, with Pragyan rover in tow, seamlessly decelerated from 6,048 km/h to zero, in 18 heart-stopping minutes - should stand among our proudest moments as a nation.

Space is the ultimate frontier for any nation because it exemplifies the zenith of human exploration. But for a country that threw off the shackles of colonialism a mere 76 years ago and is still pulling millions out of crushing poverty, conquering the moon means so much more. For a pantheon of young boys and girls who watched India step confidently into the vastness of outer universe - hunched over rickety wooden benches in their cramped classrooms and village homes - Chandrayaan-3 represented the shattering of limits. Few things can galvanise a nation and imbue scientific fervour like an interplanetary mission. At 6.03 pm on a Wednesday evening, a 1,752 kg craft ignited that spark for a new generation of Indians. It showed them that anything is possible.

It also opens the gates of various opportunities. The first deals with the lucrative market of ferrying people and objects to the moon and back. The second allows scientists and agencies to collect and exploit technical data. The third includes mining and extracting resources and products for scientific and commercial purposes. A formidable hurdle was the ability to soft-land a mooncraft regularly and with accuracy - something India showed it is capable of. From the science fiction promise of building lunar colonies to the cold commerce of interplanetary flights, this moment is watershed.

Find out a word from the above passage which means 'daunting'.

- (1) formidable
- (2) galvanise
- (3) elite
- (4) seamlessly

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

137 5137

Read the passage given below and answer the question that follow.

Kicking up plumes of moondust, Vikram landed at 6.03 pm, completing an improbable two-decade-long arc in India's lunar exploration. If Chandrayaan-1 in 2008 pushed India into the elite club of space-faring nations, its third iteration propelled the world's most-populous country into its front row. Only three countries have successfully reached the lunar surface before. And no one has done so on the south pole, where critical evaluations of the moon's surface, atmosphere, and the presence of water are possible. This traverse - the 20 years it took for a country to sharpen its indigenous science and technology capabilities, and for thousands of men and women to not be daunted by shoestring budgets to make possible the 3,84,000 km journey to our nearest neighbour, all to ensure that Vikram, with Pragyan rover in tow, seamlessly decelerated from 6,048 km/h to zero, in 18 heart-stopping minutes-should stand among our proudest moments as a nation.

Space is the ultimate frontier for any nation because it exemplifies the zenith of human exploration. But for a country that threw off the shackles of colonialism a mere 76 years ago and is still pulling millions out of crushing poverty, conquering the moon means so much more. For a pantheon of young boys and girls who watched India step confidently into the vastness of our universe - hunched over rickety wooden benches in their cramped classrooms and village homes - Chandrayaan-3 represented the shattering of limits. Few things can galvanise a nation and imbue scientific fervour like an interplanetary mission. At 6.03 pm on a Wednesday evening, a 1,752 kg craft ignited that spark for a new generation of Indians. It showed them that anything is possible.

It also opens the gates of various opportunities. The first deals with the lucrative market of ferrying people and objects to the moon and back. The second allows scientists and agencies to collect and exploit technical data. The third includes mining and extracting resources and products for scientific and commercial purposes. A formidable hurdle was the ability to soft-land a mooncraft regularly and with accuracy - something India showed it is capable of. From the science fiction promise of building lunar colonies to the cold commerce of interplanetary flights, this moment is a watershed.

Match List - I with List - II.

List - I	List - II
(A) Elite	(I) Enthusiasm
(B) Traverse	(II) Influential and Powerful people
(C) Fervour	(III) Peak
(D) Zenith	(IV) Crossing something

Choose the **correct** answer from the options given below :

- (1) (A)-(I), (B)-(IV), (C)-(III), (D)-(II)
- (2) (A)-(II), (B)-(I), (C)-(IV), (D)-(III)
- (3) (A)-(II), (B)-(IV), (C)-(I), (D)-(III)
- (4) (A)-(I), (B)-(II), (C)-(IV), (D)-(III)

Read the passage given below and answer the question that follow.

Kicking up plumes of moondust, Vikram landed at 6.03 pm, completing an improbable two-decade-long arc in India's lunar exploration. If Chandrayaan-1 in 2008 pushed India into the elite club of space-faring nations, its third iteration propelled the world's most-populous country into its front row. Only three countries have successfully reached the lunar surface before. And no one has done so on the south pole, where critical evaluations of the moon's surface, atmosphere, and the presence of water are possible. This traverse - the 20 years it took for a country to sharpen its indigenous science and technology capabilities, and for thousands of men and women to not be daunted by shoestring budgets to make possible the 3,84,000 km journey to our nearest neighbour, all to ensure that Vikram, with Pragyan rover in tow, seamlessly decelerated from 6,048 km/h to zero, in 18 heart-stopping minutes-should stand among our proudest moments as a nation.

Space is the ultimate frontier for any nation because it exemplifies the zenith of human exploration. But for a country that threw off the shackles of colonialism a mere 76 years ago and is still pulling millions out of crushing poverty, conquering the moon means so much more. For a pantheon of young boys and girls who watched India step confidently into the vastness of our universe - hunched over rickety wooden benches in their cramped classrooms and village homes - Chandrayaan-3 represented the shattering of limits. Few things can galvanise a nation and imbue scientific fervour like an interplanetary mission. At 6.03 pm on a Wednesday evening, a 1,752 kg craft ignited that spark for a new generation of Indians. It showed them that anything is possible.

It also opens the gates of various opportunities. The first deals with the lucrative market of ferrying people and objects to the moon and back. The second allows scientists and agencies to collect and exploit technical data. The third includes mining and extracting resources and products for scientific and commercial purposes. A formidable hurdle was the ability to soft-land a mooncraft regularly and with accuracy - something India showed it is capable of. From the science fiction promise of building lunar colonies to the cold commerce of interplanetary flights, this moment is a watershed.

Match List - I with List - II.

- | List - I | List - II |
|--------------|--------------------------------------|
| (A) Elite | (I) Enthusiasm |
| (B) Traverse | (II) Influential and Powerful people |
| (C) Fervour | (III) Peak |
| (D) Zenith | (IV) Crossing something |

Choose the **correct** answer from the options given below :

- (1) (A)-(I), (B)-(IV), (C)-(III), (D)-(II)
- (2) (A)-(II), (B)-(I), (C)-(IV), (D)-(III)
- (3) (A)-(II), (B)-(IV), (C)-(I), (D)-(III)
- (4) (A)-(I), (B)-(II), (C)-(IV), (D)-(III)

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

138 5138

Read the passage given below and answer the question that follow.

Kicking up plumes of moondust, Vikram landed at 6.03 pm, completing an improbable two-decade-long arc in India's lunar exploration. If Chandrayaan-1 in 2008 pushed India into the elite club of space-faring nations, its third iteration propelled the world's most-populous country into its front row. Only three countries have successfully reached the lunar surface before. And no one has done so on the south pole, where critical evaluations of the moon's surface, atmosphere, and the presence of water are possible. This traverse - the 20 years it took for a country to sharpen its indigenous science and technology capabilities, and for thousands of men and women to not be daunted by shoestring budgets to make possible the 3,84,000 km journey to our nearest neighbour, all to ensure that Vikram, with Pragyan rover in tow, seamlessly decelerated from 6,048 km/h to zero, in 18 heart-stopping minutes-should stand among our proudest moments as a nation.

Space is the ultimate frontier for any nation because it exemplifies the zenith of human exploration. But for a country that threw off the shackles of colonialism a mere 76 years ago and is still pulling millions out of crushing poverty, conquering the moon means so much more. For a pantheon of young boys and girls who watched India step confidently into the vastness of our universe - hunched over rickety wooden benches in their cramped classrooms and village homes - Chandrayaan-3 represented the shattering of limits. Few things can galvanise a nation and imbue scientific fervour like an interplanetary mission. At 6.03 pm on a Wednesday evening, a 1,752 kg craft ignited that spark for a new generation of Indians. It showed them that anything is possible.

It also opens the gates of various opportunities. The first deals with the lucrative market of ferrying people and objects to the moon and back. The second allows scientists and agencies to collect and exploit technical data. The third includes mining and extracting resources and products for scientific and commercial purposes. A formidable hurdle was the ability to soft-land a mooncraft regularly and with accuracy - something India showed it is capable of. From the science fiction promise of building lunar colonies to the cold commerce of interplanetary flights, this moment is a watershed.

According to the information given in the passage, arrange the following statements in correct order.

- (A) The achievement made possible the 3,84,000 km journey to our nearest neighbour.
- (B) For a country like India which became free just 76 years before, conquering the moon means a lot more.
- (C) Only three other countries have successfully reached the lunar surface till now.
- (D) The landing of Chandrayaan in August 2023 shows the completion of an improbable dream.

Choose the **correct** answer from the options given below :

- (1) (D), (C), (A), (B)
- (2) (B), (A), (C), (D)
- (3) (A), (C), (D), (B)
- (4) (C), (D), (B), (A)

Read the passage given below and answer the question that follow.

Kicking up plumes of moondust, Vikram landed at 6.03 pm, completing an improbable two-decade-long arc in India's lunar exploration. If Chandrayaan-1 in 2008 pushed India into the elite club of space-faring nations, its third iteration propelled the world's most-populous country into its front row. Only three countries have successfully reached the lunar surface before. And no one has done so on the south pole, where critical evaluations of the moon's surface, atmosphere, and the presence of water are possible. This traverse - the 20 years it took for a country to sharpen its indigenous science and technology capabilities, and for thousands of men and women to not be daunted by shoestring budgets to make possible the 3,84,000 km journey to our nearest neighbour, all to ensure that Vikram, with Pragyan rover in tow, seamlessly decelerated from 6,048 km/h to zero, in 18 heart-stopping minutes-should stand among our proudest moments as a nation.

Space is the ultimate frontier for any nation because it exemplifies the zenith of human exploration. But for a country that threw off the shackles of colonialism a mere 76 years ago and is still pulling millions out of crushing poverty, conquering the moon means so much more. For a pantheon of young boys and girls who watched India step confidently into the vastness of our universe - hunched over rickety wooden benches in their cramped classrooms and village homes - Chandrayaan-3 represented the shattering of limits. Few things can galvanise a nation and imbue scientific fervour like an interplanetary mission. At 6.03 pm on a Wednesday evening, a 1,752 kg craft ignited that spark for a new generation of Indians. It showed them that anything is possible.

It also opens the gates of various opportunities. The first deals with the lucrative market of ferrying people and objects to the moon and back. The second allows scientists and agencies to collect and exploit technical data. The third includes mining and extracting resources and products for scientific and commercial purposes. A formidable hurdle was the ability to soft-land a mooncraft regularly and with accuracy - something India showed it is capable of. From the science fiction promise of building lunar colonies to the cold commerce of interplanetary flights, this moment is a watershed.

According to the information given in the passage, arrange the following statements in correct order.

- (A) The achievement made possible the 3,84,000 km journey to our nearest neighbour.
- (B) For a country like India which became free just 76 years before, conquering the moon means a lot more.
- (C) Only three other countries have successfully reached the lunar surface till now.
- (D) The landing of Chandrayaan in August 2023 shows the completion of an improbable dream.

Choose the **correct** answer from the options given below :

- (1) (D), (C), (A), (B)
- (2) (B), (A), (C), (D)
- (3) (A), (C), (D), (B)
- (4) (C), (D), (B), (A)

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

139 5139

Read the passage given below and answer the question that follow.

Just as the light sentences awarded in the Bhopal case scandalized the nation, the six-month term given last December to former Haryana police chief, SPS Rathore for molesting 14-years-old Ruchika Girhotra, provoked an extensive review of the provisions related to sexual offences. In its hastily drafted bill put out for public consultation, the Home Ministry however overlooked the very provision that allowed Rathore to get away with a paltry punishment despite being found guilty of child molestation.

The draft bill failed to address a glaring anomaly in the Indian Penal Code's provisions dealing with sexual assault on under-aged girls. While the rape of a child attracts higher penalty, there is no such distinction when it comes to molestation. Irrespective of the age of the victim, all cases of 'outraging her modesty' (as quaintly put in this provision of Victorian vintage) are punishable under section 354 IPC with a maximum sentence of two years.

Having left untouched the provision relating to molestation, the home ministry aggravated the anomaly, however unwittingly by proposing to enhance the punishment under Section 509 IPC for eve-teasing of 'act intended to insult the modesty of a woman, from one year to seven years.

Thus, Chidambaram's ministry ended up sending out a perplexing message to sexual offenders. If they indulge in eve-teasing, they could be put behind bars for as long as seven years. But if they actually molest a woman or a girl, they will not get more than a two-year term. Such cavalier approach to legislation shows that it is more about politics than about justice.

This is also borne out by the government's prolonged indifference to another gender issue; its international treaty obligation to enact a law on sexual harassment at work places. Though India ratified the convention on the elimination of all forms of discrimination against women (CEDAW) way back in 1993, the government came out with a draft bill only this year.

In between, the Supreme Court sought to fill the gap with a set of directions in the landmark Vishaka judgement of 1997. It is a commentary on its Patriarchal society that despite having a bloated statute book, India does not have legislation on sexual harassment at work places.

The word 'cavalier' as used in the passage means all of the following except :

- (1) Haughty
- (2) Rash
- (3) Prudent
- (4) Frenetic

Read the passage given below and answer the question that follow.

Just as the light sentences awarded in the Bhopal case scandalized the nation, the six-month term given last December to former Haryana police chief, SPS Rathore for molesting 14-years-old Ruchika Girhotra, provoked an extensive review of the provisions related to sexual offences. In its hastily drafted bill put out for public consultation, the Home Ministry however overlooked the very provision that allowed Rathore to get away with a paltry punishment despite being found guilty of child molestation.

The draft bill failed to address a glaring anomaly in the Indian Penal Code's provisions dealing with sexual assault on under-aged girls. While the rape of a child attracts higher penalty, there is no such distinction when it comes to molestation. Irrespective of the age of the victim, all cases of 'outraging her modesty' (as quaintly put in this provision of Victorian vintage) are punishable under section 354 IPC with a maximum sentence of two years.

Having left untouched the provision relating to molestation, the home ministry aggravated the anomaly, however unwittingly by proposing to enhance the punishment under Section 509 IPC for eve-teasing of 'act intended to insult the modesty of a woman, from one year to seven years.

Thus, Chidambaram's ministry ended up sending out a perplexing message to sexual offenders. If they indulge in eve-teasing, they could be put behind bars for as long as seven years. But if they actually molest a woman or a girl, they will not get more than a two-year term. Such cavalier approach to legislation shows that it is more about politics than about justice.

This is also borne out by the government's prolonged indifference to another gender issue; its international treaty obligation to enact a law on sexual harassment at work places. Though India ratified the convention on the elimination of all forms of discrimination against women (CEDAW) way back in 1993, the government came out with a draft bill only this year.

In between, the Supreme Court sought to fill the gap with a set of directions in the landmark Vishaka judgement of 1997. It is a commentary on its Patriarchal society that despite having a bloated statute book, India does not have legislation on sexual harassment at work places.

The word 'cavalier' as used in the passage means all of the following except :

- (1) Haughty
- (2) Rash
- (3) Prudent
- (4) Frenetic

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

140 5140

Read the passage given below and answer the question that follow.

Just as the light sentences awarded in the Bhopal case scandalized the nation, the six-month term given last December to former Haryana police chief, SPS Rathore for molesting 14-years-old Ruchika Girhotra, provoked an extensive review of the provisions related to sexual offences. In its hastily drafted bill put out for public consultation, the Home Ministry however overlooked the very provision that allowed Rathore to get away with a paltry punishment despite being found guilty of child molestation.

The draft bill failed to address a glaring anomaly in the Indian Penal Code's provisions dealing with sexual assault on under-aged girls. While the rape of a child attracts higher penalty, there is no such distinction when it comes to molestation. Irrespective of the age of the victim, all cases of 'outraging her modesty' (as quaintly put in this provision of Victorian vintage) are punishable under section 354 IPC with a maximum sentence of two years.

Having left untouched the provision relating to molestation, the home ministry aggravated the anomaly, however unwittingly by proposing to enhance the punishment under Section 509 IPC for eve-teasing of 'act intended to insult the modesty of a woman, from one year to seven years.

Thus, Chidambaram's ministry ended up sending out a perplexing message to sexual offenders. If they indulge in eve-teasing, they could be put behind bars for as long as seven years. But if they actually molest a woman or a girl, they will not get more than a two-year term. Such cavalier approach to legislation shows that it is more about politics than about justice.

This is also borne out by the government's prolonged indifference to another gender issue; its international treaty obligation to enact a law on sexual harassment at work places. Though India ratified the convention on the elimination of all forms of discrimination against women (CEDAW) way back in 1993, the government came out with a draft bill only this year.

In between, the Supreme Court sought to fill the gap with a set of directions in the landmark Vishaka judgement of 1997. It is a commentary on its Patriarchal society that despite having a bloated statute book, India does not have legislation on sexual harassment at work places.

The tone of the passage is :

- (1) Approbating
- (2) Disparaging
- (3) Eulogizing
- (4) Captious

Read the passage given below and answer the question that follow.

Just as the light sentences awarded in the Bhopal case scandalized the nation, the six-month term given last December to former Haryana police chief, SPS Rathore for molesting 14-years-old Ruchika Girhotra, provoked an extensive review of the provisions related to sexual offences. In its hastily drafted bill put out for public consultation, the Home Ministry however overlooked the very provision that allowed Rathore to get away with a paltry punishment despite being found guilty of child molestation.

The draft bill failed to address a glaring anomaly in the Indian Penal Code's provisions dealing with sexual assault on under-aged girls. While the rape of a child attracts higher penalty, there is no such distinction when it comes to molestation. Irrespective of the age of the victim, all cases of 'outraging her modesty' (as quaintly put in this provision of Victorian vintage) are punishable under section 354 IPC with a maximum sentence of two years.

Having left untouched the provision relating to molestation, the home ministry aggravated the anomaly, however unwittingly by proposing to enhance the punishment under Section 509 IPC for eve-teasing of 'act intended to insult the modesty of a woman, from one year to seven years.

Thus, Chidambaram's ministry ended up sending out a perplexing message to sexual offenders. If they indulge in eve-teasing, they could be put behind bars for as long as seven years. But if they actually molest a woman or a girl, they will not get more than a two-year term. Such cavalier approach to legislation shows that it is more about politics than about justice.

This is also borne out by the government's prolonged indifference to another gender issue; its international treaty obligation to enact a law on sexual harassment at work places. Though India ratified the convention on the elimination of all forms of discrimination against women (CEDAW) way back in 1993, the government came out with a draft bill only this year.

In between, the Supreme Court sought to fill the gap with a set of directions in the landmark Vishaka judgement of 1997. It is a commentary on its Patriarchal society that despite having a bloated statute book, India does not have legislation on sexual harassment at work places.

The tone of the passage is :

- (1) Approbating
- (2) Disparaging
- (3) Eulogizing
- (4) Captious

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

141 5141

Read the passage given below and answer the question that follow.

Just as the light sentences awarded in the Bhopal case scandalized the nation, the six-month term given last December to former Haryana police chief, SPS Rathore for molesting 14-years-old Ruchika Girhotra, provoked an extensive review of the provisions related to sexual offences. In its hastily drafted bill put out for public consultation, the Home Ministry however overlooked the very provision that allowed Rathore to get away with a paltry punishment despite being found guilty of child molestation.

The draft bill failed to address a glaring anomaly in the Indian Penal Code's provisions dealing with sexual assault on under-aged girls. While the rape of a child attracts higher penalty, there is no such distinction when it comes to molestation. Irrespective of the age of the victim, all cases of 'outraging her modesty' (as quaintly put in this provision of Victorian vintage) are punishable under section 354 IPC with a maximum sentence of two years.

Having left untouched the provision relating to molestation, the home ministry aggravated the anomaly, however unwittingly by proposing to enhance the punishment under Section 509 IPC for eve-teasing of 'act intended to insult the modesty of a woman, from one year to seven years.

Thus, Chidambaram's ministry ended up sending out a perplexing message to sexual offenders. If they indulge in eve-teasing, they could be put behind bars for as long as seven years. But if they actually molest a woman or a girl, they will not get more than a two-year term. Such cavalier approach to legislation shows that it is more about politics than about justice.

This is also borne out by the government's prolonged indifference to another gender issue; its international treaty obligation to enact a law on sexual harassment at work places. Though India ratified the convention on the elimination of all forms of discrimination against women (CEDAW) way back in 1993, the government came out with a draft bill only this year.

In between, the Supreme Court sought to fill the gap with a set of directions in the landmark Vishaka judgement of 1997. It is a commentary on its Patriarchal society that despite having a bloated statute book, India does not have legislation on sexual harassment at work places.

Choose a suitable title from the options given below :

- (1) Discrimination Against Women in IPC
- (2) Review of the Sexual Offences Provisions
- (3) Sexual Offence and Punishment Provisions
- (4) Section 354 Vs Section 509 IPC

Read the passage given below and answer the question that follow.

Just as the light sentences awarded in the Bhopal case scandalized the nation, the six-month term given last December to former Haryana police chief, SPS Rathore for molesting 14-years-old Ruchika Girhotra, provoked an extensive review of the provisions related to sexual offences. In its hastily drafted bill put out for public consultation, the Home Ministry however overlooked the very provision that allowed Rathore to get away with a paltry punishment despite being found guilty of child molestation.

The draft bill failed to address a glaring anomaly in the Indian Penal Code's provisions dealing with sexual assault on under-aged girls. While the rape of a child attracts higher penalty, there is no such distinction when it comes to molestation. Irrespective of the age of the victim, all cases of 'outraging her modesty' (as quaintly put in this provision of Victorian vintage) are punishable under section 354 IPC with a maximum sentence of two years.

Having left untouched the provision relating to molestation, the home ministry aggravated the anomaly, however unwittingly by proposing to enhance the punishment under Section 509 IPC for eve-teasing of 'act intended to insult the modesty of a woman, from one year to seven years.

Thus, Chidambaram's ministry ended up sending out a perplexing message to sexual offenders. If they indulge in eve-teasing, they could be put behind bars for as long as seven years. But if they actually molest a woman or a girl, they will not get more than a two-year term. Such cavalier approach to legislation shows that it is more about politics than about justice.

This is also borne out by the government's prolonged indifference to another gender issue; its international treaty obligation to enact a law on sexual harassment at work places. Though India ratified the convention on the elimination of all forms of discrimination against women (CEDAW) way back in 1993, the government came out with a draft bill only this year.

In between, the Supreme Court sought to fill the gap with a set of directions in the landmark Vishaka judgement of 1997. It is a commentary on its Patriarchal society that despite having a bloated statute book, India does not have legislation on sexual harassment at work places.

Choose a suitable title from the options given below :

- (1) Discrimination Against Women in IPC
- (2) Review of the Sexual Offences Provisions
- (3) Sexual Offence and Punishment Provisions
- (4) Section 354 Vs Section 509 IPC

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

142 5142

Read the passage given below and answer the question that follow.

Just as the light sentences awarded in the Bhopal case scandalized the nation, the six-month term given last December to former Haryana police chief, SPS Rathore for molesting 14-years-old Ruchika Girhotra, provoked an extensive review of the provisions related to sexual offences. In its hastily drafted bill put out for public consultation, the Home Ministry however overlooked the very provision that allowed Rathore to get away with a paltry punishment despite being found guilty of child molestation.

The draft bill failed to address a glaring anomaly in the Indian Penal Code's provisions dealing with sexual assault on under-aged girls. While the rape of a child attracts higher penalty, there is no such distinction when it comes to molestation. Irrespective of the age of the victim, all cases of 'outraging her modesty' (as quaintly put in this provision of Victorian vintage) are punishable under section 354 IPC with a maximum sentence of two years.

Having left untouched the provision relating to molestation, the home ministry aggravated the anomaly, however unwittingly by proposing to enhance the punishment under Section 509 IPC for eve-teasing of 'act intended to insult the modesty of a woman, from one year to seven years.

Thus, Chidambaram's ministry ended up sending out a perplexing message to sexual offenders. If they indulge in eve-teasing, they could be put behind bars for as long as seven years. But if they actually molest a woman or a girl, they will not get more than a two-year term. Such a cavalier approach to legislation shows that it is more about politics than about justice.

This is also borne out by the government's prolonged indifference to another gender issue; its international treaty obligation to enact a law on sexual harassment at work places. Though India ratified the convention on the elimination of all forms of discrimination against women (CEDAW) way back in 1993, the government came out with a draft bill only this year.

In between, the Supreme Court sought to fill the gap with a set of directions in the landmark Vishaka judgement of 1997. It is a commentary on its Patriarchal society that despite having a bloated statute book, India does not have legislation on sexual harassment at work places.

With which of the following propositions the author more likely to agree to ?

- (1) That the difference in the punishment for rape and molestation be eliminated.
- (2) That the difference in the punishment for the molestation of a minor and an adult be clearly defined.
- (3) That the difference in the punishment for sexual harassment and molestation be equated.
- (4) That the victims of molestation and sexual harassment at work places be given adequate compensation.

Read the passage given below and answer the question that follow.

Just as the light sentences awarded in the Bhopal case scandalized the nation, the six-month term given last December to former Haryana police chief, SPS Rathore for molesting 14-years-old Ruchika Girhotra, provoked an extensive review of the provisions related to sexual offences. In its hastily drafted bill put out for public consultation, the Home Ministry however overlooked the very provision that allowed Rathore to get away with a paltry punishment despite being found guilty of child molestation.

The draft bill failed to address a glaring anomaly in the Indian Penal Code's provisions dealing with sexual assault on under-aged girls. While the rape of a child attracts higher penalty, there is no such distinction when it comes to molestation. Irrespective of the age of the victim, all cases of 'outraging her modesty' (as quaintly put in this provision of Victorian vintage) are punishable under section 354 IPC with a maximum sentence of two years.

Having left untouched the provision relating to molestation, the home ministry aggravated the anomaly, however unwittingly by proposing to enhance the punishment under Section 509 IPC for eve-teasing of 'act intended to insult the modesty of a woman, from one year to seven years.

Thus, Chidambaram's ministry ended up sending out a perplexing message to sexual offenders. If they indulge in eve-teasing, they could be put behind bars for as long as seven years. But if they actually molest a woman or a girl, they will not get more than a two-year term. Such a cavalier approach to legislation shows that it is more about politics than about justice.

This is also borne out by the government's prolonged indifference to another gender issue; its international treaty obligation to enact a law on sexual harassment at work places. Though India ratified the convention on the elimination of all forms of discrimination against women (CEDAW) way back in 1993, the government came out with a draft bill only this year.

In between, the Supreme Court sought to fill the gap with a set of directions in the landmark Vishaka judgement of 1997. It is a commentary on its Patriarchal society that despite having a bloated statute book, India does not have legislation on sexual harassment at work places.

With which of the following propositions the author more likely to agree to ?

- (1) That the difference in the punishment for rape and molestation be eliminated.
- (2) That the difference in the punishment for the molestation of a minor and an adult be clearly defined.
- (3) That the difference in the punishment for sexual harassment and molestation be equated.
- (4) That the victims of molestation and sexual harassment at work places be given adequate compensation.

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

143 5143

Read the passage given below and answer the question that follow.

Just as the light sentences awarded in the Bhopal case scandalized the nation, the six-month term given last December to former Haryana police chief, SPS Rathore for molesting 14-years-old Ruchika Girhotra, provoked an extensive review of the provisions related to sexual offences. In its hastily drafted bill put out for public consultation, the Home Ministry however overlooked the very provision that allowed Rathore to get away with a paltry punishment despite being found guilty of child molestation.

The draft bill failed to address a glaring anomaly in the Indian Penal Code's provisions dealing with sexual assault on under-aged girls. While the rape of a child attracts higher penalty, there is no such distinction when it comes to molestation. Irrespective of the age of the victim, all cases of 'outraging her modesty' (as quaintly put in this provision of Victorian vintage) are punishable under section 354 IPC with a maximum sentence of two years.

Having left untouched the provision relating to molestation, the home ministry aggravated the anomaly, however unwittingly by proposing to enhance the punishment under Section 509 IPC for eve-teasing of 'act intended to insult the modesty of a woman, from one year to seven years.

Thus, Chidambaram's ministry ended up sending out a perplexing message to sexual offenders. If they indulge in eve-teasing, they could be put behind bars for as long as seven years. But if they actually molest a woman or a girl, they will not get more than a two-year term. Such a cavalier approach to legislation shows that it is more about politics than about justice.

This is also borne out by the government's prolonged indifference to another gender issue; its international treaty obligation to enact a law on sexual harassment at work places. Though India ratified the convention on the elimination of all forms of discrimination against women (CEDAW) way back in 1993, the government came out with a draft bill only this year.

In between, the Supreme Court sought to fill the gap with a set of directions in the landmark Vishaka judgement of 1997. It is a commentary on its Patriarchal society that despite having a bloated statute book, India does not have legislation on sexual harassment at work places.

Given below are two statements :

Statement (I) : The glaring anomaly mentioned in the passage refers to the fact that though there are provisions to punish a rapist, there are no laws against molestation.

Statement (II) : The glaring anomaly mentioned in the passage refers to the fact that there is no difference in the punishment for molesting a girl or a woman.

In the light of the above statements, choose the **most appropriate answer** from the options given below :

- (1) Both **Statement I** and **Statement II** are correct
- (2) Both **Statement I** and **Statement II** are incorrect
- (3) **Statement I** is correct but **Statement II** is incorrect
- (4) **Statement I** is incorrect but **Statement II** is correct

Read the passage given below and answer the question that follow.

Just as the light sentences awarded in the Bhopal case scandalized the nation, the six-month term given last December to former Haryana police chief, SPS Rathore for molesting 14-years-old Ruchika Girhotra, provoked an extensive review of the provisions related to sexual offences. In its hastily drafted bill put out for public consultation, the Home Ministry however overlooked the very provision that allowed Rathore to get away with a paltry punishment despite being found guilty of child molestation.

The draft bill failed to address a glaring anomaly in the Indian Penal Code's provisions dealing with sexual assault on under-aged girls. While the rape of a child attracts higher penalty, there is no such distinction when it comes to molestation. Irrespective of the age of the victim, all cases of 'outraging her modesty' (as quaintly put in this provision of Victorian vintage) are punishable under section 354 IPC with a maximum sentence of two years.

Having left untouched the provision relating to molestation, the home ministry aggravated the anomaly, however unwittingly by proposing to enhance the punishment under Section 509 IPC for eve-teasing of 'act intended to insult the modesty of a woman, from one year to seven years.

Thus, Chidambaram's ministry ended up sending out a perplexing message to sexual offenders. If they indulge in eve-teasing, they could be put behind bars for as long as seven years. But if they actually molest a woman or a girl, they will not get more than a two-year term. Such a cavalier approach to legislation shows that it is more about politics than about justice.

This is also borne out by the government's prolonged indifference to another gender issue; its international treaty obligation to enact a law on sexual harassment at work places. Though India ratified the convention on the elimination of all forms of discrimination against women (CEDAW) way back in 1993, the government came out with a draft bill only this year.

In between, the Supreme Court sought to fill the gap with a set of directions in the landmark Vishaka judgement of 1997. It is a commentary on its Patriarchal society that despite having a bloated statute book, India does not have legislation on sexual harassment at work places.

Given below are two statements :

Statement (I) : The glaring anomaly mentioned in the passage refers to the fact that though there are provisions to punish a rapist, there are no laws against molestation.

Statement (II) : The glaring anomaly mentioned in the passage refers to the fact that there is no difference in the punishment for molesting a girl or a woman.

In the light of the above statements, choose the **most appropriate answer** from the options given below :

- (1) Both **Statement I** and **Statement II** are correct
- (2) Both **Statement I** and **Statement II** are incorrect
- (3) **Statement I** is correct but **Statement II** is incorrect
- (4) **Statement I** is incorrect but **Statement II** is correct

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

144 5144

Read the passage given below and answer the question that follow.

Just as the light sentences awarded in the Bhopal case scandalized the nation, the six-month term given last December to former Haryana police chief, SPS Rathore for molesting 14-years-old Ruchika Girhotra, provoked an extensive review of the provisions related to sexual offences. In its hastily drafted bill put out for public consultation, the Home Ministry however overlooked the very provision that allowed Rathore to get away with a paltry punishment despite being found guilty of child molestation.

The draft bill failed to address a glaring anomaly in the Indian Penal Code's provisions dealing with sexual assault on under-aged girls. While the rape of a child attracts higher penalty, there is no such distinction when it comes to molestation. Irrespective of the age of the victim, all cases of 'outraging her modesty' (as quaintly put in this provision of Victorian vintage) are punishable under section 354 IPC with a maximum sentence of two years.

Having left untouched the provision relating to molestation, the home ministry aggravated the anomaly, however unwittingly by proposing to enhance the punishment under Section 509 IPC for eve-teasing of 'act intended to insult the modesty of a woman, from one year to seven years.

Thus, Chidambaram's ministry ended up sending out a perplexing message to sexual offenders. If they indulge in eve-teasing, they could be put behind bars for as long as seven years. But if they actually molest a woman or a girl, they will not get more than a two-year term. Such a cavalier approach to legislation shows that it is more about politics than about justice.

This is also borne out by the government's prolonged indifference to another gender issue; its international treaty obligation to enact a law on sexual harassment at work places. Though India ratified the convention on the elimination of all forms of discrimination against women (CEDAW) way back in 1993, the government came out with a draft bill only this year.

In between, the Supreme Court sought to fill the gap with a set of directions in the landmark Vishaka judgement of 1997. It is a commentary on its Patriarchal society that despite having a bloated statute book, India does not have legislation on sexual harassment at work places.

Arrange the following statements in sequence of their occurrence in the passage :

- (A) Under IPC provision dealing with sexual assault, no clear distinction was observed in the punishment for the molestation of a minor and a woman.
- (B) This exhibited a cavalier approach of the then ministry towards legislation showing that it is more about politics rather than justice
- (C) The sentences given to SPS Rathore for molesting a minor, Ruchika Girhotra, instigated extensive review of sexual offence provision.
- (D) To overcome this, the home ministry, unwittingly, proposed to enhance the punishment for molestation of a woman from 1 year to 7 years.
- (E) Despite having a voluminous statute book, India lacks legislation on sexual harassment at work place.

Choose the **correct** answer from the options given below :

- (1) (E), (D), (B), (A), (C)
- (2) (C), (D), (A), (B), (E)
- (3) (A), (D), (B), (E), (C)
- (4) (C), (A), (D), (B), (E)

Read the passage given below and answer the question that follow.

Just as the light sentences awarded in the Bhopal case scandalized the nation, the six-month term given last December to former Haryana police chief, SPS Rathore for molesting 14-years-old Ruchika Girhotra, provoked an extensive review of the provisions related to sexual offences. In its hastily drafted bill put out for public consultation, the Home Ministry however overlooked the very provision that allowed Rathore to get away with a paltry punishment despite being found guilty of child molestation.

The draft bill failed to address a glaring anomaly in the Indian Penal Code's provisions dealing with sexual assault on under-aged girls. While the rape of a child attracts higher penalty, there is no such distinction when it comes to molestation. Irrespective of the age of the victim, all cases of 'outraging her modesty' (as quaintly put in this provision of Victorian vintage) are punishable under section 354 IPC with a maximum sentence of two years.

Having left untouched the provision relating to molestation, the home ministry aggravated the anomaly, however unwittingly by proposing to enhance the punishment under Section 509 IPC for eve-teasing of 'act intended to insult the modesty of a woman, from one year to seven years.

Thus, Chidambaram's ministry ended up sending out a perplexing message to sexual offenders. If they indulge in eve-teasing, they could be put behind bars for as long as seven years. But if they actually molest a woman or a girl, they will not get more than a two-year term. Such a cavalier approach to legislation shows that it is more about politics than about justice.

This is also borne out by the government's prolonged indifference to another gender issue; its international treaty obligation to enact a law on sexual harassment at work places. Though India ratified the convention on the elimination of all forms of discrimination against women (CEDAW) way back in 1993, the government came out with a draft bill only this year.

In between, the Supreme Court sought to fill the gap with a set of directions in the landmark Vishaka judgement of 1997. It is a commentary on its Patriarchal society that despite having a bloated statute book, India does not have legislation on sexual harassment at work places.

Arrange the following statements in sequence of their occurrence in the passage :

- (A) Under IPC provision dealing with sexual assault, no clear distinction was observed in the punishment for the molestation of a minor and a woman.
- (B) This exhibited a cavalier approach of the then ministry towards legislation showing that it is more about politics rather than justice
- (C) The sentences given to SPS Rathore for molesting a minor, Ruchika Girhotra, instigated extensive review of sexual offence provision.
- (D) To overcome this, the home ministry, unwittingly, proposed to enhance the punishment for molestation of a woman from 1 year to 7 years.
- (E) Despite having a voluminous statute book, India lacks legislation on sexual harassment at work place.

Choose the **correct** answer from the options given below :

- (1) (E), (D), (B), (A), (C)
- (2) (C), (D), (A), (B), (E)
- (3) (A), (D), (B), (E), (C)
- (4) (C), (A), (D), (B), (E)

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

145 5145

Read the following passage given below and answer the questions that follow :

The idea for her first book is a decade old, about the same age as her son, says Nazneen Ahmed Pathak, 44.

The Bangladeshi origin British writer and historian was on maternity leave from a research project on the history of migrant communities in East London, when she began to toy with new ideas for ways to tell this story.

Those ideas would eventually take the shape of her first work of fiction, *City of Stolen Magic*, released by the Penguin Random House imprint Puffin in June. It is a tale of magic and adventure that aims to introduce colonialism to children in and from South Asia.

Set in colonial India in the mid-19th century, it starts out as a tale about how Indian magic is being stamped out, amid British rule. The protagonist, a pre-teen named Chompa, is among those with the gift. She possesses a dangerous power her mother has forbidden her from using.

But then their home is attacked her mother kidnapped, and Chompa decides to use all the power at her disposal to get her back. As she makes her way from her village to Dhaka to the smoky, bustling streets of East London, she begins to learn about other changes that British rule has wrought, in indigo farming, the frequency of famine, the building of cities.

Through Chompa's story, Pathak says, she wanted to help children understand why the world around them looks the way it does, in terms of the cities and borders it has inherited, the conflicts created then that are still unfolding now.

Pick out an antonym of the word wizard :

- (1) Project
- (2) Forsaken
- (3) Magic
- (4) Power

Read the following passage given below and answer the questions that follow :

The idea for her first book is a decade old, about the same age as her son, says Nazneen Ahmed Pathak, 44.

The Bangladeshi origin British writer and historian was on maternity leave from a research project on the history of migrant communities in East London, when she began to toy with new ideas for ways to tell this story.

Those ideas would eventually take the shape of her first work of fiction, *City of Stolen Magic*, released by the Penguin Random House imprint Puffin in June. It is a tale of magic and adventure that aims to introduce colonialism to children in and from South Asia.

Set in colonial India in the mid-19th century, it starts out as a tale about how Indian magic is being stamped out, amid British rule. The protagonist, a pre-teen named Chompa, is among those with the gift. She possesses a dangerous power her mother has forbidden her from using.

But then their home is attacked her mother kidnapped, and Chompa decides to use all the power at her disposal to get her back. As she makes her way from her village to Dhaka to the smoky, bustling streets of East London, she begins to learn about other changes that British rule has wrought, in indigo farming, the frequency of famine, the building of cities.

Through Chompa's story, Pathak says, she wanted to help children understand why the world around them looks the way it does, in terms of the cities and borders it has inherited, the conflicts created then that are still unfolding now.

Pick out an antonym of the word wizard :

- (1) Project
- (2) Forsaken
- (3) Magic
- (4) Power

A1 : 1
1
A2 : 2
2
A3 : 3
3
A4 : 4
4

Objective Question

146 5146

Read the following passage given below and answer the questions that follow :

The idea for her first book is a decade old, about the same age as her son, says Nazneen Ahmed Pathak, 44.

The Bangladeshi origin British writer and historian was on maternity leave from a research project on the history of migrant communities in East London, when she began to toy with new ideas for ways to tell this story.

Those ideas would eventually take the shape of her first work of fiction, *City of Stolen Magic*, released by the Penguin Random House imprint Puffin in June. It is a tale of magic and adventure that aims to introduce colonialism to children in and from South Asia.

Set in colonial India in the mid-19th century, it starts out as a tale about how Indian magic is being stamped out, amid British rule. The protagonist, a pre-teen named Chompa, is among those with the gift. She possesses a dangerous power her mother has forbidden her from using.

But then their home is attacked her mother kidnapped, and Chompa decides to use all the power at her disposal to get her back. As she makes her way from her village to Dhaka to the smoky, bustling streets of East London, she begins to learn about other changes that British rule has wrought, in indigo farming, the frequency of famine, the building of cities.

Through Chompa's story, Pathak says, she wanted to help children understand why the world around them looks the way it does, in terms of the cities and borders it has inherited, the conflicts created then that are still unfolding now.

Given below are two statements :

Statement (I) : Her first fiction book is a tale of adventure and magic that reveals colonialism to the children in and from South Africa.

Statement (II) : She had a dangerous power which she was not allowed to practice by her mother. In the light of the above statements, choose the **most appropriate answer** from the options given below :

- (1) Both **Statement I** and **Statement II** are correct
- (2) Both **Statement I** and **Statement II** are incorrect
- (3) **Statement I** is correct but **Statement II** is incorrect
- (4) **Statement I** is incorrect but **Statement II** is correct

Read the following passage given below and answer the questions that follow :

The idea for her first book is a decade old, about the same age as her son, says Naznee Ahmed Pathak, 44.

The Bangladeshi origin British writer and historian was on maternity leave from a research project on the history of migrant communities in East London, when she began to toy with new ideas for ways to tell this story.

Those ideas would eventually take the shape of her first work of fiction, *City of Stolen Magic*, released by the Penguin Random House imprint Puffin in June. It is a tale of magic and adventure that aims to introduce colonialism to children in and from South Asia.

Set in colonial India in the mid-19th century, it starts out as a tale about how Indian magic is being stamped out, amid British rule. The protagonist, a pre-teen named Chompa, is among those with the gift. She possesses a dangerous power her mother has forbidden her from using.

But then their home is attacked her mother kidnapped, and Chompa decides to use all the power at her disposal to get her back. As she makes her way from her village to Dhaka to the smoky, bustling streets of East London, she begins to learn about other changes that British rule has wrought, in indigo farming, the frequency of famine, the building of cities.

Through Chompa's story, Pathak says, she wanted to help children understand why the world around them looks the way it does, in terms of the cities and borders it has inherited, the conflicts created then that are still unfolding now.

Given below are two statements :

Statement (I) : Her first fiction book is a tale of adventure and magic that reveals colonialism to the children in and from South Africa.

Statement (II) : She had a dangerous power which she was not allowed to practice by her mother. In the light of the above statements, choose the **most appropriate answer** from the options given below :

- (1) Both **Statement I** and **Statement II** are correct
- (2) Both **Statement I** and **Statement II** are incorrect
- (3) **Statement I** is correct but **Statement II** is incorrect
- (4) **Statement I** is incorrect but **Statement II** is correct

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

147 5147

Read the following passage given below and answer the questions that follow :

The idea for her first book is a decade old, about the same age as her son, says Nazneen Ahmed Pathak, 44.

The Bangladeshi origin British writer and historian was on maternity leave from a research project on the history of migrant communities in East London, when she began to toy with new ideas for ways to tell this story.

Those ideas would eventually take the shape of her first work of fiction, *City of Stolen Magic*, released by the Penguin Random House imprint Puffin in June. It is a tale of magic and adventure that aims to introduce colonialism to children in and from South Asia.

Set in colonial India in the mid-19th century, it starts out as a tale about how Indian magic is being stamped out, amid British rule. The protagonist, a pre-teen named Chompa, is among those with the gift. She possesses a dangerous power her mother has forbidden her from using.

But then their home is attacked her mother kidnapped, and Chompa decides to use all the power at her disposal to get her back. As she makes her way from her village to Dhaka to the smoky, bustling streets of East London, she begins to learn about other changes that British rule has wrought, in indigo farming, the frequency of famine, the building of cities.

Through Chompa's story, Pathak says, she wanted to help children understand why the world around them looks the way it does, in terms of the cities and borders it has inherited, the conflicts created then that are still unfolding now.

According to the information given in the passage arrange the following statements in correct order.

- (A) Through her books, she wanted to help the children understand the world around them.
- (B) Nazneen decided to write her first fiction book when she was around 34.
- (C) The book was set in colonial India and it was about how Indian magic is being stamped out in British rule.
- (D) Her first fiction work was published by Penguin Random House.

Choose the **correct** answer from the options given below :

- (1) (B), (D), (C), (A)
- (2) (A), (B), (C), (D)
- (3) (C), (A), (D), (B)
- (4) (D), (B), (A), (C)

Read the following passage given below and answer the questions that follow :

The idea for her first book is a decade old, about the same age as her son, says Nazneen Ahmed Pathak, 44.

The Bangladeshi origin British writer and historian was on maternity leave from a research project on the history of migrant communities in East London, when she began to toy with new ideas for ways to tell this story.

Those ideas would eventually take the shape of her first work of fiction, *City of Stolen Magic*, released by the Penguin Random House imprint Puffin in June. It is a tale of magic and adventure that aims to introduce colonialism to children in and from South Asia.

Set in colonial India in the mid-19th century, it starts out as a tale about how Indian magic is being stamped out, amid British rule. The protagonist, a pre-teen named Chompa, is among those with the gift. She possesses a dangerous power her mother has forbidden her from using.

But then their home is attacked her mother kidnapped, and Chompa decides to use all the power at her disposal to get her back. As she makes her way from her village to Dhaka to the smoky, bustling streets of East London, she begins to learn about other changes that British rule has wrought, in indigo farming, the frequency of famine, the building of cities.

Through Chompa's story, Pathak says, she wanted to help children understand why the world around them looks the way it does, in terms of the cities and borders it has inherited, the conflicts created then that are still unfolding now.

According to the information given in the passage arrange the following statements in correct order.

- (A) Through her books, she wanted to help the children understand the world around them.
- (B) Nazneen decided to write her first fiction book when she was around 34.
- (C) The book was set in colonial India and it was about how Indian magic is being stamped out in British rule.
- (D) Her first fiction work was published by Penguin Random House.

Choose the **correct** answer from the options given below :

- (1) (B), (D), (C), (A)
- (2) (A), (B), (C), (D)
- (3) (C), (A), (D), (B)
- (4) (D), (B), (A), (C)

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

148 5148

Read the following passage given below and answer the questions that follow :

The idea for her first book is a decade old, about the same age as her son, says Nazneen Ahmed Pathak, 44.

The Bangladeshi origin British writer and historian was on maternity leave from a research project on the history of migrant communities in East London, when she began to toy with new ideas for ways to tell this story.

Those ideas would eventually take the shape of her first work of fiction, *City of Stolen Magic*, released by the Penguin Random House imprint Puffin in June. It is a tale of magic and adventure that aims to introduce colonialism to children in and from South Asia.

Set in colonial India in the mid-19th century, it starts out as a tale about how Indian magic is being stamped out, amid British rule. The protagonist, a pre-teen named Chompa, is among those with the gift. She possesses a dangerous power her mother has forbidden her from using.

But then their home is attacked her mother kidnapped, and Chompa decides to use all the power at her disposal to get her back. As she makes her way from her village to Dhaka to the smoky, bustling streets of East London, she begins to learn about other changes that British rule has wrought, in indigo farming, the frequency of famine, the building of cities.

Through Chompa's story, Pathak says, she wanted to help children understand why the world around them looks the way it does, in terms of the cities and borders it has inherited, the conflicts created then that are still unfolding now.

Nazneen Ahmed Pathak was _____.

- (1) a British origin Bangladeshi writer and historian.
- (2) a Bangladesh origin British writer and archeologist.
- (3) a Bangladesh origin British writer and historian.
- (4) a Bangladesh origin Indian author and historian.

Read the following passage given below and answer the questions that follow :

The idea for her first book is a decade old, about the same age as her son, says Nazneen Ahmed Pathak, 44.

The Bangladeshi origin British writer and historian was on maternity leave from a research project on the history of migrant communities in East London, when she began to toy with new ideas for ways to tell this story.

Those ideas would eventually take the shape of her first work of fiction, *City of Stolen Magic*, released by the Penguin Random House imprint Puffin in June. It is a tale of magic and adventure that aims to introduce colonialism to children in and from South Asia.

Set in colonial India in the mid-19th century, it starts out as a tale about how Indian magic is being stamped out, amid British rule. The protagonist, a pre-teen named Chompa, is among those with the gift. She possesses a dangerous power her mother has forbidden her from using.

But then their home is attacked her mother kidnapped, and Chompa decides to use all the power at her disposal to get her back. As she makes her way from her village to Dhaka to the smoky, bustling streets of East London, she begins to learn about other changes that British rule has wrought, in indigo farming, the frequency of famine, the building of cities.

Through Chompa's story, Pathak says, she wanted to help children understand why the world around them looks the way it does, in terms of the cities and borders it has inherited, the conflicts created then that are still unfolding now.

Nazneen Ahmed Pathak was _____.

- (1) a British origin Bangladeshi writer and historian.
- (2) a Bangladesh origin British writer and archeologist.
- (3) a Bangladesh origin British writer and historian.
- (4) a Bangladesh origin Indian author and historian.

A1 : 1
1
A2 : 2
2
A3 : 3
3
A4 : 4
4

Objective Question

149 5149

Read the following passage given below and answer the questions that follow :

The idea for her first book is a decade old, about the same age as her son, says Nazneen Ahmed Pathak, 44.

The Bangladeshi origin British writer and historian was on maternity leave from a research project on the history of migrant communities in East London, when she began to toy with new ideas for ways to tell this story.

Those ideas would eventually take the shape of her first work of fiction, *City of Stolen Magic*, released by the Penguin Random House imprint Puffin in June. It is a tale of magic and adventure that aims to introduce colonialism to children in and from South Asia.

Set in colonial India in the mid-19th century, it starts out as a tale about how Indian magic is being stamped out, amid British rule. The protagonist, a pre-teen named Chompa, is among those with the gift. She possesses a dangerous power her mother has forbidden her from using.

But then their home is attacked her mother kidnapped, and Chompa decides to use all the power at her disposal to get her back. As she makes her way from her village to Dhaka to the smoky, bustling streets of East London, she begins to learn about other changes that British rule has wrought, in indigo farming, the frequency of famine, the building of cities.

Through Chompa's story, Pathak says, she wanted to help children understand why the world around them looks the way it does, in terms of the cities and borders it has inherited, the conflicts created then that are still unfolding now.

Choose one word from the paragraph for the group of words given below :

Someone who is the main character in a story.

- (1) Writer
- (2) Protagonist
- (3) Chompa
- (4) Kidnapped

Read the following passage given below and answer the questions that follow :

The idea for her first book is a decade old, about the same age as her son, says Nazneen Ahmed Pathak, 44.

The Bangladeshi origin British writer and historian was on maternity leave from a research project on the history of migrant communities in East London, when she began to toy with new ideas for ways to tell this story.

Those ideas would eventually take the shape of her first work of fiction, *City of Stolen Magic*, released by the Penguin Random House imprint Puffin in June. It is a tale of magic and adventure that aims to introduce colonialism to children in and from South Asia.

Set in colonial India in the mid-19th century, it starts out as a tale about how Indian magic is being stamped out, amid British rule. The protagonist, a pre-teen named Chompa, is among those with the gift. She possesses a dangerous power her mother has forbidden her from using.

But then their home is attacked her mother kidnapped, and Chompa decides to use all the power at her disposal to get her back. As she makes her way from her village to Dhaka to the smoky, bustling streets of East London, she begins to learn about other changes that British rule has wrought, in indigo farming, the frequency of famine, the building of cities.

Through Chompa's story, Pathak says, she wanted to help children understand why the world around them looks the way it does, in terms of the cities and borders it has inherited, the conflicts created then that are still unfolding now.

Choose one word from the paragraph for the group of words given below :

Someone who is the main character in a story.

- (1) Writer
- (2) Protagonist
- (3) Chompa
- (4) Kidnapped

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

150 5150

Read the following passage given below and answer the questions that follow :

The idea for her first book is a decade old, about the same age as her son, says Nazneen Ahmed Pathak, 44.

The Bangladeshi origin British writer and historian was on maternity leave from a research project on the history of migrant communities in East London, when she began to toy with new ideas for ways to tell this story.

Those ideas would eventually take the shape of her first work of fiction, *City of Stolen Magic*, released by the Penguin Random House imprint Puffin in June. It is a tale of magic and adventure that aims to introduce colonialism to children in and from South Asia.

Set in colonial India in the mid-19th century, it starts out as a tale about how Indian magic is being stamped out, amid British rule. The protagonist, a pre-teen named Chompa, is among those with the gift. She possesses a dangerous power her mother has forbidden her from using.

But then their home is attacked her mother kidnapped, and Chompa decides to use all the power at her disposal to get her back. As she makes her way from her village to Dhaka to the smoky, bustling streets of East London, she begins to learn about other changes that British rule has wrought, in indigo farming, the frequency of famine, the building of cities.

Through Chompa's story, Pathak says, she wanted to help children understand why the world around them looks the way it does, in terms of the cities and borders it has inherited, the conflicts created then that are still unfolding now.

Suggest a suitable title for the above passage.

- (1) Indian Writings in English
- (2) The World of Stolen Magic
- (3) Nazneen Ahmed - The Artist
- (4) A Tale of Two Cities

Read the following passage given below and answer the questions that follow :

The idea for her first book is a decade old, about the same age as her son, says Nazneen Ahmed Pathak, 44.

The Bangladeshi origin British writer and historian was on maternity leave from a research project on the history of migrant communities in East London, when she began to toy with new ideas for ways to tell this story.

Those ideas would eventually take the shape of her first work of fiction, *City of Stolen Magic*, released by the Penguin Random House imprint Puffin in June. It is a tale of magic and adventure that aims to introduce colonialism to children in and from South Asia.

Set in colonial India in the mid-19th century, it starts out as a tale about how Indian magic is being stamped out, amid British rule. The protagonist, a pre-teen named Chompa, is among those with the gift. She possesses a dangerous power her mother has forbidden her from using.

But then their home is attacked her mother kidnapped, and Chompa decides to use all the power at her disposal to get her back. As she makes her way from her village to Dhaka to the smoky, bustling streets of East London, she begins to learn about other changes that British rule has wrought, in indigo farming, the frequency of famine, the building of cities.

Through Chompa's story, Pathak says, she wanted to help children understand why the world around them looks the way it does, in terms of the cities and borders it has inherited, the conflicts created then that are still unfolding now.

Suggest a suitable title for the above passage.

- (1) Indian Writings in English
- (2) The World of Stolen Magic
- (3) Nazneen Ahmed - The Artist
- (4) A Tale of Two Cities

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

151 5151

निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

अंग्रेजी भाषा-ज्ञान से फायदा उठाने वाले नए लाभार्थियों का उद्गम दरअसल वही पारंपरिक समुदाय था जिसके परिवारों व हमेशा से सरकार के राजस्व, न्याय अथवा पुलिस प्रशासन में नौकरी मिलती रही थी। इस तरह शिक्षित पृष्ठभूमि वाले मध्यवर्गीय भारतीय एक तरह के सामाजिक नैरंतर्य का प्रतिनिधित्व भी करते थे। मध्यवर्ग की इसी ऐतिहासिक स्मृति के प्रभाव में बेब्सटर का शब्दकोश आज भी 'बाबू' का अर्थ अंग्रेजी लिखने वाला देसी क्लर्क बताता है। अंग्रेजों द्वारा भारतीय भाषाओं प्राथमिक शिक्षा की जान-बूझ कर उपेक्षा व अंग्रेजी में उच्च शिक्षा को दिया गया बढ़ावा भी अधिकांश भारतवासियों के निरक्षर रहने का एक बड़ा कारण था। जनसाधारण के इस अशिक्षित बहुलांश के मुकाबले बाबुओं की संख्या बहुत कम जरूर थी लेकिन एक नए किस्म की सामाजिक संस्कृति के प्रमुख तत्व के रूप में उनकी शिनाख्त करने के लिए पर्याप्त भी थी। 187 में बंकिम चंद्र चटर्जी ने कटाक्ष करते हुए लिखा था, 'ये बाबू काफी बातूनी, एक खास विदेशी भाषा में पारंगत और अपनी मातृभाषा को नीची निगाह से देखने वाले होंगे.... कुछ बेहद योग्य बाबू तो ऐसे भी होंगे कि अपनी मातृभाषा में बातचीत तक व पाने में अक्षम निकलेंगे... विष्णु की तरह उनके भी दस अवतार होंगे - क्लर्क, अध्यापक, ब्रह्म समाज के सदस्य, मुनी, डाक्टर, वकील, मजिस्ट्रेट, जमींदार, संपादक और बेरोजगार....ये बाबू घर में जलपान और दोस्तों के घर पर सुरापान करेंगे। तवायफों के अड्डों पर गालियाँ और मालिकों के यहाँ फटकार खाएँगे।

उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक है :

- (1) मध्यवर्ग और अंग्रेजी भाषा
- (2) अंग्रेजी भाषा के लालची लोग
- (3) अंग्रेजी भाषा ज्ञान
- (4) सरकारी बाबुओं के कार्य

निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

अंग्रेजी भाषा-ज्ञान से फायदा उठाने वाले नए लाभार्थियों का उद्गम दरअसल वही पारंपरिक समुदाय था जिसके परिवारों व हमेशा से सरकार के राजस्व, न्याय अथवा पुलिस प्रशासन में नौकरी मिलती रही थी। इस तरह शिक्षित पृष्ठभूमि वाले मध्यवर्गीय भारतीय एक तरह के सामाजिक नैरंतर्य का प्रतिनिधित्व भी करते थे। मध्यवर्ग की इसी ऐतिहासिक स्मृति के प्रभाव में बेक्सटर का शब्दकोश आज भी 'बाबू' का अर्थ अंग्रेजी लिखने वाला देसी क्लर्क बताता है। अंग्रेजों द्वारा भारतीय भाषाओं प्राथमिक शिक्षा की जान-बूझ कर उपेक्षा व अंग्रेजी में उच्च शिक्षा को दिया गया बढ़ावा भी अधिकांश भारतवासियों के निरक्षर होने का एक बड़ा कारण था। जनसाधारण के इस अशिक्षित बहुलांश के मुकाबले बाबुओं की संख्या बहुत कम जरूर थी लेकिन एक नए किस्म की सामाजिक संस्कृति के प्रमुख तत्व के रूप में उनकी शिनाख्त करने के लिए पर्याप्त भी थी। 187 में बंकिम चंद्र चटर्जी ने कटाक्ष करते हुए लिखा था, 'ये बाबू काफी बातूनी, एक खास विदेशी भाषा में पारंगत और अपनी मातृभाषा को नीची निगाह से देखने वाले होंगे.... कुछ बेहद योग्य बाबू तो ऐसे भी होंगे कि अपनी मातृभाषा में बातचीत तक व पाने में अक्षम निकलेंगे... विष्णु की तरह उनके भी दस अवतार होंगे - क्लर्क, अध्यापक, ब्रह्म समाज के सदस्य, मुनी, डाक्टर, वकील, मजिस्ट्रेट, जमींदार, संपादक और बेरोजगार....ये बाबू घर में जलपान और दोस्तों के घर पर सुरापान करेंगे। तवायफों के अड्डों पर गालियाँ और मालिकों के यहाँ फटकार खाएँगे।

उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक है :

- (1) मध्यवर्ग और अंग्रेजी भाषा
- (2) अंग्रेजी भाषा के लालची लोग
- (3) अंग्रेजी भाषा ज्ञान
- (4) सरकारी बाबुओं के कार्य

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

152 5152

निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

अंग्रेजी भाषा-ज्ञान से फायदा उठाने वाले नए लाभार्थियों का उद्गम दरअसल वही पारंपरिक समुदाय था जिसके परिवारों व हमेशा से सरकार के राजस्व, न्याय अथवा पुलिस प्रशासन में नौकरी मिलती रही थी। इस तरह शिक्षित पृष्ठभूमि वाले मध्यवर्गीय भारतीय एक तरह के सामाजिक नैरंतर्य का प्रतिनिधित्व भी करते थे। मध्यवर्ग की इसी ऐतिहासिक स्मृति के प्रभाव में बेब्सटर का शब्दकोश आज भी 'बाबू' का अर्थ अंग्रेजी लिखने वाला देसी क्लर्क बताता है। अंग्रेजों द्वारा भारतीय भाषाओं प्राथमिक शिक्षा की जान-बूझ कर उपेक्षा व अंग्रेजी में उच्च शिक्षा को दिया गया बढ़ावा भी अधिकांश भारतवासियों के निरक्षर रहने का एक बड़ा कारण था। जनसाधारण के इस अशिक्षित बहुलांश के मुकाबले बाबुओं की संख्या बहुत कम जरूर थी लेकिन एक नए किस्म की सामाजिक संस्कृति के प्रमुख तत्व के रूप में उनकी शिनाख्त करने के लिए पर्याप्त भी थी। 187 में बंकिम चंद्र चटर्जी ने कटाक्ष करते हुए लिखा था, 'ये बाबू काफी बातूनी, एक खास विदेशी भाषा में पारंगत और अपनी मातृभाषा को नीची निगाह से देखने वाले होंगे.... कुछ बेहद योग्य बाबू तो ऐसे भी होंगे कि अपनी मातृभाषा में बातचीत तक व पाने में अक्षम निकलेंगे... विष्णु की तरह उनके भी दस अवतार होंगे - क्लर्क, अध्यापक, ब्रह्म समाज के सदस्य, मुनी, डाक्टर, वकील, मजिस्ट्रेट, जमींदार, संपादक और बेरोजगार....ये बाबू घर में जलपान और दोस्तों के घर पर सुरापान करेंगे। तवायफों के अड्डों पर गालियाँ और मालिकों के यहाँ फटकार खाएँगे।

बेब्सटर का शब्दकोश आज भी 'बाबू' का अर्थ 'अंग्रेजी लिखने वाला देसी क्लर्क' क्यों बताता है?

- (1) क्योंकि 'बाबू' का यही अर्थ होता है।
- (2) मध्यवर्गीय औपनिवेशिक ऐतिहासिक स्मृतियों के प्रभाव में।
- (3) क्योंकि उस समय ज्यादातर भारतीय निरक्षर थे।
- (4) क्योंकि औपनिवेशिक काल में क्लर्कों की अच्छी स्थिति थी।

निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

अंग्रेजी भाषा-ज्ञान से फायदा उठाने वाले नए लाभार्थियों का उद्गम दरअसल वही पारंपरिक समुदाय था जिसके परिवारों व हमेशा से सरकार के राजस्व, न्याय अथवा पुलिस प्रशासन में नौकरी मिलती रही थी। इस तरह शिक्षित पृष्ठभूमि वाले मध्यवर्गीय भारतीय एक तरह के सामाजिक नैरंतर्य का प्रतिनिधित्व भी करते थे। मध्यवर्ग की इसी ऐतिहासिक स्मृति के प्रभाव में बेब्सटर का शब्दकोश आज भी 'बाबू' का अर्थ अंग्रेजी लिखने वाला देसी क्लर्क बताता है। अंग्रेजों द्वारा भारतीय भाषाओं प्राथमिक शिक्षा की जान-बूझ कर उपेक्षा व अंग्रेजी में उच्च शिक्षा को दिया गया बढ़ावा भी अधिकांश भारतवासियों के निरक्षर रहने का एक बड़ा कारण था। जनसाधारण के इस अशिक्षित बहुलांश के मुकाबले बाबुओं की संख्या बहुत कम जरूर थी लेकिन एक नए किस्म की सामाजिक संस्कृति के प्रमुख तत्व के रूप में उनकी शिनाख्त करने के लिए पर्याप्त भी थी। 187 में बंकिम चंद्र चटर्जी ने कटाक्ष करते हुए लिखा था, 'ये बाबू काफी बातूनी, एक खास विदेशी भाषा में पारंगत और अपनी मातृभाषा को नीची निगाह से देखने वाले होंगे.... कुछ बेहद योग्य बाबू तो ऐसे भी होंगे कि अपनी मातृभाषा में बातचीत तक व पाने में अक्षम निकलेंगे... विष्णु की तरह उनके भी दस अवतार होंगे - क्लर्क, अध्यापक, ब्रह्म समाज के सदस्य, मुनी, डाक्टर, वकील, मजिस्ट्रेट, जमींदार, संपादक और बेरोजगार....ये बाबू घर में जलपान और दोस्तों के घर पर सुरापान करेंगे। तवायफों के अड्डों पर गालियाँ और मालिकों के यहाँ फटकार खाएँगे।

बेब्सटर का शब्दकोश आज भी 'बाबू' का अर्थ 'अंग्रेजी लिखने वाला देसी क्लर्क' क्यों बताता है?

- (1) क्योंकि 'बाबू' का यही अर्थ होता है।
- (2) मध्यवर्गीय औपनिवेशिक ऐतिहासिक स्मृतियों के प्रभाव में।
- (3) क्योंकि उस समय ज्यादातर भारतीय निरक्षर थे।
- (4) क्योंकि औपनिवेशिक काल में क्लर्कों की अच्छी स्थिति थी।

A1 : 1

1

A2 : 2

2
A3 : 3
3
A4 : 4
4

Objective Question

153 5153

निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

अंग्रेजी भाषा-ज्ञान से फायदा उठाने वाले नए लाभार्थियों का उद्गम दरअसल वही पारंपरिक समुदाय था जिसके परिवारों व हमेशा से सरकार के राजस्व, न्याय अथवा पुलिस प्रशासन में नौकरी मिलती रही थी। इस तरह शिक्षित पृष्ठभूमि वाले मध्यवर्गीय भारतीय एक तरह के सामाजिक नैरंतर्य का प्रतिनिधित्व भी करते थे। मध्यवर्ग की इसी ऐतिहासिक स्मृति के प्रभाव में बेक्सटर का शब्दकोश आज भी 'बाबू' का अर्थ अंग्रेजी लिखने वाला देसी क्लर्क बताता है। अंग्रेजों द्वारा भारतीय भाषाओं प्राथमिक शिक्षा की जान-बूझ कर उपेक्षा व अंग्रेजी में उच्च शिक्षा को दिया गया बढ़ावा भी अधिकांश भारतवासियों के निरक्षर होने का एक बड़ा कारण था। जनसाधारण के इस अशिक्षित बहुलांश के मुकाबले बाबूओं की संख्या बहुत कम जरूर थी लेकिन एक नए किस्म की सामाजिक संस्कृति के प्रमुख तत्व के रूप में उनकी शिनाख्त करने के लिए पर्याप्त भी थी। 187 में बंकिम चंद्र चटर्जी ने कटाक्ष करते हुए लिखा था, 'ये बाबू काफी बातूनी, एक खास विदेशी भाषा में पारंगत और अपनी मातृभाषा को नीची निगाह से देखने वाले होंगे.... कुछ बेहद योग्य बाबू तो ऐसे भी होंगे कि अपनी मातृभाषा में बातचीत तक व पाने में अक्षम निकलेंगे... विष्णु की तरह उनके भी दस अवतार होंगे - क्लर्क, अध्यापक, ब्रह्म समाज के सदस्य, मुनी, डाक्टर, वकील, मजिस्ट्रेट, जमींदार, संपादक और बेरोजगार....ये बाबू घर में जलपान और दोस्तों के घर पर सुरापान करेंगे। तवायफों के अड्डों पर गालियाँ और मालिकों के यहाँ फटकार खाएँगे।

निम्नलिखित में 'निरक्षर' का सर्वाधिक उपयुक्त विलोम शब्द है :

- (1) अक्षर
- (2) असाक्षर
- (3) साक्षर
- (4) शिक्षित

निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

अंग्रेजी भाषा-ज्ञान से फायदा उठाने वाले नए लाभार्थियों का उद्गम दरअसल वही पारंपरिक समुदाय था जिसके परिवारों व हमेशा से सरकार के राजस्व, न्याय अथवा पुलिस प्रशासन में नौकरी मिलती रही थी। इस तरह शिक्षित पृष्ठभूमि वाले मध्यवर्गीय भारतीय एक तरह के सामाजिक नैरंतर्य का प्रतिनिधित्व भी करते थे। मध्यवर्ग की इसी ऐतिहासिक स्मृति के प्रभाव में बेब्सटर का शब्दकोश आज भी 'बाबू' का अर्थ अंग्रेजी लिखने वाला देसी क्लर्क बताता है। अंग्रेजों द्वारा भारतीय भाषाओं प्राथमिक शिक्षा की जान-बूझ कर उपेक्षा व अंग्रेजी में उच्च शिक्षा को दिया गया बढ़ावा भी अधिकांश भारतवासियों के निरक्षर रहने का एक बड़ा कारण था। जनसाधारण के इस अशिक्षित बहुलांश के मुकाबले बाबुओं की संख्या बहुत कम जरूर थी लेकिन एक नए किस्म की सामाजिक संस्कृति के प्रमुख तत्व के रूप में उनकी शिनाख्त करने के लिए पर्याप्त भी थी। 187 में बंकिम चंद्र चटर्जी ने कटाक्ष करते हुए लिखा था, 'ये बाबू काफी बातूनी, एक खास विदेशी भाषा में पारंगत और अपनी मातृभाषा को नीची निगाह से देखने वाले होंगे.... कुछ बेहद योग्य बाबू तो ऐसे भी होंगे कि अपनी मातृभाषा में बातचीत तक व पाने में अक्षम निकलेंगे... विष्णु की तरह उनके भी दस अवतार होंगे - क्लर्क, अध्यापक, ब्रह्म समाज के सदस्य, मुनी, डाक्टर, वकील, मजिस्ट्रेट, जमींदार, संपादक और बेरोजगार....ये बाबू घर में जलपान और दोस्तों के घर पर सुरापान करेंगे। तवायफों के अड्डों पर गालियाँ और मालिकों के यहाँ फटकार खाएँगे।

निम्नलिखित में 'निरक्षर' का सर्वाधिक उपयुक्त विलोम शब्द है :

- (1) अक्षर
- (2) असाक्षर
- (3) साक्षर
- (4) शिक्षित

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

154 5154

निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

अंग्रेजी भाषा-ज्ञान से फायदा उठाने वाले नए लाभार्थियों का उद्गम दरअसल वही पारंपरिक समुदाय था जिसके परिवारों व हमेशा से सरकार के राजस्व, न्याय अथवा पुलिस प्रशासन में नौकरी मिलती रही थी। इस तरह शिक्षित पृष्ठभूमि वाले मध्यवर्गीय भारतीय एक तरह के सामाजिक नैरंतर्य का प्रतिनिधित्व भी करते थे। मध्यवर्ग की इसी ऐतिहासिक स्मृति के प्रभाव में बेब्सटर का शब्दकोश आज भी 'बाबू' का अर्थ अंग्रेजी लिखने वाला देसी क्लर्क बताता है। अंग्रेजों द्वारा भारतीय भाषाओं प्राथमिक शिक्षा की जान-बूझ कर उपेक्षा व अंग्रेजी में उच्च शिक्षा को दिया गया बढ़ावा भी अधिकांश भारतवासियों के निरक्षर रहने का एक बड़ा कारण था। जनसाधारण के इस अशिक्षित बहुलांश के मुकाबले बाबुओं की संख्या बहुत कम जरूर थी लेकिन एक नए किस्म की सामाजिक संस्कृति के प्रमुख तत्त्व के रूप में उनकी शिनाख्त करने के लिए पर्याप्त भी थी। 187 में बंकिम चंद्र चटर्जी ने कटाक्ष करते हुए लिखा था, 'ये बाबू काफी बातूनी, एक खास विदेशी भाषा में पारंगत और अपनी मातृभाषा को नीची निगाह से देखने वाले होंगे.... कुछ बेहद योग्य बाबू तो ऐसे भी होंगे कि अपनी मातृभाषा में बातचीत तक व पाने में अक्षम निकलेंगे... विष्णु की तरह उनके भी दस अवतार होंगे - क्लर्क, अध्यापक, ब्रह्म समाज के सदस्य, मुनी, डाक्टर, वकील, मजिस्ट्रेट, जमींदार, संपादक और बेरोजगार....ये बाबू घर में जलपान और दोस्तों के घर पर सुरापान करेंगे। तवायफों के अड्डों पर गालियाँ और मालिकों के यहाँ फटकार खाएँगे।

गद्यांश के आधार पर बताएँ कि भारतवासियों के निरक्षर रहने का एक बड़ा कारण था?

- (1) यहाँ की गुरुकुल-परंपरा।
- (2) सभी अँग्रेजी पढ़े लोगों का क्लर्क बन जाना।
- (3) भारत में स्कूलों की पर्याप्त संख्या होना।
- (4) अँग्रेजों द्वारा भारतीय भाषाओं में प्राथमिक शिक्षा की उपेक्षा और उच्च-शिक्षा अँग्रेजी माध्यम में ही सुलभ कराना।

निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

अंग्रेजी भाषा-ज्ञान से फायदा उठाने वाले नए लाभार्थियों का उद्गम दरअसल वही पारंपरिक समुदाय था जिसके परिवारों व हमेशा से सरकार के राजस्व, न्याय अथवा पुलिस प्रशासन में नौकरी मिलती रही थी। इस तरह शिक्षित पृष्ठभूमि वाले मध्यवर्गीय भारतीय एक तरह के सामाजिक नैरंतर्य का प्रतिनिधित्व भी करते थे। मध्यवर्ग की इसी ऐतिहासिक स्मृति के प्रभाव में बेब्सटर का शब्दकोश आज भी 'बाबू' का अर्थ अंग्रेजी लिखने वाला देसी क्लर्क बताता है। अंग्रेजों द्वारा भारतीय भाषाओं प्राथमिक शिक्षा की जान-बूझ कर उपेक्षा व अंग्रेजी में उच्च शिक्षा को दिया गया बढ़ावा भी अधिकांश भारतवासियों के निरक्षर रहने का एक बड़ा कारण था। जनसाधारण के इस अशिक्षित बहुलांश के मुकाबले बाबुओं की संख्या बहुत कम जरूर थी लेकिन एक नए किस्म की सामाजिक संस्कृति के प्रमुख तत्त्व के रूप में उनकी शिनाख्त करने के लिए पर्याप्त भी थी। 187 में बंकिम चंद्र चटर्जी ने कटाक्ष करते हुए लिखा था, 'ये बाबू काफी बातूनी, एक खास विदेशी भाषा में पारंगत और अपनी मातृभाषा को नीची निगाह से देखने वाले होंगे.... कुछ बेहद योग्य बाबू तो ऐसे भी होंगे कि अपनी मातृभाषा में बातचीत तक व पाने में अक्षम निकलेंगे... विष्णु की तरह उनके भी दस अवतार होंगे - क्लर्क, अध्यापक, ब्रह्म समाज के सदस्य, मुनी, डाक्टर, वकील, मजिस्ट्रेट, जमींदार, संपादक और बेरोजगार....ये बाबू घर में जलपान और दोस्तों के घर पर सुरापान करेंगे। तवायफों के अड्डों पर गालियाँ और मालिकों के यहाँ फटकार खाएँगे।

गद्यांश के आधार पर बताएँ कि भारतवासियों के निरक्षर रहने का एक बड़ा कारण था?

- (1) यहाँ की गुरुकुल-परंपरा।
- (2) सभी अँग्रेजी पढ़े लोगों का क्लर्क बन जाना।
- (3) भारत में स्कूलों की पर्याप्त संख्या होना।
- (4) अँग्रेजों द्वारा भारतीय भाषाओं में प्राथमिक शिक्षा की उपेक्षा और उच्च-शिक्षा अँग्रेजी माध्यम में ही सुलभ कराना।

A1 : 1

1

A2 : 2

2
A3 : 3
3
A4 : 4
4

Objective Question

155 5155

निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

अंग्रेजी भाषा-ज्ञान से फायदा उठाने वाले नए लाभार्थियों का उद्गम दरअसल वही पारंपरिक समुदाय था जिसके परिवारों व हमेशा से सरकार के राजस्व, न्याय अथवा पुलिस प्रशासन में नौकरी मिलती रही थी। इस तरह शिक्षित पृष्ठभूमि वाले मध्यवर्गीय भारतीय एक तरह के सामाजिक नैरंतर्य का प्रतिनिधित्व भी करते थे। मध्यवर्ग की इसी ऐतिहासिक स्मृति के प्रभाव में बेक्सटर का शब्दकोश आज भी 'बाबू' का अर्थ अंग्रेजी लिखने वाला देसी क्लर्क बताता है। अंग्रेजों द्वारा भारतीय भाषाओं प्राथमिक शिक्षा की जान-बूझ कर उपेक्षा व अंग्रेजी में उच्च शिक्षा को दिया गया बढ़ावा भी अधिकांश भारतवासियों के निरक्षर होने का एक बड़ा कारण था। जनसाधारण के इस अशिक्षित बहुलांश के मुकाबले बाबूओं की संख्या बहुत कम जरूर थी लेकिन एक नए किस्म की सामाजिक संस्कृति के प्रमुख तत्व के रूप में उनकी शिनाख्त करने के लिए पर्याप्त भी थी। 187 में बंकिम चंद्र चटर्जी ने कटाक्ष करते हुए लिखा था, 'ये बाबू काफी बातूनी, एक खास विदेशी भाषा में पारंगत और अपनी मातृभाषा को नीची निगाह से देखने वाले होंगे.... कुछ बेहद योग्य बाबू तो ऐसे भी होंगे कि अपनी मातृभाषा में बातचीत तक व पाने में अक्षम निकलेंगे... विष्णु की तरह उनके भी दस अवतार होंगे - क्लर्क, अध्यापक, ब्रह्म समाज के सदस्य, मुनी, डाक्टर, वकील, मजिस्ट्रेट, जमींदार, संपादक और बेरोजगार....ये बाबू घर में जलपान और दोस्तों के घर पर सुरापान करेंगे। तवायफों के अड्डों पर गालियाँ और मालिकों के यहाँ फटकार खाएँगे।

“ये बाबू काफी बातूनी, एक खास विदेशी भाषा में पारंगत और अपनी मातृभाषा को नीची निगाह से देखने वाले होंगे...”। बंकिम चंद्र चटर्जी ने क्लर्कों के बारे में ऐसा इसलिए कहा क्योंकि -

- (1) क्लर्क अंग्रेजी पढ़ना जानते थे।
- (2) ये उस वर्ग से आते थे, जो ब्रिटिश सरकार की सेवाओं-सुविधाओं का लाभार्थी था और श्रेष्ठता के औपनिवेशिक विम से प्रभावित था।
- (3) क्लर्कों की शिक्षा-दीक्षा अंग्रेजी में हुई थी, इसलिए वे बातूनी होते थे।
- (4) क्लर्क कामचोर होने के साथ-साथ मातृभाषा से पूर्णतः अनभिज्ञ थे।

निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

अंग्रेजी भाषा-ज्ञान से फायदा उठाने वाले नए लाभार्थियों का उद्गम दरअसल वही पारंपरिक समुदाय था जिसके परिवारों व हमेशा से सरकार के राजस्व, न्याय अथवा पुलिस प्रशासन में नौकरी मिलती रही थी। इस तरह शिक्षित पृष्ठभूमि वाले मध्यवर्गीय भारतीय एक तरह के सामाजिक नैरंतर्य का प्रतिनिधित्व भी करते थे। मध्यवर्ग की इसी ऐतिहासिक स्मृति के प्रभाव में बेब्सटर का शब्दकोश आज भी 'बाबू' का अर्थ अंग्रेजी लिखने वाला देसी क्लर्क बताता है। अंग्रेजों द्वारा भारतीय भाषाओं प्राथमिक शिक्षा की जान-बूझ कर उपेक्षा व अंग्रेजी में उच्च शिक्षा को दिया गया बढ़ावा भी अधिकांश भारतवासियों के निरक्षर रहने का एक बड़ा कारण था। जनसाधारण के इस अशिक्षित बहुलांश के मुकाबले बाबुओं की संख्या बहुत कम जरूर थी लेकिन एक नए किस्म की सामाजिक संस्कृति के प्रमुख तत्व के रूप में उनकी शिनाख्त करने के लिए पर्याप्त भी थी। 187 में बंकिम चंद्र चटर्जी ने कटाक्ष करते हुए लिखा था, 'ये बाबू काफी बातूनी, एक खास विदेशी भाषा में पारंगत और अपनी मातृभाषा को नीची निगाह से देखने वाले होंगे.... कुछ बेहद योग्य बाबू तो ऐसे भी होंगे कि अपनी मातृभाषा में बातचीत तक व पाने में अक्षम निकलेंगे... विष्णु की तरह उनके भी दस अवतार होंगे - क्लर्क, अध्यापक, ब्रह्म समाज के सदस्य, मुनी, डाक्टर, वकील, मजिस्ट्रेट, जमींदार, संपादक और बेरोजगार....ये बाबू घर में जलपान और दोस्तों के घर पर सुरापान करेंगे। तवायफों के अड्डों पर गालियाँ और मालिकों के यहाँ फटकार खाएँगे।

“ये बाबू काफी बातूनी, एक खास विदेशी भाषा में पारंगत और अपनी मातृभाषा को नीची निगाह से देखने वाले होंगे...”। बंकिम चंद्र चटर्जी ने क्लर्कों के बारे में ऐसा इसलिए कहा क्योंकि -

- (1) क्लर्क अंग्रेजी पढ़ना जानते थे।
- (2) ये उस वर्ग से आते थे, जो ब्रिटिश सरकार की सेवाओं-सुविधाओं का लाभार्थी था और श्रेष्ठता के औपनिवेशिक विम से प्रभावित था।
- (3) क्लर्कों की शिक्षा-दीक्षा अंग्रेजी में हुई थी, इसलिए वे बातूनी होते थे।
- (4) क्लर्क कामचोर होने के साथ-साथ मातृभाषा से पूर्णतः अनभिज्ञ थे।

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

156 5156

निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

अंग्रेजी भाषा-ज्ञान से फायदा उठाने वाले नए लाभार्थियों का उद्गम दरअसल वही पारंपरिक समुदाय था जिसके परिवारों व हमेशा से सरकार के राजस्व, न्याय अथवा पुलिस प्रशासन में नौकरी मिलती रही थी। इस तरह शिक्षित पृष्ठभूमि वाले मध्यवर्गीय भारतीय एक तरह के सामाजिक नैरंतर्य का प्रतिनिधित्व भी करते थे। मध्यवर्ग की इसी ऐतिहासिक स्मृति के प्रभाव में बेब्सटर का शब्दकोश आज भी 'बाबू' का अर्थ अंग्रेजी लिखने वाला देसी क्लर्क बताता है। अंग्रेजों द्वारा भारतीय भाषाओं प्राथमिक शिक्षा की जान-बूझ कर उपेक्षा व अंग्रेजी में उच्च शिक्षा को दिया गया बढ़ावा भी अधिकांश भारतवासियों के निरक्षर रहने का एक बड़ा कारण था। जनसाधारण के इस अशिक्षित बहुलांश के मुकाबले बाबुओं की संख्या बहुत कम जरूर थी लेकिन एक नए किस्म की सामाजिक संस्कृति के प्रमुख तत्व के रूप में उनकी शिनाख्त करने के लिए पर्याप्त भी थी। 187 में बंकिम चंद्र चटर्जी ने कटाक्ष करते हुए लिखा था, 'ये बाबू काफी बातूनी, एक खास विदेशी भाषा में पारंगत और अपनी मातृभाषा को नीची निगाह से देखने वाले होंगे.... कुछ बेहद योग्य बाबू तो ऐसे भी होंगे कि अपनी मातृभाषा में बातचीत तक व पाने में अक्षम निकलेंगे... विष्णु की तरह उनके भी दस अवतार होंगे - क्लर्क, अध्यापक, ब्रह्म समाज के सदस्य, मुनी, डाक्टर, वकील, मजिस्ट्रेट, जमींदार, संपादक और बेरोजगार....ये बाबू घर में जलपान और दोस्तों के घर पर सुरापान करेंगे। तवायफों के अड्डों पर गालियाँ और मालिकों के यहाँ फटकार खाएँगे।

निम्नलिखित वाक्यांशों का क्रम को गद्यांश के अनुरूप ठीक कीजिए।

- (A) अंग्रेजों द्वारा भारतीय भाषाओं में प्राथमिक शिक्षा की जान-बूझ कर उपेक्षा की गई।
- (B) अंग्रेजी शिक्षित बाबुओं में अपनी मातृभाषा के प्रति हीनताबोध था।
- (C) अंग्रेजी भाषा-ज्ञान का लाभ उन समुदायों ने उठाया जो पहले से ही ब्रिटिश सरकार के लाभार्थी थे।
- (D) ब्रिटिश काल का भारतीय मध्यवर्ग कोई नया वर्ग नहीं था, बल्कि वह एक तरह से सामाजिक नैरंतर्य का प्रतिनिधि था।
- (E) भारतीय मध्यवर्ग में नैतिक मूल्यों पर स्वाभिमान का घोर अभाव था।

निम्नांकित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए।

- (1) (E), (B), (A), (C), (D)
- (2) (A), (B), (C), (D), (E)
- (3) (B), (C), (D), (A), (E)
- (4) (C), (D), (A), (B), (E)

निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

अंग्रेजी भाषा-ज्ञान से फायदा उठाने वाले नए लाभार्थियों का उद्गम दरअसल वही पारंपरिक समुदाय था जिसके परिवारों व हमेशा से सरकार के राजस्व, न्याय अथवा पुलिस प्रशासन में नौकरी मिलती रही थी। इस तरह शिक्षित पृष्ठभूमि वाले मध्यवर्गीय भारतीय एक तरह के सामाजिक नैरंतर्य का प्रतिनिधित्व भी करते थे। मध्यवर्ग की इसी ऐतिहासिक स्मृति के प्रभाव में बेब्सटर का शब्दकोश आज भी 'बाबू' का अर्थ अंग्रेजी लिखने वाला देसी क्लर्क बताता है। अंग्रेजों द्वारा भारतीय भाषाओं प्राथमिक शिक्षा की जान-बूझ कर उपेक्षा व अंग्रेजी में उच्च शिक्षा को दिया गया बढ़ावा भी अधिकांश भारतवासियों के निरक्षर रहने का एक बड़ा कारण था। जनसाधारण के इस अशिक्षित बहुलांश के मुकाबले बाबुओं की संख्या बहुत कम जरूर थी लेकिन एक नए किस्म की सामाजिक संस्कृति के प्रमुख तत्व के रूप में उनकी शिनाख्त करने के लिए पर्याप्त भी थी। 187 में बंकिम चंद्र चटर्जी ने कटाक्ष करते हुए लिखा था, 'ये बाबू काफी बातूनी, एक खास विदेशी भाषा में पारंगत और अपनी मातृभाषा को नीची निगाह से देखने वाले होंगे.... कुछ बेहद योग्य बाबू तो ऐसे भी होंगे कि अपनी मातृभाषा में बातचीत तक व पाने में अक्षम निकलेंगे... विष्णु की तरह उनके भी दस अवतार होंगे - क्लर्क, अध्यापक, ब्रह्म समाज के सदस्य, मुनी, डाक्टर, वकील, मजिस्ट्रेट, जमींदार, संपादक और बेरोजगार....ये बाबू घर में जलपान और दोस्तों के घर पर सुरापान करेंगे। तवायफों के अड्डों पर गालियाँ और मालिकों के यहाँ फटकार खाएँगे।

निम्नलिखित वाक्यांशों का क्रम को गद्यांश के अनुरूप ठीक कीजिए।

- (A) अंग्रेजों द्वारा भारतीय भाषाओं में प्राथमिक शिक्षा की जान-बूझ कर उपेक्षा की गई।
- (B) अंग्रेजी शिक्षित बाबुओं में अपनी मातृभाषा के प्रति हीनताबोध था।
- (C) अंग्रेजी भाषा-ज्ञान का लाभ उन समुदायों ने उठाया जो पहले से ही ब्रिटिश सरकार के लाभार्थी थे।
- (D) ब्रिटिश काल का भारतीय मध्यवर्ग कोई नया वर्ग नहीं था, बल्कि वह एक तरह से सामाजिक नैरंतर्य का प्रतिनिधि था।
- (E) भारतीय मध्यवर्ग में नैतिक मूल्यों पर स्वाभिमान का घोर अभाव था।

निम्नांकित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए।

- (1) (E), (B), (A), (C), (D)
- (2) (A), (B), (C), (D), (E)
- (3) (B), (C), (D), (A), (E)
- (4) (C), (D), (A), (B), (E)

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

157 5157

निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रायः सुनने में आता है कि कविता का उद्देश्य मनोरंजन है। पर जैसा कि हम पहले कह आये हैं, कविता का अंतिम लक्ष्य जग के मार्मिक पक्षों का प्रत्यक्षीकरण करके उनके साथ मनुष्य-हृदय का सामंजस्य-स्थापन है। इतने गंभीर उद्देश्य के स्थान पर केवल मनोरंजन का हल्का उद्देश्य सामने रखकर जो कविता का पठन-पाठन या विचार करते हैं, वे रास्ते ही में रह जानेवा पथिक के समान हैं। कविता पढ़ते समय मनोरंजन अवश्य होता है, पर उसके उपरांत कुछ और भी होता है और वही सब कुछ है। मनोरंजन वह शक्ति है जिससे कविता अपना प्रभाव जमाने के लिए मनुष्य की चित्तवृत्ति को स्थिर किये रहती है, इधर-उधर जाने नहीं देती। अच्छी से अच्छी बात को भी कभी-कभी जो केवल कान से सुन भर लेते हैं, उनकी ओर उनका मनोयोग न होता। केवल यही कह कर कि 'परोपकार करो', 'दूसरों पर दया करो', 'चोरी करना महापाप है', हमें यह आशा कदापि न कर चाहिए कि कोई अपकारी उपकारी, कोई क्रूर दयावान् या कोई चोर साधु हो जाएगा।

गद्यांश के आधार पर 'पथिक' शब्द का अर्थ है :

- (1) कीमती वस्तु
- (2) पदक
- (3) यात्री
- (4) अमूल्य विचार

निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रायः सुनने में आता है कि कविता का उद्देश्य मनोरंजन है। पर जैसा कि हम पहले कह आये हैं, कविता का अंतिम लक्ष्य जग के मार्मिक पक्षों का प्रत्यक्षीकरण करके उनके साथ मनुष्य-हृदय का सामंजस्य-स्थापन है। इतने गंभीर उद्देश्य के स्थान पर केवल मनोरंजन का हल्का उद्देश्य सामने रखकर जो कविता का पठन-पाठन या विचार करते हैं, वे रास्ते ही में रह जानेवा पथिक के समान हैं। कविता पढ़ते समय मनोरंजन अवश्य होता है, पर उसके उपरांत कुछ और भी होता है और वही सब कुछ है। मनोरंजन वह शक्ति है जिससे कविता अपना प्रभाव जमाने के लिए मनुष्य की चित्तवृत्ति को स्थिर किये रहती है, इधर-उधर जाने नहीं देती। अच्छी से अच्छी बात को भी कभी-कभी जो केवल कान से सुन भर लेते हैं, उनकी ओर उनका मनोयोग न होता। केवल यही कह कर कि 'परोपकार करो', 'दूसरों पर दया करो', 'चोरी करना महापाप है', हमें यह आशा कदापि न कर चाहिए कि कोई अपकारी उपकारी, कोई क्रूर दयावान् या कोई चोर साधु हो जाएगा।

गद्यांश के आधार पर 'पथिक' शब्द का अर्थ है :

- (1) कीमती वस्तु
- (2) पदक
- (3) यात्री
- (4) अमूल्य विचार

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

158 5158

निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रायः सुनने में आता है कि कविता का उद्देश्य मनोरंजन है। पर जैसा कि हम पहले कह आये हैं, कविता का अंतिम लक्ष्य जग के मार्मिक पक्षों का प्रत्यक्षीकरण करके उनके साथ मनुष्य-हृदय का सामंजस्य-स्थापन है। इतने गंभीर उद्देश्य के स्थान पर केवल मनोरंजन का हल्का उद्देश्य सामने रखकर जो कविता का पठन-पाठन या विचार करते हैं, वे रास्ते ही में रह जानेवा पथिक के समान हैं। कविता पढ़ते समय मनोरंजन अवश्य होता है, पर उसके उपरांत कुछ और भी होता है और वही सब कुछ है। मनोरंजन वह शक्ति है जिससे कविता अपना प्रभाव जमाने के लिए मनुष्य की चित्तवृत्ति को स्थिर किये रहती है, इधर-उधर जाने नहीं देती। अच्छी से अच्छी बात को भी कभी-कभी जो केवल कान से सुन भर लेते हैं, उनकी ओर उनका मनोयोग न होता। केवल यही कह कर कि 'परोपकार करो', 'दूसरों पर दया करो', 'चोरी करना महापाप है', हमें यह आशा कदापि न कर चाहिए कि कोई अपकारी उपकारी, कोई क्रूर दयावान् या कोई चोर साधु हो जाएगा।

नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन (I) : कविता का अंतिम लक्ष्य मनोरंजन है।

कथन (II) : मनोरंजन वह शक्ति है जिससे कविता अपना प्रभाव जमाने के लिए मनुष्य के चित्तवृत्ति को स्थिर किए रहती है। उपर्युक्त कथनों के आलोक में नीचे दिए गए विकल्पों में से **सबसे उपयुक्त** उत्तर का चयन कीजिए।

- (1) **कथन I और कथन II दोनों सही हैं।**
- (2) **कथन I और कथन II दोनों गलत हैं।**
- (3) **कथन I सही है, परन्तु कथन II गलत है।**
- (4) **कथन I गलत है, परन्तु कथन II सही है।**

निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रायः सुनने में आता है कि कविता का उद्देश्य मनोरंजन है। पर जैसा कि हम पहले कह आये हैं, कविता का अंतिम लक्ष्य जग के मार्मिक पक्षों का प्रत्यक्षीकरण करके उनके साथ मनुष्य-हृदय का सामंजस्य-स्थापन है। इतने गंभीर उद्देश्य के स्थान पर केवल मनोरंजन का हल्का उद्देश्य सामने रखकर जो कविता का पठन-पाठन या विचार करते हैं, वे रास्ते ही में रह जानेवा पथिक के समान हैं। कविता पढ़ते समय मनोरंजन अवश्य होता है, पर उसके उपरांत कुछ और भी होता है और वही सब कुछ है। मनोरंजन वह शक्ति है जिससे कविता अपना प्रभाव जमाने के लिए मनुष्य की चित्तवृत्ति को स्थिर किये रहती है, इधर-उधर जाने नहीं देती। अच्छी से अच्छी बात को भी कभी-कभी जो केवल कान से सुन भर लेते हैं, उनकी ओर उनका मनोयोग न होता। केवल यही कह कर कि 'परोपकार करो', 'दूसरों पर दया करो', 'चोरी करना महापाप है', हमें यह आशा कदापि न कर चाहिए कि कोई अपकारी उपकारी, कोई क्रूर दयावान् या कोई चोर साधु हो जाएगा।

नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन (I) : कविता का अंतिम लक्ष्य मनोरंजन है।

कथन (II) : मनोरंजन वह शक्ति है जिससे कविता अपना प्रभाव जमाने के लिए मनुष्य के चित्तवृत्ति को स्थिर किए रहती है। उपर्युक्त कथनों के आलोक में नीचे दिए गए विकल्पों में से **सबसे उपयुक्त** उत्तर का चयन कीजिए।

- (1) **कथन I और कथन II दोनों सही हैं।**
- (2) **कथन I और कथन II दोनों गलत हैं।**
- (3) **कथन I सही है, परन्तु कथन II गलत है।**
- (4) **कथन I गलत है, परन्तु कथन II सही है।**

A1 : 1

1

A2 : 2

2
A3 : 3
3
A4 : 4
4

Objective Question

159 5159

निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रायः सुनने में आता है कि कविता का उद्देश्य मनोरंजन है। पर जैसा कि हम पहले कह आये हैं, कविता का अंतिम लक्ष्य जग के मार्मिक पक्षों का प्रत्यक्षीकरण करके उनके साथ मनुष्य-हृदय का सामंजस्य-स्थापन है। इतने गंभीर उद्देश्य के स्थान पर केवल मनोरंजन का हल्का उद्देश्य सामने रखकर जो कविता का पठन-पाठन या विचार करते हैं, वे रास्ते ही में रह जानेवा पथिक के समान हैं। कविता पढ़ते समय मनोरंजन अवश्य होता है, पर उसके उपरांत कुछ और भी होता है और वही सब कुछ है। मनोरंजन वह शक्ति है जिससे कविता अपना प्रभाव जमाने के लिए मनुष्य की चित्तवृत्ति को स्थिर किये रहती है, इधर-उधर जाने नहीं देती। अच्छी से अच्छी बात को भी कभी-कभी जो केवल कान से सुन भर लेते हैं, उनकी ओर उनका मनोयोग न होता। केवल यही कह कर कि 'परोपकार करो', 'दूसरों पर दया करो', 'चोरी करना महापाप है', हमें यह आशा कदापि न कर चाहिए कि कोई अपकारी उपकारी, कोई क्रूर दयावान् या कोई चोर साधु हो जाएगा।

गद्यांश में प्रयुक्त 'प्रत्यक्ष' शब्द का विलोम है :

- (1) समकक्ष
- (2) विपक्ष
- (3) परोक्ष
- (4) समक्ष

निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रायः सुनने में आता है कि कविता का उद्देश्य मनोरंजन है। पर जैसा कि हम पहले कह आये हैं, कविता का अंतिम लक्ष्य जग के मार्मिक पक्षों का प्रत्यक्षीकरण करके उनके साथ मनुष्य-हृदय का सामंजस्य-स्थापन है। इतने गंभीर उद्देश्य के स्थान पर केवल मनोरंजन का हल्का उद्देश्य सामने रखकर जो कविता का पठन-पाठन या विचार करते हैं, वे रास्ते ही में रह जानेवा पथिक के समान हैं। कविता पढ़ते समय मनोरंजन अवश्य होता है, पर उसके उपरांत कुछ और भी होता है और वही सब कुछ है। मनोरंजन वह शक्ति है जिससे कविता अपना प्रभाव जमाने के लिए मनुष्य की चित्तवृत्ति को स्थिर किये रहती है, इधर-उधर जाने नहीं देती। अच्छी से अच्छी बात को भी कभी-कभी जो केवल कान से सुन भर लेते हैं, उनकी ओर उनका मनोयोग न होता। केवल यही कह कर कि 'परोपकार करो', 'दूसरों पर दया करो', 'चोरी करना महापाप है', हमें यह आशा कदापि न कर चाहिए कि कोई अपकारी उपकारी, कोई क्रूर दयावान् या कोई चोर साधु हो जाएगा।

गद्यांश में प्रयुक्त 'प्रत्यक्ष' शब्द का विलोम है :

- (1) समकक्ष
- (2) विपक्ष
- (3) परोक्ष
- (4) समक्ष

A1 : 1
1
A2 : 2
2
A3 : 3
3
A4 : 4

निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रायः सुनने में आता है कि कविता का उद्देश्य मनोरंजन है। पर जैसा कि हम पहले कह आये हैं, कविता का अंतिम लक्ष्य जग के मार्मिक पक्षों का प्रत्यक्षीकरण करके उनके साथ मनुष्य-हृदय का सामंजस्य-स्थापन है। इतने गंभीर उद्देश्य के स्थान पर केवल मनोरंजन का हल्का उद्देश्य सामने रखकर जो कविता का पठन-पाठन या विचार करते हैं, वे रास्ते ही में रह जानेवा पथिक के समान हैं। कविता पढ़ते समय मनोरंजन अवश्य होता है, पर उसके उपरांत कुछ और भी होता है और वही सब कुछ है। मनोरंजन वह शक्ति है जिससे कविता अपना प्रभाव जमाने के लिए मनुष्य की चित्तवृत्ति को स्थिर किये रहती है, इधर-उधर जाने नहीं देती। अच्छी से अच्छी बात को भी कभी-कभी जो केवल कान से सुन भर लेते हैं, उनकी ओर उनका मनोयोग न होता। केवल यही कह कर कि 'परोपकार करो', 'दूसरों पर दया करो', 'चोरी करना महापाप है', हमें यह आशा कदापि न कर चाहिए कि कोई अपकारी उपकारी, कोई क्रूर दयावान् या कोई चोर साधु हो जाएगा।

गद्यांश में प्रयुक्त 'परोपकार' शब्द का उपयुक्त संधि-विच्छेद है :

- (1) परो+उपकार
- (2) पर+ओपकार
- (3) परः+उपकार
- (4) पर+उपकार

निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रायः सुनने में आता है कि कविता का उद्देश्य मनोरंजन है। पर जैसा कि हम पहले कह आये हैं, कविता का अंतिम लक्ष्य जग के मार्मिक पक्षों का प्रत्यक्षीकरण करके उनके साथ मनुष्य-हृदय का सामंजस्य-स्थापन है। इतने गंभीर उद्देश्य के स्थान पर केवल मनोरंजन का हल्का उद्देश्य सामने रखकर जो कविता का पठन-पाठन या विचार करते हैं, वे रास्ते ही में रह जानेवा पथिक के समान हैं। कविता पढ़ते समय मनोरंजन अवश्य होता है, पर उसके उपरांत कुछ और भी होता है और वही सब कुछ है। मनोरंजन वह शक्ति है जिससे कविता अपना प्रभाव जमाने के लिए मनुष्य की चित्तवृत्ति को स्थिर किये रहती है, इधर-उधर जाने नहीं देती। अच्छी से अच्छी बात को भी कभी-कभी जो केवल कान से सुन भर लेते हैं, उनकी ओर उनका मनोयोग न होता। केवल यही कह कर कि 'परोपकार करो', 'दूसरों पर दया करो', 'चोरी करना महापाप है', हमें यह आशा कदापि न कर चाहिए कि कोई अपकारी उपकारी, कोई क्रूर दयावान् या कोई चोर साधु हो जाएगा।

गद्यांश में प्रयुक्त 'परोपकार' शब्द का उपयुक्त संधि-विच्छेद है :

- (1) परो+उपकार
- (2) पर+ओपकार
- (3) परः+उपकार
- (4) पर+उपकार

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रायः सुनने में आता है कि कविता का उद्देश्य मनोरंजन है। पर जैसा कि हम पहले कह आये हैं, कविता का अंतिम लक्ष्य जग के मार्मिक पक्षों का प्रत्यक्षीकरण करके उनके साथ मनुष्य-हृदय का सामंजस्य-स्थापन है। इतने गंभीर उद्देश्य के स्थान पर केवल मनोरंजन का हल्का उद्देश्य सामने रखकर जो कविता का पठन-पाठन या विचार करते हैं, वे रास्ते ही में रह जानेवा पथिक के समान हैं। कविता पढ़ते समय मनोरंजन अवश्य होता है, पर उसके उपरांत कुछ और भी होता है और वही सब कुछ है। मनोरंजन वह शक्ति है जिससे कविता अपना प्रभाव जमाने के लिए मनुष्य की चित्तवृत्ति को स्थिर किये रहती है, इधर-उधर जाने नहीं देती। अच्छी से अच्छी बात को भी कभी-कभी जो केवल कान से सुन भर लेते हैं, उनकी ओर उनका मनोयोग न होता। केवल यही कह कर कि 'परोपकार करो', 'दूसरों पर दया करो', 'चोरी करना महापाप है', हमें यह आशा कदापि न कर चाहिए कि कोई अपकारी उपकारी, कोई क्रूर दयावान् या कोई चोर साधु हो जाएगा।

'प्रायः सुनने में आता है कि कविता का उद्देश्य मनोरंजन है' गद्यांश में प्रयुक्त यह वाक्य किस प्रकार का है?

- (1) निषेधवाचक
- (2) विधिवाचक
- (3) आज्ञावाचक
- (4) प्रश्नवाचक

निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रायः सुनने में आता है कि कविता का उद्देश्य मनोरंजन है। पर जैसा कि हम पहले कह आये हैं, कविता का अंतिम लक्ष्य जग के मार्मिक पक्षों का प्रत्यक्षीकरण करके उनके साथ मनुष्य-हृदय का सामंजस्य-स्थापन है। इतने गंभीर उद्देश्य के स्थान पर केवल मनोरंजन का हल्का उद्देश्य सामने रखकर जो कविता का पठन-पाठन या विचार करते हैं, वे रास्ते ही में रह जानेवा पथिक के समान हैं। कविता पढ़ते समय मनोरंजन अवश्य होता है, पर उसके उपरांत कुछ और भी होता है और वही सब कुछ है। मनोरंजन वह शक्ति है जिससे कविता अपना प्रभाव जमाने के लिए मनुष्य की चित्तवृत्ति को स्थिर किये रहती है, इधर-उधर जाने नहीं देती। अच्छी से अच्छी बात को भी कभी-कभी जो केवल कान से सुन भर लेते हैं, उनकी ओर उनका मनोयोग न होता। केवल यही कह कर कि 'परोपकार करो', 'दूसरों पर दया करो', 'चोरी करना महापाप है', हमें यह आशा कदापि न कर चाहिए कि कोई अपकारी उपकारी, कोई क्रूर दयावान् या कोई चोर साधु हो जाएगा।

'प्रायः सुनने में आता है कि कविता का उद्देश्य मनोरंजन है' गद्यांश में प्रयुक्त यह वाक्य किस प्रकार का है?

- (1) निषेधवाचक
- (2) विधिवाचक
- (3) आज्ञावाचक
- (4) प्रश्नवाचक

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

162 5162

निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रायः सुनने में आता है कि कविता का उद्देश्य मनोरंजन है। पर जैसा कि हम पहले कह आये हैं, कविता का अंतिम लक्ष्य जग के मार्मिक पक्षों का प्रत्यक्षीकरण करके उनके साथ मनुष्य-हृदय का सामंजस्य-स्थापन है। इतने गंभीर उद्देश्य के स्थान पर केवल मनोरंजन का हल्का उद्देश्य सामने रखकर जो कविता का पठन-पाठन या विचार करते हैं, वे रास्ते ही में रह जानेवा पथिक के समान हैं। कविता पढ़ते समय मनोरंजन अवश्य होता है, पर उसके उपरांत कुछ और भी होता है और वही सब कुछ है। मनोरंजन वह शक्ति है जिससे कविता अपना प्रभाव जमाने के लिए मनुष्य की चित्तवृत्ति को स्थिर किये रहती है, इधर-उधर जाने नहीं देती। अच्छी से अच्छी बात को भी कभी-कभी जो केवल कान से सुन भर लेते हैं, उनकी ओर उनका मनोयोग न होता। केवल यही कह कर कि 'परोपकार करो', 'दूसरों पर दया करो', 'चोरी करना महापाप है', हमें यह आशा कदापि न कर चाहिए कि कोई अपकारी उपकारी, कोई क्रूर दयावान् या कोई चोर साधु हो जाएगा।

गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित वाक्यांश का क्रम ठीक कीजिए।

- (A) कोई चोर साधु हो जाएगा
- (B) 'दूसरों पर दया करें, चोरी करना महापाप है',
- (C) केवल यही कहकर कि 'परोपकार करो',
- (D) कोई अपकारी उपकारी, कोई क्रूर दयावान्, या
- (E) हमें यह आशा कदापि न करनी चाहिए कि

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए।

- (1) (C), (B), (E), (D), (A)
- (2) (E), (D), (A), (B), (C)
- (3) (B), (C), (D), (A), (E)
- (4) (C), (D), (B), (A), (E)

निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रायः सुनने में आता है कि कविता का उद्देश्य मनोरंजन है। पर जैसा कि हम पहले कह आये हैं, कविता का अंतिम लक्ष्य जग के मार्मिक पक्षों का प्रत्यक्षीकरण करके उनके साथ मनुष्य-हृदय का सामंजस्य-स्थापन है। इतने गंभीर उद्देश्य के स्थान पर केवल मनोरंजन का हल्का उद्देश्य सामने रखकर जो कविता का पठन-पाठन या विचार करते हैं, वे रास्ते ही में रह जानेवा पथिक के समान हैं। कविता पढ़ते समय मनोरंजन अवश्य होता है, पर उसके उपरांत कुछ और भी होता है और वही सब कुछ है। मनोरंजन वह शक्ति है जिससे कविता अपना प्रभाव जमाने के लिए मनुष्य की चित्तवृत्ति को स्थिर किये रहती है, इधर-उधर जाने नहीं देती। अच्छी से अच्छी बात को भी कभी-कभी जो केवल कान से सुन भर लेते हैं, उनकी ओर उनका मनोयोग न होता। केवल यही कह कर कि 'परोपकार करो', 'दूसरों पर दया करो', 'चोरी करना महापाप है', हमें यह आशा कदापि न कर चाहिए कि कोई अपकारी उपकारी, कोई क्रूर दयावान् या कोई चोर साधु हो जाएगा।

गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित वाक्यांश का क्रम ठीक कीजिए।

- (A) कोई चोर साधु हो जाएगा
- (B) 'दूसरों पर दया करें, चोरी करना महापाप है',
- (C) केवल यही कहकर कि 'परोपकार करो',
- (D) कोई अपकारी उपकारी, कोई क्रूर दयावान्, या
- (E) हमें यह आशा कदापि न करनी चाहिए कि

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए।

- (1) (C), (B), (E), (D), (A)
- (2) (E), (D), (A), (B), (C)
- (3) (B), (C), (D), (A), (E)
- (4) (C), (D), (B), (A), (E)

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

163 5163

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

गहने ही स्त्री की सम्पत्ति होते हैं। पति की और किसी सम्पत्ति पर उसका अधिकार नहीं होता। इन्हीं का उसे बल और गौरव होता है। निर्मला के पास पाँच-छः हजार के गहने थे। जब उन्हें पहनकर वह निकलती थी, तो उतनी देर के लिए उल्लास से उसका हृदय खिला रहता था। एक-एक गहना मानो विपत्ति और बाधा से बचाने के लिए एक-एक रक्षास्त्र था। अभी र ही उसने सोचा था, जियाराम की लौंडी बनकर वह न रहेगी। ईश्वर न करे कि वह किसी के सामने हाथ फैलाए। इसी खेव वह अपनी नाव को भी पार देगी और अपनी बच्ची को भी किसी-न-किसी घाट पहुँचा देगी। उसे किस बात की चिन्ता है! उ तो कोई उससे न छीन लेगा। आज ये मेरे सिंगार हैं, कल को मेरे आधार हो जाएँगे। इस विचार से उसके हृदय को कित सान्त्वना मिली थी! वह सम्पत्ति आज उसके हाथ से निकल गई। अब वह निराधार थी। संसार में उसे कोई अवलम्ब, क सहारा न था। उसकी आशाओं का आधार जड़ से कट गया, वह फूट-फूटकर रोने लगी। ईश्वर! तुमसे इतना भी न देखा गया मुझ दुखिया को तुमने यों ही अपंग बना दिया था, अब आँखें भी फोड़ दीं। अब वह किसके सामने हाथ फैलाएगी, किसके द्व पर भीख मांगेगी। पसीने से उसकी देह भीग गई, रोते-रोते आँखें सूज गईं। निर्मला सिर नीचा किये रो रही थी। रुक्मिणी उ धीरज दिला रही थीं, लेकिन उसके आँसू न रुकते थे, शोक की ज्वाला कम न होती थी।

गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक क्या होगा?

- (1) गहने
- (2) स्त्री का लोभ
- (3) आभूषण : स्त्री का शृंगार और जीवनाधार
- (4) स्त्री-जीवन

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

गहने ही स्त्री की सम्पत्ति होते हैं। पति की और किसी सम्पत्ति पर उसका अधिकार नहीं होता। इन्हीं का उसे बल और गौरव होता है। निर्मला के पास पाँच-छः हजार के गहने थे। जब उन्हें पहनकर वह निकलती थी, तो उतनी देर के लिए उल्लास से उसका हृदय खिला रहता था। एक-एक गहना मानो विपत्ति और बाधा से बचाने के लिए एक-एक रक्षास्त्र था। अभी र ही उसने सोचा था, जियाराम की लौंडी बनकर वह न रहेगी। ईश्वर न करे कि वह किसी के सामने हाथ फैलाए। इसी खेव वह अपनी नाव को भी पार देगी और अपनी बच्ची को भी किसी-न-किसी घाट पहुँचा देगी। उसे किस बात की चिन्ता है! उ तो कोई उससे न छीन लेगा। आज ये मेरे सिंगार हैं, कल को मेरे आधार हो जाएँगे। इस विचार से उसके हृदय को कित सान्त्वना मिली थी! वह सम्पत्ति आज उसके हाथ से निकल गई। अब वह निराधार थी। संसार में उसे कोई अवलम्ब, क सहारा न था। उसकी आशाओं का आधार जड़ से कट गया, वह फूट-फूटकर रोने लगी। ईश्वर! तुमसे इतना भी न देखा गया मुझ दुखिया को तुमने यों ही अपंग बना दिया था, अब आँखें भी फोड़ दीं। अब वह किसके सामने हाथ फैलाएगी, किसके द्व पर भीख मांगेगी। पसीने से उसकी देह भीग गई, रोते-रोते आँखें सूज गईं। निर्मला सिर नीचा किये रो रही थी। रुक्मिणी उ धीरज दिला रही थीं, लेकिन उसके आँसू न रुकते थे, शोक की ज्वाला कम न होती थी।

गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक क्या होगा?

- (1) गहने
- (2) स्त्री का लोभ
- (3) आभूषण : स्त्री का शृंगार और जीवनाधार
- (4) स्त्री-जीवन

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

164 5164

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

गहने ही स्त्री की सम्पत्ति होते हैं। पति की और किसी सम्पत्ति पर उसका अधिकार नहीं होता। इन्हीं का उसे बल अंगौरव होता है। निर्मला के पास पाँच-छः हजार के गहने थे। जब उन्हें पहनकर वह निकलती थी, तो उतनी देर के लिए उल्ला से उसका हृदय खिला रहता था। एक-एक गहना मानो विपत्ति और बाधा से बचाने के लिए एक-एक रक्षास्त्र था। अभी र ही उसने सोचा था, जियाराम की लौंडी बनकर वह न रहेगी। ईश्वर न करे कि वह किसी के सामने हाथ फैलाए। इसी खेवे वह अपनी नाव को भी पार देगी और अपनी बच्ची को भी किसी-न-किसी घाट पहुँचा देगी। उसे किस बात की चिन्ता है! उ तो कोई उससे न छीन लेगा। आज ये मेरे सिंगार हैं, कल को मेरे आधार हो जाएँगे। इस विचार से उसके हृदय को कित सान्त्वना मिली थी! वह सम्पत्ति आज उसके हाथ से निकल गई। अब वह निराधार थी। संसार में उसे कोई अवलम्ब, क संहारा न था। उसकी आशाओं का आधार जड़ से कट गया, वह फूट-फूटकर रोने लगी। ईश्वर! तुमसे इतना भी न देखा गया मुझ दुखिया को तुमने यों ही अपंग बना दिया था, अब आँखें भी फोड़ दीं। अब वह किसके सामने हाथ फैलाएगी, किसके द्व पर भीख मांगेगी। पसीने से उसकी देह भीग गई, रोते-रोते आँखें सूज गईं। निर्मला सिर नीचा किये रो रही थी। रुक्मिणी उ धीरज दिला रही थीं, लेकिन उसके आँसू न रुकते थे, शोक की ज्वाला कम न होती थी।

‘आज ये मेरे सिंगार हैं, कल को मेरे आधार हो जाएँगे’ इस वाक्य का आशय गद्यांश के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

- (1) आभूषण वर्तमान में स्त्री के रूप-सौंदर्य को बढ़ाते हैं और भविष्य में वे उसकी आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं।
- (2) गहने स्त्री-जीवन की परम कमजोरी हैं।
- (3) गहने सिंगार के आधार हैं।
- (4) ‘सिंगार’ और ‘आधार’ एक ही सिक्के के दो पहलू हैं।

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

गहने ही स्त्री की सम्पत्ति होते हैं। पति की और किसी सम्पत्ति पर उसका अधिकार नहीं होता। इन्हीं का उसे बल अंगौरव होता है। निर्मला के पास पाँच-छः हजार के गहने थे। जब उन्हें पहनकर वह निकलती थी, तो उतनी देर के लिए उल्ला से उसका हृदय खिला रहता था। एक-एक गहना मानो विपत्ति और बाधा से बचाने के लिए एक-एक रक्षास्त्र था। अभी र ही उसने सोचा था, जियाराम की लौंडी बनकर वह न रहेगी। ईश्वर न करे कि वह किसी के सामने हाथ फैलाए। इसी खेवे वह अपनी नाव को भी पार देगी और अपनी बच्ची को भी किसी-न-किसी घाट पहुँचा देगी। उसे किस बात की चिन्ता है! उ तो कोई उससे न छीन लेगा। आज ये मेरे सिंगार हैं, कल को मेरे आधार हो जाएँगे। इस विचार से उसके हृदय को कित सान्त्वना मिली थी! वह सम्पत्ति आज उसके हाथ से निकल गई। अब वह निराधार थी। संसार में उसे कोई अवलम्ब, क संहारा न था। उसकी आशाओं का आधार जड़ से कट गया, वह फूट-फूटकर रोने लगी। ईश्वर! तुमसे इतना भी न देखा गया मुझ दुखिया को तुमने यों ही अपंग बना दिया था, अब आँखें भी फोड़ दीं। अब वह किसके सामने हाथ फैलाएगी, किसके द्व पर भीख मांगेगी। पसीने से उसकी देह भीग गई, रोते-रोते आँखें सूज गईं। निर्मला सिर नीचा किये रो रही थी। रुक्मिणी उ धीरज दिला रही थीं, लेकिन उसके आँसू न रुकते थे, शोक की ज्वाला कम न होती थी।

‘आज ये मेरे सिंगार हैं, कल को मेरे आधार हो जाएँगे’ इस वाक्य का आशय गद्यांश के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

- (1) आभूषण वर्तमान में स्त्री के रूप-सौंदर्य को बढ़ाते हैं और भविष्य में वे उसकी आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं।
- (2) गहने स्त्री-जीवन की परम कमजोरी हैं।
- (3) गहने सिंगार के आधार हैं।
- (4) ‘सिंगार’ और ‘आधार’ एक ही सिक्के के दो पहलू हैं।

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

165 5165

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

गहने ही स्त्री की सम्पत्ति होते हैं। पति की और किसी सम्पत्ति पर उसका अधिकार नहीं होता। इन्हीं का उसे बल और गौरव होता है। निर्मला के पास पाँच-छः हजार के गहने थे। जब उन्हें पहनकर वह निकलती थी, तो उतनी देर के लिए उल्ला से उसका हृदय खिला रहता था। एक-एक गहना मानो विपत्ति और बाधा से बचाने के लिए एक-एक रक्षास्त्र था। अभी र ही उसने सोचा था, जियाराम की लौंडी बनकर वह न रहेगी। ईश्वर न करे कि वह किसी के सामने हाथ फैलाए। इसी खेव वह अपनी नाव को भी पार देगी और अपनी बच्ची को भी किसी-न-किसी घाट पहुँचा देगी। उसे किस बात की चिन्ता है! उ तो कोई उससे न छीन लेगा। आज ये मेरे सिंगार हैं, कल को मेरे आधार हो जाएँगे। इस विचार से उसके हृदय को कित सान्त्वना मिली थी! वह सम्पत्ति आज उसके हाथ से निकल गई। अब वह निराधार थी। संसार में उसे कोई अवलम्ब, क सहारा न था। उसकी आशाओं का आधार जड़ से कट गया, वह फूट-फूटकर रोने लगी। ईश्वर! तुमसे इतना भी न देखा गया मुझ दुखिया को तुमने यों ही अपंग बना दिया था, अब आँखें भी फोड़ दीं। अब वह किसके सामने हाथ फैलाएगी, किसके द्व पर भीख मांगेगी। पसीने से उसकी देह भीग गई, रोते-रोते आँखें सूज गईं। निर्मला सिर नीचा किये रो रही थी। रुक्मिणी उ धीरज दिला रही थीं, लेकिन उसके आँसू न रुकते थे, शोक की ज्वाला कम न होती थी।

निम्नलिखित में 'उल्लास' का विपरीतार्थक शब्द है -

- (1) निराशा
- (2) शोक
- (3) पीड़ा
- (4) अनुल्लास

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

गहने ही स्त्री की सम्पत्ति होते हैं। पति की और किसी सम्पत्ति पर उसका अधिकार नहीं होता। इन्हीं का उसे बल और गौरव होता है। निर्मला के पास पाँच-छः हजार के गहने थे। जब उन्हें पहनकर वह निकलती थी, तो उतनी देर के लिए उल्लास से उसका हृदय खिला रहता था। एक-एक गहना मानो विपत्ति और बाधा से बचाने के लिए एक-एक रक्षास्त्र था। अभी र ही उसने सोचा था, जियाराम की लौंडी बनकर वह न रहेगी। ईश्वर न करे कि वह किसी के सामने हाथ फैलाए। इसी खेव वह अपनी नाव को भी पार देगी और अपनी बच्ची को भी किसी-न-किसी घाट पहुँचा देगी। उसे किस बात की चिन्ता है! उ तो कोई उससे न छीन लेगा। आज ये मेरे सिंगार हैं, कल को मेरे आधार हो जाएँगे। इस विचार से उसके हृदय को कित सात्वना मिली थी! वह सम्पत्ति आज उसके हाथ से निकल गई। अब वह निराधार थी। संसार में उसे कोई अवलम्ब, क सहरा न था। उसकी आशाओं का आधार जड़ से कट गया, वह फूट-फूटकर रोने लगी। ईश्वर! तुमसे इतना भी न देखा गया मुझ दुखिया को तुमने यों ही अपंग बना दिया था, अब आँखें भी फोड़ दीं। अब वह किसके सामने हाथ फैलाएगी, किसके द्व पर भीख मांगेगी। पसीने से उसकी देह भीग गई, रोते-रोते आँखें सूज गईं। निर्मला सिर नीचा किये रो रही थी। रुक्मिणी उ धीरज दिला रही थीं, लेकिन उसके आँसू न रुकते थे, शोक की ज्वाला कम न होती थी।

निम्नलिखित में 'उल्लास' का विपरीतार्थक शब्द है -

- (1) निराशा
- (2) शोक
- (3) पीड़ा
- (4) अनुल्लास

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

166 5166

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

गहने ही स्त्री की सम्पत्ति होते हैं। पति की और किसी सम्पत्ति पर उसका अधिकार नहीं होता। इन्हीं का उसे बल और गौरव होता है। निर्मला के पास पाँच-छः हजार के गहने थे। जब उन्हें पहनकर वह निकलती थी, तो उतनी देर के लिए उल्लास से उसका हृदय खिला रहता था। एक-एक गहना मानो विपत्ति और बाधा से बचाने के लिए एक-एक रक्षास्त्र था। अभी र ही उसने सोचा था, जियाराम की लौंडी बनकर वह न रहेगी। ईश्वर न करे कि वह किसी के सामने हाथ फैलाए। इसी खेव वह अपनी नाव को भी पार देगी और अपनी बच्ची को भी किसी-न-किसी घाट पहुँचा देगी। उसे किस बात की चिन्ता है! उ तो कोई उससे न छीन लेगा। आज ये मेरे सिंगार हैं, कल को मेरे आधार हो जाएँगे। इस विचार से उसके हृदय को कित सान्त्वना मिली थी! वह सम्पत्ति आज उसके हाथ से निकल गई। अब वह निराधार थी। संसार में उसे कोई अवलम्ब, क सहारा न था। उसकी आशाओं का आधार जड़ से कट गया, वह फूट-फूटकर रोने लगी। ईश्वर! तुमसे इतना भी न देखा गया मुझ दुखिया को तुमने यों ही अपंग बना दिया था, अब आँखें भी फोड़ दीं। अब वह किसके सामने हाथ फैलाएगी, किसके द्व पर भीख मांगेगी। पसीने से उसकी देह भीग गई, रोते-रोते आँखें सूज गईं। निर्मला सिर नीचा किये रो रही थी। रुक्मिणी उ धीरज दिला रही थीं, लेकिन उसके आँसू न रुकते थे, शोक की ज्वाला कम न होती थी।

निम्नलिखित शब्द-विलोम का कौन-सा युग्म असंगत है?

- (1) आशा - निराशा
- (2) आधार - निराधार
- (3) अवलम्ब - आश्रय
- (4) सहारा - बेसहारा

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

गहने ही स्त्री की सम्पत्ति होते हैं। पति की और किसी सम्पत्ति पर उसका अधिकार नहीं होता। इन्हीं का उसे बल और गौरव होता है। निर्मला के पास पाँच-छः हजार के गहने थे। जब उन्हें पहनकर वह निकलती थी, तो उतनी देर के लिए उल्लास से उसका हृदय खिला रहता था। एक-एक गहना मानो विपत्ति और बाधा से बचाने के लिए एक-एक रक्षास्त्र था। अभी र ही उसने सोचा था, जियाराम की लौंडी बनकर वह न रहेगी। ईश्वर न करे कि वह किसी के सामने हाथ फैलाए। इसी खेव वह अपनी नाव को भी पार देगी और अपनी बच्ची को भी किसी-न-किसी घाट पहुँचा देगी। उसे किस बात की चिन्ता है! उ तो कोई उससे न छीन लेगा। आज ये मेरे सिंगार हैं, कल को मेरे आधार हो जाएँगे। इस विचार से उसके हृदय को कित सान्त्वना मिली थी! वह सम्पत्ति आज उसके हाथ से निकल गई। अब वह निराधार थी। संसार में उसे कोई अवलम्ब, क सहारा न था। उसकी आशाओं का आधार जड़ से कट गया, वह फूट-फूटकर रोने लगी। ईश्वर! तुमसे इतना भी न देखा गया मुझ दुखिया को तुमने यों ही अपंग बना दिया था, अब आँखें भी फोड़ दीं। अब वह किसके सामने हाथ फैलाएगी, किसके द्व पर भीख मांगेगी। पसीने से उसकी देह भीग गई, रोते-रोते आँखें सूज गईं। निर्मला सिर नीचा किये रो रही थी। रुक्मिणी उ धीरज दिला रही थीं, लेकिन उसके आँसू न रुकते थे, शोक की ज्वाला कम न होती थी।

निम्नलिखित शब्द-विलोम का कौन-सा युग्म असंगत है?

- (1) आशा - निराशा
- (2) आधार - निराधार
- (3) अवलम्ब - आश्रय
- (4) सहारा - बेसहारा

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

गहने ही स्त्री की सम्पत्ति होते हैं। पति की और किसी सम्पत्ति पर उसका अधिकार नहीं होता। इन्हीं का उसे बल और गौरव होता है। निर्मला के पास पाँच-छः हजार के गहने थे। जब उन्हें पहनकर वह निकलती थी, तो उतनी देर के लिए उल्लासे उसका हृदय खिला रहता था। एक-एक गहना मानो विपत्ति और बाधा से बचाने के लिए एक-एक रक्षास्त्र था। अभी र ही उसने सोचा था, जियाराम की लौंडी बनकर वह न रहेगी। ईश्वर न करे कि वह किसी के सामने हाथ फैलाए। इसी खेवे वह अपनी नाव को भी पार देगी और अपनी बच्ची को भी किसी-न-किसी घाट पहुँचा देगी। उसे किस बात की चिन्ता है! उ तो कोई उससे न छीन लेगा। आज ये मेरे सिंगार हैं, कल को मेरे आधार हो जाएँगे। इस विचार से उसके हृदय को कित सान्त्वना मिली थी! वह सम्पत्ति आज उसके हाथ से निकल गई। अब वह निराधार थी। संसार में उसे कोई अवलम्ब, के सहारा न था। उसकी आशाओं का आधार जड़ से कट गया, वह फूट-फूटकर रोने लगी। ईश्वर! तुमसे इतना भी न देखा गया मुझ दुखिया को तुमने यों ही अपंग बना दिया था, अब आँखें भी फोड़ दीं। अब वह किसके सामने हाथ फैलाएगी, किसके द्व पर भीख मांगेगी। पसीने से उसकी देह भीग गई, रोते-रोते आँखें सूज गईं। निर्मला सिर नीचा किये रो रही थी। रुक्मिणी उ धीरज दिला रही थीं, लेकिन उसके आँसू न रुकते थे, शोक की ज्वाला कम न होती थी।

निम्नलिखित में गद्यांश का उचित संक्षेपण है -

- (1) गहने स्त्री की संपत्ति होते हैं, जिन्हें खोकर वह बेसहारा हो जाती है।
- (2) पितृसत्तात्मक संरचना में गहने स्त्री की एकमात्र सम्पत्ति होते हैं। गहनों को पहनकर वह जितना उल्लसित महसूस कर है, उतना ही वह अपने भविष्य के प्रति आश्वस्त भी रहती है। लेकिन निर्मला के गहने किसी ने चुरा लिए हैं, जिसव वजह से वह निराधार हो गई। भविष्य की चिन्ता में उसकी आँखें लगातार आँसू बहा रही हैं।
- (3) गहनों के बिना स्त्री का जीवन निराधार है।
- (4) गहने स्त्री का सौंदर्य तो बढ़ाते हैं, उसे आर्थिक सुरक्षा भी देते हैं। इसीलिए गहनों को खोकर वह दुखी हो जाती है।

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

गहने ही स्त्री की सम्पत्ति होते हैं। पति की और किसी सम्पत्ति पर उसका अधिकार नहीं होता। इन्हीं का उसे बल और गौरव होता है। निर्मला के पास पाँच-छः हजार के गहने थे। जब उन्हें पहनकर वह निकलती थी, तो उतनी देर के लिए उल्लास से उसका हृदय खिला रहता था। एक-एक गहना मानो विपत्ति और बाधा से बचाने के लिए एक-एक रक्षास्त्र था। अभी र ही उसने सोचा था, जियाराम की लौंडी बनकर वह न रहेगी। ईश्वर न करे कि वह किसी के सामने हाथ फैलाए। इसी खेव वह अपनी नाव को भी पार देगी और अपनी बच्ची को भी किसी-न-किसी घाट पहुँचा देगी। उसे किस बात की चिन्ता है! उ तो कोई उससे न छीन लेगा। आज ये मेरे सिंगार हैं, कल को मेरे आधार हो जाएँगे। इस विचार से उसके हृदय को कित सात्वता मिली थी! वह सम्पत्ति आज उसके हाथ से निकल गई। अब वह निराधार थी। संसार में उसे कोई अवलम्ब, क सहाय न था। उसकी आशाओं का आधार जड़ से कट गया, वह फूट-फूटकर रौने लगी। ईश्वर! तुमसे इतना भी न देखा गया मुझ दुखिया को तुमने यों ही अपंग बना दिया था, अब आँखें भी फोड़ दीं। अब वह किसके सामने हाथ फैलाएगी, किसके द्व पर भीख माँगेगी। पसीने से उसकी देह भीग गई, रोते-रोते आँखें सूज गईं। निर्मला सिर नीचा किये रो रही थी। रुक्मिणी उ धीरज दिला रही थीं, लेकिन उसके आँसू न रुकते थे, शोक की ज्वाला कम न होती थी।

निम्नलिखित में गद्यांश का उचित संक्षेपण है -

- (1) गहने स्त्री की संपत्ति होते हैं, जिन्हें खोकर वह बेसहारा हो जाती है।
- (2) पितृसत्तात्मक संरचना में गहने स्त्री की एकमात्र सम्पत्ति होते हैं। गहनों को पहनकर वह जितना उल्लसित महसूस कर है, उतना ही वह अपने भविष्य के प्रति आश्वस्त भी रहती है। लेकिन निर्मला के गहने किसी ने चुरा लिए हैं, जिसव वजह से वह निराधार हो गई। भविष्य की चिन्ता में उसकी आँखें लगातार आँसू बहा रही हैं।
- (3) गहनों के बिना स्त्री का जीवन निराधार है।
- (4) गहने स्त्री का सौंदर्य तो बढ़ाते हैं, उसे आर्थिक सुरक्षा भी देते हैं। इसीलिए गहनों को खोकर वह दुखी हो जाती है।

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

168 5168

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

गहने ही स्त्री की सम्पत्ति होते हैं। पति की और किसी सम्पत्ति पर उसका अधिकार नहीं होता। इन्हीं का उसे बल और गौरव होता है। निर्मला के पास पाँच-छः हजार के गहने थे। जब उन्हें पहनकर वह निकलती थी, तो उतनी देर के लिए उल्लास से उसका हृदय खिला रहता था। एक-एक गहना मानो विपत्ति और बाधा से बचाने के लिए एक-एक रक्षास्त्र था। अभी र ही उसने सोचा था, जियाराम की लौंडी बनकर वह न रहेगी। ईश्वर न करे कि वह किसी के सामने हाथ फैलाए। इसी खेवे वह अपनी नाव को भी पार देगी और अपनी बच्ची को भी किसी-न-किसी घाट पहुँचा देगी। उसे किस बात की चिन्ता है! उ तो कोई उससे न छीन लेगा। आज ये मेरे सिंगार हैं, कल को मेरे आधार हो जाएँगे। इस विचार से उसके हृदय को कित सात्वता मिली थी! वह सम्पत्ति आज उसके हाथ से निकल गई। अब वह निराधार थी। संसार में उसे कोई अवलम्ब, क सहाय न था। उसकी आशाओं का आधार जड़ से कट गया, वह फूट-फूटकर रौने लगी। ईश्वर! तुमसे इतना भी न देखा गया मुझ दुखिया को तुमने यों ही अपंग बना दिया था, अब आँखें भी फोड़ दीं। अब वह किसके सामने हाथ फैलाएगी, किसके द्र पर भीख माँगेगी। पसीने से उसकी देह भीग गई, रोते-रोते आँखें सूज गईं। निर्मला सिर नीचा किये रो रही थी। रुक्मिणी उ धीरज दिला रही थीं, लेकिन उसके आँसू न रुकते थे, शोक की ज्वाला कम न होती थी।

गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित वाक्यों को क्रम में संयोजित कीजिए।

- (A) उसे किस बात की चिन्ता है!
- (B) उन्हें तो कोई उससे न छीन लेगा।
- (C) ईश्वर न करे वह किसी के सामने हाथ फैलाए
- (D) और अपनी बच्ची को भी किसी-न-किसी घाट पहुँचा देगी।
- (E) इसी खेवे से वह अपनी नाव को भी पार लगा देगी।

निम्नलिखित विकल्पों में से **सही** उत्तर का चयन कीजिए।

- (1) (E), (D), (C), (A), (B)
- (2) (A), (B), (C), (E), (D)
- (3) (C), (E), (D), (A), (B)
- (4) (D), (E), (B), (A), (C)

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

गहने ही स्त्री की सम्पत्ति होते हैं। पति की और किसी सम्पत्ति पर उसका अधिकार नहीं होता। इन्हीं का उसे बल और गौरव होता है। निर्मला के पास पाँच-छः हजार के गहने थे। जब उन्हें पहनकर वह निकलती थी, तो उतनी देर के लिए उल्लासे उसका हृदय खिला रहता था। एक-एक गहना मानो विपत्ति और बाधा से बचाने के लिए एक-एक रक्षास्त्र था। अभी रही उसने सोचा था, जियाराम की लौंडी बनकर वह न रहेगी। ईश्वर न करे कि वह किसी के सामने हाथ फैलाए। इसी खेवे वह अपनी नाव को भी पार देगी और अपनी बच्ची को भी किसी-न-किसी घाट पहुँचा देगी। उसे किस बात की चिन्ता है! उ तो कोई उससे न छीन लेगा। आज ये मेरे सिंगार हैं, कल को मेरे आधार हो जाएँगे। इस विचार से उसके हृदय को कितना सान्त्वना मिली थी! वह सम्पत्ति आज उसके हाथ से निकल गई। अब वह निराधार थी। संसार में उसे कोई अवलम्ब, कोई सहारा न था। उसकी आशाओं का आधार जड़ से कट गया, वह फूट-फूटकर रोने लगी। ईश्वर! तुमसे इतना भी न देखा गया मुझ दुखिया को तुमने यों ही अपंग बना दिया था, अब आँखें भी फोड़ दीं। अब वह किसके सामने हाथ फैलाएगी, किसके द्वार पर भीख मांगेगी। पसीने से उसकी देह भीग गई, रोते-रोते आँखें सूज गईं। निर्मला सिर नीचा किये रो रही थी। रुक्मिणी उ धीरज दिला रही थीं, लेकिन उसके आँसू न रुकते थे, शोक की ज्वाला कम न होती थी।

गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित वाक्यों को क्रम में संयोजित कीजिए।

- (A) उसे किस बात की चिन्ता है!
- (B) उन्हें तो कोई उससे न छीन लेगा।
- (C) ईश्वर न करे वह किसी के सामने हाथ फैलाए
- (D) और अपनी बच्ची को भी किसी-न-किसी घाट पहुँचा देगी।
- (E) इसी खेवे से वह अपनी नाव को भी पार लगा देगी।

निम्नलिखित विकल्पों में से **सही** उत्तर का चयन कीजिए।

- (1) (E), (D), (C), (A), (B)
- (2) (A), (B), (C), (E), (D)
- (3) (C), (E), (D), (A), (B)
- (4) (D), (E), (B), (A), (C)

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

169 5169

निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

ब्रिटिश शासन काल में कृषि का जो वाणिज्यीकरण हुआ, उसका भी किसान के जीवन पर बुरा प्रभाव पड़ा। अब उसे भारती एवं विश्व की मंडी के लिए फसल उगाना पड़ता था, और इसलिए वह व्यापार की निरंतर बदलती हुई गतिविधि का शिक हुआ। उसे अब अमरीका, यूरोप, आस्ट्रेलिया के विशाल कृषि व्यापार संघों जैसे विकट, दुर्जेय अंतराष्ट्रीय प्रतियोगियों से हो लेनी पड़ी। भूखे बैलों की जोड़ी और आदिम हल से वह अपना छोटा सा खेत जोतता था, और उसके प्रतिद्वंद्वी ट्रैक्टरों अ आधुनिक कृषि यंत्रों की सहायता से बड़े पैमाने पर खाद्य राशि उत्पन्न करते थे। वाणिज्यीकरण के कारण किसान धीर-ध (मध्यस्थ) व्यापारियों पर निर्भर होता गया और अपनी बेहतर माली हालत के कारण व्यापारियों ने किसान की गरीबी का पृ फायदा उठाया। गरीब किसान के पास कभी कोई संचित निधि नहीं रही। अब सहकारी लगान और महाजन के सूद में भुगत के लिए उसे फसल के वक्त ही अपनी उपज का अधिकांश मध्यस्थ को बेच देना पड़ता था। अगर वह इंतजार कर पाता तो उ अधिक पैसे आते, लेकिन उसे लाचारी में सौदा करना पड़ता था, इसलिए उसे बहुत कम पैसे मिल पाते थे। उसके मुनाफे व बहुत बड़ा भाग बिचवान या दलाल को चला जाता था।

गद्यांश में प्रयुक्त 'दुर्जेय' का अर्थ है :

- (1) जो जीता न जा सके
- (2) बुरी तरह जीतने वाला
- (3) जिसे जीतना कठिन हो
- (4) शक्तिविहीन जन

निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

ब्रिटिश शासन काल में कृषि का जो वाणिज्यीकरण हुआ, उसका भी किसान के जीवन पर बुरा प्रभाव पड़ा। अब उसे भारती एवं विश्व की मंडी के लिए फसल उगाना पड़ता था, और इसलिए वह व्यापार की निरंतर बदलती हुई गतिविधि का शिक हुआ। उसे अब अमरीका, यूरोप, आस्ट्रेलिया के विशाल कृषि व्यापार संघों जैसे विकट, दुर्जेय अंतराष्ट्रीय प्रतियोगियों से हो लेनी पड़ी। भूखे बैलों की जोड़ी और आदिम हल से वह अपना छोटा सा खेत जोतता था, और उसके प्रतिद्वंद्वी ट्रैक्टरों अ आधुनिक कृषि यंत्रों की सहायता से बड़े पैमाने पर खाद्य राशि उत्पन्न करते थे। वाणिज्यीकरण के कारण किसान धीर-ध (मध्यस्थ) व्यापारियों पर निर्भर होता गया और अपनी बेहतर माली हालत के कारण व्यापारियों ने किसान की गरीबी का पृ फायदा उठाया। गरीब किसान के पास कभी कोई संचित निधि नहीं रही। अब सहकारी लगान और महाजन के सूद में भुगत के लिए उसे फसल के वक्त ही अपनी उपज का अधिकांश मध्यस्थ को बेच देना पड़ता था। अगर वह इंतजार कर पाता तो उ अधिक पैसे आते, लेकिन उसे लाचारी में सौदा करना पड़ता था, इसलिए उसे बहुत कम पैसे मिल पाते थे। उसके मुनाफे व बहुत बड़ा भाग बिचवान या दलाल को चला जाता था।

गद्यांश में प्रयुक्त 'दुर्जेय' का अर्थ है :

- (1) जो जीता न जा सके
- (2) बुरी तरह जीतने वाला
- (3) जिसे जीतना कठिन हो
- (4) शक्तिविहीन जन

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

ब्रिटिश शासन काल में कृषि का जो वाणिज्यीकरण हुआ, उसका भी किसान के जीवन पर बुरा प्रभाव पड़ा। अब उसे भारती एवं विश्व की मंडी के लिए फसल उगाना पड़ता था, और इसलिए वह व्यापार की निरंतर बदलती हुई गतिविधि का शिक हुआ। उसे अब अमरीका, यूरोप, आस्ट्रेलिया के विशाल कृषि व्यापार संघों जैसे विकट, दुर्जेय अंतराष्ट्रीय प्रतियोगियों से हो लेनी पड़ी। भूखे बैलों की जोड़ी और आदिम हल से वह अपना छोटा सा खेत जोतता था, और उसके प्रतिद्वंद्वी ट्रैक्टरों अ आधुनिक कृषि यंत्रों की सहायता से बड़े पैमाने पर खाद्य राशि उत्पन्न करते थे। वाणिज्यीकरण के कारण किसान धीर-ध (मध्यस्थ) व्यापारियों पर निर्भर होता गया और अपनी बेहतर माली हालत के कारण व्यापारियों ने किसान की गरीबी का प फायदा उठाया। गरीब किसान के पास कभी कोई संचित निधि नहीं रही। अब सहकारी लगान और महाजन के सूद में भुगत के लिए उसे फसल के वक्त ही अपनी उपज का अधिकांश मध्यस्थ को बेच देना पड़ता था। अगर वह इंतजार कर पाता तो उ अधिक पैसे आते, लेकिन उसे लाचारी में सौदा करना पड़ता था, इसलिए उसे बहुत कम पैसे मिल पाते थे। उसके मुनाफे व बहुत बड़ा भाग बिचवान या दलाल को चला जाता था।

निम्नलिखित शब्दों में कौन-सा शब्द विदेशज नहीं है?

- (1) मुनाफा
- (2) सौदा
- (3) आदिम
- (4) लगान

निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

ब्रिटिश शासन काल में कृषि का जो वाणिज्यीकरण हुआ, उसका भी किसान के जीवन पर बुरा प्रभाव पड़ा। अब उसे भारती एवं विश्व की मंडी के लिए फसल उगाना पड़ता था, और इसलिए वह व्यापार की निरंतर बदलती हुई गतिविधि का शिक हुआ। उसे अब अमरीका, यूरोप, आस्ट्रेलिया के विशाल कृषि व्यापार संघों जैसे विकट, दुर्जेय अंतराष्ट्रीय प्रतियोगियों से हो लेनी पड़ी। भूखे बैलों की जोड़ी और आदिम हल से वह अपना छोटा सा खेत जोतता था, और उसके प्रतिद्वंद्वी ट्रैक्टरों अ आधुनिक कृषि यंत्रों की सहायता से बड़े पैमाने पर खाद्य राशि उत्पन्न करते थे। वाणिज्यीकरण के कारण किसान धीर-ध (मध्यस्थ) व्यापारियों पर निर्भर होता गया और अपनी बेहतर माली हालत के कारण व्यापारियों ने किसान की गरीबी का प फायदा उठाया। गरीब किसान के पास कभी कोई संचित निधि नहीं रही। अब सहकारी लगान और महाजन के सूद में भुगत के लिए उसे फसल के वक्त ही अपनी उपज का अधिकांश मध्यस्थ को बेच देना पड़ता था। अगर वह इंतजार कर पाता तो उ अधिक पैसे आते, लेकिन उसे लाचारी में सौदा करना पड़ता था, इसलिए उसे बहुत कम पैसे मिल पाते थे। उसके मुनाफे व बहुत बड़ा भाग बिचवान या दलाल को चला जाता था।

निम्नलिखित शब्दों में कौन-सा शब्द विदेशज नहीं है?

- (1) मुनाफा
- (2) सौदा
- (3) आदिम
- (4) लगान

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

ब्रिटिश शासन काल में कृषि का जो वाणिज्यीकरण हुआ, उसका भी किसान के जीवन पर बुरा प्रभाव पड़ा। अब उसे भारती एवं विश्व की मंडी के लिए फसल उगाना पड़ता था, और इसलिए वह व्यापार की निरंतर बदलती हुई गतिविधि का शिक हुआ। उसे अब अमरीका, यूरोप, आस्ट्रेलिया के विशाल कृषि व्यापार संघों जैसे विकट, दुर्जेय अंतराष्ट्रीय प्रतियोगियों से हो लेनी पड़ी। भूखे बैलों की जोड़ी और आदिम हल से वह अपना छोटा सा खेत जोतता था, और उसके प्रतिद्वंद्वी ट्रैक्टरों अ आधुनिक कृषि यंत्रों की सहायता से बड़े पैमाने पर खाद्य राशि उत्पन्न करते थे। वाणिज्यीकरण के कारण किसान धीर-ध (मध्यस्थ) व्यापारियों पर निर्भर होता गया और अपनी बेहतर माली हालत के कारण व्यापारियों ने किसान की गरीबी का प फायदा उठाया। गरीब किसान के पास कभी कोई संचित निधि नहीं रही। अब सहकारी लगान और महाजन के सूद में भुगत के लिए उसे फसल के वक्त ही अपनी उपज का अधिकांश मध्यस्थ को बेच देना पड़ता था। अगर वह इंतजार कर पाता तो उ अधिक पैसे आते, लेकिन उसे लाचारी में सौदा करना पड़ता था, इसलिए उसे बहुत कम पैसे मिल पाते थे। उसके मुनाफे व बहुत बड़ा भाग बिचवान या दलाल को चला जाता था।

गद्यांश में प्रयुक्त 'मध्यस्थ' के लिए प्रचलित अन्य शब्द हैं :

- (1) दलाल
- (2) प्रतिद्वंद्वी
- (3) महाजन
- (4) मंडी

निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

ब्रिटिश शासन काल में कृषि का जो वाणिज्यीकरण हुआ, उसका भी किसान के जीवन पर बुरा प्रभाव पड़ा। अब उसे भारती एवं विश्व की मंडी के लिए फसल उगाना पड़ता था, और इसलिए वह व्यापार की निरंतर बदलती हुई गतिविधि का शिक हुआ। उसे अब अमरीका, यूरोप, आस्ट्रेलिया के विशाल कृषि व्यापार संघों जैसे विकट, दुर्जेय अंतराष्ट्रीय प्रतियोगियों से हो लेनी पड़ी। भूखे बैलों की जोड़ी और आदिम हल से वह अपना छोटा सा खेत जोतता था, और उसके प्रतिद्वंद्वी ट्रैक्टरों अ आधुनिक कृषि यंत्रों की सहायता से बड़े पैमाने पर खाद्य राशि उत्पन्न करते थे। वाणिज्यीकरण के कारण किसान धीर-ध (मध्यस्थ) व्यापारियों पर निर्भर होता गया और अपनी बेहतर माली हालत के कारण व्यापारियों ने किसान की गरीबी का प फायदा उठाया। गरीब किसान के पास कभी कोई संचित निधि नहीं रही। अब सहकारी लगान और महाजन के सूद में भुगत के लिए उसे फसल के वक्त ही अपनी उपज का अधिकांश मध्यस्थ को बेच देना पड़ता था। अगर वह इंतजार कर पाता तो उ अधिक पैसे आते, लेकिन उसे लाचारी में सौदा करना पड़ता था, इसलिए उसे बहुत कम पैसे मिल पाते थे। उसके मुनाफे व बहुत बड़ा भाग बिचवान या दलाल को चला जाता था।

गद्यांश में प्रयुक्त 'मध्यस्थ' के लिए प्रचलित अन्य शब्द हैं :

- (1) दलाल
- (2) प्रतिद्वंद्वी
- (3) महाजन
- (4) मंडी

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

172 5172

निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

ब्रिटिश शासन काल में कृषि का जो वाणिज्यीकरण हुआ, उसका भी किसान के जीवन पर बुरा प्रभाव पड़ा। अब उसे भारती एवं विश्व की मंडी के लिए फसल उगाना पड़ता था, और इसलिए वह व्यापार की निरंतर बदलती हुई गतिविधि का शिक हुआ। उसे अब अमरीका, यूरोप, आस्ट्रेलिया के विशाल कृषि व्यापार संघों जैसे विकट, दुर्जेय अंतराष्ट्रीय प्रतियोगियों से हो लेनी पड़ी। भूखे बैलों की जोड़ी और आदिम हल से वह अपना छोटा सा खेत जोतता था, और उसके प्रतिद्वंद्वी ट्रैक्टरों अ आधुनिक कृषि यंत्रों की सहायता से बड़े पैमाने पर खाद्य राशि उत्पन्न करते थे। वाणिज्यीकरण के कारण किसान धीर-ध (मध्यस्थ) व्यापारियों पर निर्भर होता गया और अपनी बेहतर माली हालत के कारण व्यापारियों ने किसान की गरीबी का प फायदा उठाया। गरीब किसान के पास कभी कोई संचित निधि नहीं रही। अब सहकारी लगान और महाजन के सूद में भुगत के लिए उसे फसल के वक्त ही अपनी उपज का अधिकांश मध्यस्थ को बेच देना पड़ता था। अगर वह इंतजार कर पाता तो उ अधिक पैसे आते, लेकिन उसे लाचारी में सौदा करना पड़ता था, इसलिए उसे बहुत कम पैसे मिल पाते थे। उसके मुनाफे व बहुत बड़ा भाग बिचवान या दलाल को चला जाता था।

गद्यांश के आधार पर बताइए कि किसान के जीवन पर किसका बुरा प्रभाव पड़ा ?

- (1) उपज पर लगने वाला लगान
- (2) कृषि का वाणिज्यीकरण
- (3) भूखे बैलों की जोड़ी और आदिम हल
- (4) उपज का अधिकांश हिस्सा अलाभदायी

निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

ब्रिटिश शासन काल में कृषि का जो वाणिज्यीकरण हुआ, उसका भी किसान के जीवन पर बुरा प्रभाव पड़ा। अब उसे भारती एवं विश्व की मंडी के लिए फसल उगाना पड़ता था, और इसलिए वह व्यापार की निरंतर बदलती हुई गतिविधि का शिक हुआ। उसे अब अमरीका, यूरोप, आस्ट्रेलिया के विशाल कृषि व्यापार संघों जैसे विकट, दुर्जेय अंतराष्ट्रीय प्रतियोगियों से हो लेनी पड़ी। भूखे बैलों की जोड़ी और आदिम हल से वह अपना छोटा सा खेत जोतता था, और उसके प्रतिद्वंद्वी ट्रैक्टरों अ आधुनिक कृषि यंत्रों की सहायता से बड़े पैमाने पर खाद्य राशि उत्पन्न करते थे। वाणिज्यीकरण के कारण किसान धीर-ध (मध्यस्थ) व्यापारियों पर निर्भर होता गया और अपनी बेहतर माली हालत के कारण व्यापारियों ने किसान की गरीबी का प फायदा उठाया। गरीब किसान के पास कभी कोई संचित निधि नहीं रही। अब सहकारी लगान और महाजन के सूद में भुगत के लिए उसे फसल के वक्त ही अपनी उपज का अधिकांश मध्यस्थ को बेच देना पड़ता था। अगर वह इंतजार कर पाता तो उ अधिक पैसे आते, लेकिन उसे लाचारी में सौदा करना पड़ता था, इसलिए उसे बहुत कम पैसे मिल पाते थे। उसके मुनाफे व बहुत बड़ा भाग बिचवान या दलाल को चला जाता था।

गद्यांश के आधार पर बताइए कि किसान के जीवन पर किसका बुरा प्रभाव पड़ा ?

- (1) उपज पर लगने वाला लगान
- (2) कृषि का वाणिज्यीकरण
- (3) भूखे बैलों की जोड़ी और आदिम हल
- (4) उपज का अधिकांश हिस्सा अलाभदायी

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3
A4 : 4
4

Objective Question

173 5173

निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

ब्रिटिश शासन काल में कृषि का जो वाणिज्यीकरण हुआ, उसका भी किसान के जीवन पर बुरा प्रभाव पड़ा। अब उसे भारती एवं विश्व की मंडी के लिए फसल उगाना पड़ता था, और इसलिए वह व्यापार की निरंतर बदलती हुई गतिविधि का शिक हुआ। उसे अब अमरीका, यूरोप, आस्ट्रेलिया के विशाल कृषि व्यापार संघों जैसे विकट, दुर्जेय अंतराष्ट्रीय प्रतियोगियों से हो लेनी पड़ी। भूखे बैलों की जोड़ी और आदिम हल से वह अपना छोटा सा खेत जोतता था, और उसके प्रतिद्वंद्वी ट्रैक्टरों अ आधुनिक कृषि यंत्रों की सहायता से बड़े पैमाने पर खाद्य राशि उत्पन्न करते थे। वाणिज्यीकरण के कारण किसान धीरे-धीरे (मध्यस्थ) व्यापारियों पर निर्भर होता गया और अपनी बेहतर माली हालत के कारण व्यापारियों ने किसान की गरीबी का पू फायदा उठाया। गरीब किसान के पास कभी कोई संचित निधि नहीं रही। अब सहकारी लगान और महाजन के सूद में भुगत के लिए उसे फसल के वक्त ही अपनी उपज का अधिकांश मध्यस्थ को बेच देना पड़ता था। अगर वह इंतजार कर पाता तो उ अधिक पैसे आते, लेकिन उसे लाचारी में सौदा करना पड़ता था, इसलिए उसे बहुत कम पैसे मिल पाते थे। उसके मुनाफे व बहुत बड़ा भाग बिचवान या दलाल को चला जाता था।

नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन (I) : कृषि के वाणिज्यीकरण के कारण किसान धीरे-धीरे विशाल कृषि संघों पर निर्भर होता गया।

(II) : किसानों की बेहतर माली हालत के कारण व्यापारियों ने उसका पूरा फायदा उठाया।

उपर्युक्त कथनों के आलोक में नीचे दिए गए विकल्पों में से **सबसे उपयुक्त** उत्तर का चयन कीजिए।

- (1) **कथन I और कथन II दोनों सही हैं।**
- (2) **कथन I और कथन II दोनों गलत हैं।**
- (3) **कथन I सही है, परन्तु कथन II गलत है।**
- (4) **कथन I गलत है, परन्तु कथन II सही है।**

निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

ब्रिटिश शासन काल में कृषि का जो वाणिज्यीकरण हुआ, उसका भी किसान के जीवन पर बुरा प्रभाव पड़ा। अब उसे भारती एवं विश्व की मंडी के लिए फसल उगाना पड़ता था, और इसलिए वह व्यापार की निरंतर बदलती हुई गतिविधि का शिक हुआ। उसे अब अमरीका, यूरोप, आस्ट्रेलिया के विशाल कृषि व्यापार संघों जैसे विकट, दुर्जेय अंतराष्ट्रीय प्रतियोगियों से हो लेनी पड़ी। भूखे बैलों की जोड़ी और आदिम हल से वह अपना छोटा सा खेत जोतता था, और उसके प्रतिद्वंद्वी ट्रैक्टरों अ आधुनिक कृषि यंत्रों की सहायता से बड़े पैमाने पर खाद्य राशि उत्पन्न करते थे। वाणिज्यीकरण के कारण किसान धीरे-धीरे (मध्यस्थ) व्यापारियों पर निर्भर होता गया और अपनी बेहतर माली हालत के कारण व्यापारियों ने किसान की गरीबी का पू फायदा उठाया। गरीब किसान के पास कभी कोई संचित निधि नहीं रही। अब सहकारी लगान और महाजन के सूद में भुगत के लिए उसे फसल के वक्त ही अपनी उपज का अधिकांश मध्यस्थ को बेच देना पड़ता था। अगर वह इंतजार कर पाता तो उ अधिक पैसे आते, लेकिन उसे लाचारी में सौदा करना पड़ता था, इसलिए उसे बहुत कम पैसे मिल पाते थे। उसके मुनाफे व बहुत बड़ा भाग बिचवान या दलाल को चला जाता था।

नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन (I) : कृषि के वाणिज्यीकरण के कारण किसान धीरे-धीरे विशाल कृषि संघों पर निर्भर होता गया।

(II) : किसानों की बेहतर माली हालत के कारण व्यापारियों ने उसका पूरा फायदा उठाया।

उपर्युक्त कथनों के आलोक में नीचे दिए गए विकल्पों में से **सबसे उपयुक्त** उत्तर का चयन कीजिए।

- (1) **कथन I और कथन II दोनों सही हैं।**
- (2) **कथन I और कथन II दोनों गलत हैं।**
- (3) **कथन I सही है, परन्तु कथन II गलत है।**
- (4) **कथन I गलत है, परन्तु कथन II सही है।**

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

174 5174

निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

ब्रिटिश शासन काल में कृषि का जो वाणिज्यीकरण हुआ, उसका भी किसान के जीवन पर बुरा प्रभाव पड़ा। अब उसे भारती एवं विश्व की मंडी के लिए फसल उगाना पड़ता था, और इसलिए वह व्यापार की निरंतर बदलती हुई गतिविधि का शिक हुआ। उसे अब अमरीका, यूरोप, आस्ट्रेलिया के विशाल कृषि व्यापार संघों जैसे विकट, दुर्जेय अंतराष्ट्रीय प्रतियोगियों से हो लेनी पड़ी। भूखे बैलों की जोड़ी और आदिम हल से वह अपना छोटा सा खेत जोतता था, और उसके प्रतिद्वंद्वी ट्रैक्टरों अ आधुनिक कृषि यंत्रों की सहायता से बड़े पैमाने पर खाद्य राशि उत्पन्न करते थे। वाणिज्यीकरण के कारण किसान धीर-ध (मध्यस्थ) व्यापारियों पर निर्भर होता गया और अपनी बेहतर माली हालत के कारण व्यापारियों ने किसान की गरीबी का पृ फायदा उठाया। गरीब किसान के पास कभी कोई संचित निधि नहीं रही। अब सहकारी लगान और महाजन के सूद में भुगत के लिए उसे फसल के वक्त ही अपनी उपज का अधिकांश मध्यस्थ को बेच देना पड़ता था। अगर वह इंतजार कर पाता तो उ अधिक पैसे आते, लेकिन उसे लाचारी में सौदा करना पड़ता था, इसलिए उसे बहुत कम पैसे मिल पाते थे। उसके मुनाफे व बहुत बड़ा भाग बिचवान या दलाल को चला जाता था।

गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित वाक्यांशों का क्रम व्यवस्थित कीजिए।

- (A) बड़े पैमाने पर खाद्य राशि उत्पन्न करते थे।
- (B) वह अपना छोटा सा खेत जोतता था,
- (C) और आधुनिक कृषि यंत्रों की सहायता से
- (D) भूखे बैलों की जोड़ी और आदिम हल से
- (E) और उसके प्रतिद्वंद्वी ट्रैक्टरों

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए।

- (1) (D), (B), (E), (C), (A)
- (2) (B), (C), (A), (E), (D)
- (3) (A), (B), (C), (E), (D)
- (4) (B), (D), (A), (E), (C)

निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

ब्रिटिश शासन काल में कृषि का जो वाणिज्यीकरण हुआ, उसका भी किसान के जीवन पर बुरा प्रभाव पड़ा। अब उसे भारती एवं विश्व की मंडी के लिए फसल उगाना पड़ता था, और इसलिए वह व्यापार की निरंतर बदलती हुई गतिविधि का शिक हुआ। उसे अब अमरीका, यूरोप, आस्ट्रेलिया के विशाल कृषि व्यापार संघों जैसे विकट, दुर्जेय अंतराष्ट्रीय प्रतियोगियों से हो लेनी पड़ी। भूखे बैलों की जोड़ी और आदिम हल से वह अपना छोटा सा खेत जोतता था, और उसके प्रतिद्वंद्वी ट्रैक्टरों अ आधुनिक कृषि यंत्रों की सहायता से बड़े पैमाने पर खाद्य राशि उत्पन्न करते थे। वाणिज्यीकरण के कारण किसान धीर-ध (मध्यस्थ) व्यापारियों पर निर्भर होता गया और अपनी बेहतर माली हालत के कारण व्यापारियों ने किसान की गरीबी का प फायदा उठाया। गरीब किसान के पास कभी कोई संचित निधि नहीं रही। अब सहकारी लगान और महाजन के सूद में भुगत के लिए उसे फसल के वक्त ही अपनी उपज का अधिकांश मध्यस्थ को बेच देना पड़ता था। अगर वह इंतजार कर पाता तो उ अधिक पैसे आते, लेकिन उसे लाचारी में सौदा करना पड़ता था, इसलिए उसे बहुत कम पैसे मिल पाते थे। उसके मुनाफे व बहुत बड़ा भाग बिचवान या दलाल को चला जाता था।

गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित वाक्यांशों का क्रम व्यवस्थित कीजिए।

- (A) बड़े पैमाने पर खाद्य राशि उत्पन्न करते थे।
- (B) वह अपना छोटा सा खेत जोतता था,
- (C) और आधुनिक कृषि यंत्रों की सहायता से
- (D) भूखे बैलों की जोड़ी और आदिम हल से
- (E) और उसके प्रतिद्वंद्वी ट्रैक्टरों

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए।

- (1) (D), (B), (E), (C), (A)
- (2) (B), (C), (A), (E), (D)
- (3) (A), (B), (C), (E), (D)
- (4) (B), (D), (A), (E), (C)

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

175 5175

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

मिल में असंतोष के बादल घने होते जा रहे थे। मजदूर 'बिजली' की प्रतियाँ जेब में लिए फिरते और जरा भी अवकाश पाते, तो दो-तीन मजदूर मिल कर उसे पढ़ने लगते। पत्र की बिक्री खूब बढ़ रही थी। मजदूरों के नेता 'बिजली' कार्यालय आधी रात तक बैठे हड़ताल की स्कीमें बनाया करते और प्रातःकाल जब पत्र में यह समाचार मोटे-मोटे अक्षरों में छपता, जनता टूट पड़ती और पत्र की कापियाँ दूने-तिगुने दाम पर बिक जातीं। उधर कंपनी के डायरेक्टर भी अपने घात में बैठे हुए हड़ताल हो जाने में ही उनका हित था। आदमियों की कमी तो है नहीं। बेकारी बढ़ी हुई है, इसके आधे वेतन पर ऐसे आदमियों से मिल सकते हैं। माल की तैयारी में एकदम आधी बचत हो जाएगी। दस-पाँच दिन काम का हरज होगा, कुछ परवश नहीं। आखिर यही निश्चय हो गया की मजूरी में कमी का ऐलान कर दिया जाए। दिन और समय नियत कर लिया गया, पुलिस को सूचना दे दी गई। मजूरी को कानोंकान खबर न थी। वे अपने घात में थे। उसी वक्त हड़ताल करना चाहते थे, जब गोदाम में बहुत थोड़ा माल रह जाए और माँग की तेजी हो।

एकाएक एक दिन जब मजूर लोग शाम को छूट्टी पाकर चलने लगे, तो डायरेक्टरों का ऐलान सुना दिया गया। उस वक्त पुलिस आ गई। मजूरी को अपनी इच्छा के विरुद्ध उसी वक्त हड़ताल करनी पड़ी जब गोदाम में इतना माल भरा हुआ कि बहुत तेज माँग होने पर भी छः महीने से पहले न उठ सकता था।

मिर्जा खुर्शेद ने यह बात सुनी, तो मुस्कराए, जैसे कोई मनस्वी योद्धा अपने शत्रु के रण-कौशल पर मुग्ध हो गया हो। एकाएक विचारों में डूबे रहने के बाद बोले-अच्छी बात है। अगर डायरेक्टरों की यही इच्छा है, तो यही सही। हालाँकि उनके मुआफि हैं, लेकिन हमें न्याय का बल है। वह लोग नए आदमी रख कर अपना काम चलाना चाहते हैं। हमारी कोशिश यह होनी चाहिए कि उन्हें एक भी नया आदमी न मिले। यही हमारी फतह होगी।

गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक कौन-सा है?

- (1) स्वाधीन श्रमिक
- (2) मजदूरों की हड़ताल
- (3) पूँजी और श्रम
- (4) बेरोजगारी का प्रकोप

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

मिल में असंतोष के बादल घने होते जा रहे थे। मजदूर 'बिजली' की प्रतियाँ जेब में लिए फिरते और जरा भी अवकाश पाते, तो दो-तीन मजदूर मिल कर उसे पढ़ने लगते। पत्र की बिक्री खूब बढ़ रही थी। मजदूरों के नेता 'बिजली' कार्यालय आधी रात तक बैठे हड़ताल की स्कीमें बनाया करते और प्रातःकाल जब पत्र में यह समाचार मोटे-मोटे अक्षरों में छपता, जनता टूट पड़ती और पत्र की कापियाँ दूने-तिगुने दाम पर बिक जातीं। उधर कंपनी के डायरेक्टर भी अपने घात में बैठे हुए थे हड़ताल हो जाने में ही उनका हित था। आदमियों की कमी तो है नहीं। बेकारी बढ़ी हुई है, इसके आधे वेतन पर ऐसे आदम आसानी से मिल सकते हैं। माल की तैयारी में एकदम आधी बचत हो जाएगी। दस-पाँच दिन काम का हरज होगा, कुछ परव नहीं। आखिर यही निश्चय हो गया की मजूरी में कमी का ऐलान कर दिया जाए। दिन और समय नियत कर लिया गया, पुलिस को सूचना दे दी गई। मजूरी को कानोंकान खबर न थी। वे अपने घात में थे। उसी वक्त हड़ताल करना चाहते थे, जब गोदाम में बहुत थोड़ा माल रह जाए और माँग की तेजी हो।

एकाएक एक दिन जब मजूर लोग शाम को छूट्टी पाकर चलने लगे, तो डायरेक्टरों का ऐलान सुना दिया गया। उस वक्त पुलिस आ गई। मजूरी को अपनी इच्छा के विरुद्ध उसी वक्त हड़ताल करनी पड़ी जब गोदाम में इतना माल भरा हुआ कि बहुत तेज माँग होने पर भी छः महीने से पहले न उठ सकता था।

मिर्जा खुर्शेद ने यह बात सुनी, तो मुस्कराए, जैसे कोई मनस्वी योद्धा अपने शत्रु के रण-कौशल पर मुग्ध हो गया हो। एकाएक विचारों में डूबे रहने के बाद बोले-अच्छी बात है। अगर डायरेक्टरों की यही इच्छा है, तो यही सही। हालाँकि उनके मुआफि हैं, लेकिन हमें न्याय का बल है। वह लोग नए आदमी रख कर अपना काम चलाना चाहते हैं। हमारी कोशिश यह होनी चाहिए कि उन्हें एक भी नया आदमी न मिले। यही हमारी फतह होगी।

गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक कौन-सा है?

- (1) स्वाधीन श्रमिक
- (2) मजदूरों की हड़ताल
- (3) पूँजी और श्रम
- (4) बेरोजगारी का प्रकोप

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

176 5176

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

मिल में असंतोष के बादल घने होते जा रहे थे। मजदूर 'बिजली' की प्रतियाँ जेब में लिए फिरते और जरा भी अवकाश पाते, तो दो-तीन मजदूर मिल कर उसे पढ़ने लगते। पत्र की बिक्री खूब बढ़ रही थी। मजदूरों के नेता 'बिजली' कार्यालय आधी रात तक बैठे हड़ताल की स्कीमें बनाया करते और प्रातःकाल जब पत्र में यह समाचार मोटे-मोटे अक्षरों में छपता, जनता टूट पड़ती और पत्र की कापियाँ दूने-तिगुने दाम पर बिक जातीं। उधर कंपनी के डायरेक्टर भी अपने घात में बैठे हुए थे हड़ताल हो जाने में ही उनका हित था। आदमियों की कमी तो है नहीं। बेकारी बढ़ी हुई है, इसके आधे वेतन पर ऐसे आदम आसानी से मिल सकते हैं। माल की तैयारी में एकदम आधी बचत हो जाएगी। दस-पाँच दिन काम का हरज होगा, कुछ परव नहीं। आखिर यही निश्चय हो गया की मजूरी में कमी का ऐलान कर दिया जाए। दिन और समय नियत कर लिया गया, पुलिस को सूचना दे दी गई। मजूरी को कानोंकान खबर न थी। वे अपने घात में थे। उसी वक्त हड़ताल करना चाहते थे, जब गोदामों में बहुत थोड़ा माल रह जाए और माँग की तेजी हो।

एकाएक एक दिन जब मजूर लोग शाम को छूट्टी पाकर चलने लगे, तो डायरेक्टरों का ऐलान सुना दिया गया। उस वक्त पुलिस आ गई। मजूरी को अपनी इच्छा के विरुद्ध उसी वक्त हड़ताल करनी पड़ी जब गोदाम में इतना माल भरा हुआ कि बहुत तेज माँग होने पर भी छः महीने से पहले न उठ सकता था।

मिर्जा खुर्शेद ने यह बात सुनी, तो मुस्कराए, जैसे कोई मनस्वी योद्धा अपने शत्रु के रण-कौशल पर मुग्ध हो गया हो। एकाएक विचारों में डूबे रहने के बाद बोले-अच्छी बात है। अगर डायरेक्टरों की यही इच्छा है, तो यही सही। हालाँकि उनके मुआफि हैं, लेकिन हमें न्याय का बल है। वह लोग नए आदमी रख कर अपना काम चलाना चाहते हैं। हमारी कोशिश यह होनी चाहिए कि उन्हें एक भी नया आदमी न मिले। यही हमारी फतह होगी।

हड़ताल हो जाने में कंपनी के डायरेक्टर का हित क्यों था? गद्यांश के आधार पर उचित विकल्प चुनें।

- (1) क्योंकि मिल में असंतोष का माहौल था।
- (2) क्योंकि बेकारी बढ़ी हुई थी और सस्ते मजदूर मिल जाते।
- (3) क्योंकि उनमें न्याय का बल था।
- (4) क्योंकि वे उत्पादन बंद करना चाहते थे।

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

मिल में असंतोष के बादल घने होते जा रहे थे। मजदूर 'बिजली' की प्रतियाँ जेब में लिए फिरते और जरा भी अवकाश पाते, तो दो-तीन मजदूर मिल कर उसे पढ़ने लगते। पत्र की बिक्री खूब बढ़ रही थी। मजदूरों के नेता 'बिजली' कार्यालय आधी रात तक बैठे हड़ताल की स्कीमें बनाया करते और प्रातःकाल जब पत्र में यह समाचार मोटे-मोटे अक्षरों में छपता, जनता टूट पड़ती और पत्र की कापियाँ दूने-तिगुने दाम पर बिक जातीं। उधर कंपनी के डायरेक्टर भी अपने घात में बैठे हुए थे हड़ताल हो जाने में ही उनका हित था। आदमियों की कमी तो है नहीं। बेकारी बढ़ी हुई है, इसके आधे वेतन पर ऐसे आदम आसानी से मिल सकते हैं। माल की तैयारी में एकदम आधी बचत हो जाएगी। दस-पाँच दिन काम का हरज होगा, कुछ परव नहीं। आखिर यही निश्चय हो गया की मजूरी में कमी का ऐलान कर दिया जाए। दिन और समय नियत कर लिया गया, पुलिस को सूचना दे दी गई। मजूरी को कानोंकान खबर न थी। वे अपने घात में थे। उसी वक्त हड़ताल करना चाहते थे, जब गोदाम में बहुत थोड़ा माल रह जाए और माँग की तेजी हो।

एकाएक एक दिन जब मजूर लोग शाम को छूट्टी पाकर चलने लगे, तो डायरेक्टरों का ऐलान सुना दिया गया। उस वक्त पुलिस आ गई। मजूरी को अपनी इच्छा के विरुद्ध उसी वक्त हड़ताल करनी पड़ी जब गोदाम में इतना माल भरा हुआ कि बहुत तेज माँग होने पर भी छः महीने से पहले न उठ सकता था।

मिर्जा खुर्शेद ने यह बात सुनी, तो मुस्कराए, जैसे कोई मनस्वी योद्धा अपने शत्रु के रण-कौशल पर मुग्ध हो गया हो। एकाएक विचारों में डूबे रहने के बाद बोले-अच्छी बात है। अगर डायरेक्टरों की यही इच्छा है, तो यही सही। हालाँकि उनके मुआफि हैं, लेकिन हमें न्याय का बल है। वह लोग नए आदमी रख कर अपना काम चलाना चाहते हैं। हमारी कोशिश यह होनी चाहिए कि उन्हें एक भी नया आदमी न मिले। यही हमारी फतह होगी।

हड़ताल हो जाने में कंपनी के डायरेक्टर का हित क्यों था? गद्यांश के आधार पर उचित विकल्प चुनें।

- (1) क्योंकि मिल में असंतोष का माहौल था।
- (2) क्योंकि बेकारी बढ़ी हुई थी और सस्ते मजदूर मिल जाते।
- (3) क्योंकि उनमें न्याय का बल था।
- (4) क्योंकि वे उत्पादन बंद करना चाहते थे।

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

177 5177

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

मिल में असंतोष के बादल घने होते जा रहे थे। मजदूर 'बिजली' की प्रतियाँ जेब में लिए फिरते और जरा भी अवकाश पाते, तो दो-तीन मजदूर मिल कर उसे पढ़ने लगते। पत्र की बिक्री खूब बढ़ रही थी। मजदूरों के नेता 'बिजली' कार्यालय आधी रात तक बैठे हड़ताल की स्कीमें बनाया करते और प्रातःकाल जब पत्र में यह समाचार मोटे-मोटे अक्षरों में छपता, जनता टूट पड़ती और पत्र की कापियाँ दूने-तिगुने दाम पर बिक जातीं। उधर कंपनी के डायरेक्टर भी अपने घात में बैठे हुए हड़ताल हो जाने में ही उनका हित था। आदमियों की कमी तो है नहीं। बेकारी बढ़ी हुई है, इसके आधे वेतन पर ऐसे आदमियों से मिल सकते हैं। माल की तैयारी में एकदम आधी बचत हो जाएगी। दस-पाँच दिन काम का हरज होगा, कुछ परव नहीं। आखिर यही निश्चय हो गया की मजूरी में कमी का ऐलान कर दिया जाए। दिन और समय नियत कर लिया गया, पुलिस को सूचना दे दी गई। मजूरों को कानोंकान खबर न थी। वे अपने घात में थे। उसी वक्त हड़ताल करना चाहते थे, जब गोदाम में बहुत थोड़ा माल रह जाए और माँग की तेजी हो।

एकाएक एक दिन जब मजूर लोग शाम को छूट्टी पाकर चलने लगे, तो डायरेक्टरों का ऐलान सुना दिया गया। उस वक्त पुलिस आ गई। मजूरों को अपनी इच्छा के विरुद्ध उसी वक्त हड़ताल करनी पड़ी जब गोदाम में इतना माल भरा हुआ कि बहुत तेज माँग होने पर भी छः महीने से पहले न उठ सकता था।

मिर्जा खुर्शेद ने यह बात सुनी, तो मुस्कराए, जैसे कोई मनस्वी योद्धा अपने शत्रु के रण-कौशल पर मुग्ध हो गया हो। एकाएक विचारों में डूबे रहने के बाद बोले-अच्छी बात है। अगर डायरेक्टरों की यही इच्छा है, तो यही सही। हालाँकि उनके मुआफि हैं, लेकिन हमें न्याय का बल है। वह लोग नए आदमी रख कर अपना काम चलाना चाहते हैं। हमारी कोशिश यह होनी चाहिए कि उन्हें एक भी नया आदमी न मिले। यही हमारी फतह होगी।

निम्नलिखित में 'शत्रु' का सर्वाधिक उपयुक्त विलोम शब्द है?

- (1) दोस्त
- (2) सखा
- (3) मित्र
- (4) साथी

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

मिल में असंतोष के बादल घने होते जा रहे थे। मजदूर 'बिजली' की प्रतियाँ जेब में लिए फिरते और जरा भी अवकाश पाते, तो दो-तीन मजदूर मिल कर उसे पढ़ने लगते। पत्र की बिक्री खूब बढ़ रही थी। मजदूरों के नेता 'बिजली' कार्यालय आधी रात तक बैठे हड़ताल की स्कीमें बनाया करते और प्रातःकाल जब पत्र में यह समाचार मोटे-मोटे अक्षरों में छपता, जनता टूट पड़ती और पत्र की कापियाँ दूने-तिगुने दाम पर बिक जातीं। उधर कंपनी के डायरेक्टर भी अपने घात में बैठे हुए थे हड़ताल हो जाने में ही उनका हित था। आदमियों की कमी तो है नहीं। बेकारी बढ़ी हुई है, इसके आधे वेतन पर ऐसे आदम आसानी से मिल सकते हैं। माल की तैयारी में एकदम आधी बचत हो जाएगी। दस-पाँच दिन काम का हरज होगा, कुछ परव नहीं। आखिर यही निश्चय हो गया की मजूरी में कमी का ऐलान कर दिया जाए। दिन और समय नियत कर लिया गया, पुलिस को सूचना दे दी गई। मजूरी को कानोंकान खबर न थी। वे अपने घात में थे। उसी वक्त हड़ताल करना चाहते थे, जब गोदाम में बहुत थोड़ा माल रह जाए और माँग की तेजी हो।

एकाएक एक दिन जब मजूर लोग शाम को छूट्टी पाकर चलने लगे, तो डायरेक्टरों का ऐलान सुना दिया गया। उस वक्त पुलिस आ गई। मजूरी को अपनी इच्छा के विरुद्ध उसी वक्त हड़ताल करनी पड़ी जब गोदाम में इतना माल भरा हुआ कि बहुत तेज माँग होने पर भी छः महीने से पहले न उठ सकता था।

मिर्जा खुर्शेद ने यह बात सुनी, तो मुस्कराए, जैसे कोई मनस्वी योद्धा अपने शत्रु के रण-कौशल पर मुग्ध हो गया हो। एकाएक विचारों में डूबे रहने के बाद बोले-अच्छी बात है। अगर डायरेक्टरों की यही इच्छा है, तो यही सही। हालाँकि उनके मुआफि हैं, लेकिन हमें न्याय का बल है। वह लोग नए आदमी रख कर अपना काम चलाना चाहते हैं। हमारी कोशिश यह होनी चाहिए कि उन्हें एक भी नया आदमी न मिले। यही हमारी फतह होगी।

निम्नलिखित में 'शत्रु' का सर्वाधिक उपयुक्त विलोम शब्द है?

- (1) दोस्त
- (2) सखा
- (3) मित्र
- (4) साथी

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

178 5178

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

मिल में असंतोष के बादल घने होते जा रहे थे। मजदूर 'बिजली' की प्रतियाँ जेब में लिए फिरते और जरा भी अवकाश पाते, तो दो-तीन मजदूर मिल कर उसे पढ़ने लगते। पत्र की बिक्री खूब बढ़ रही थी। मजदूरों के नेता 'बिजली' कार्यालय आधी रात तक बैठे हड़ताल की स्कीमें बनाया करते और प्रातःकाल जब पत्र में यह समाचार मोटे-मोटे अक्षरों में छपता, जनता टूट पड़ती और पत्र की कापियाँ दूने-तिगुने दाम पर बिक जातीं। उधर कंपनी के डायरेक्टर भी अपने घात में बैठे हुए हड़ताल हो जाने में ही उनका हित था। आदमियों की कमी तो है नहीं। बेकारी बढ़ी हुई है, इसके आधे वेतन पर ऐसे आदमियों से मिल सकते हैं। माल की तैयारी में एकदम आधी बचत हो जाएगी। दस-पाँच दिन काम का हरज होगा, कुछ परव नहीं। आखिर यही निश्चय हो गया की मजूरी में कमी का ऐलान कर दिया जाए। दिन और समय नियत कर लिया गया, पुलिस को सूचना दे दी गई। मजूरी को कानोंकान खबर न थी। वे अपने घात में थे। उसी वक्त हड़ताल करना चाहते थे, जब गोदाम में बहुत थोड़ा माल रह जाए और माँग की तेजी हो।

एकाएक एक दिन जब मजूर लोग शाम को छूट्टी पाकर चलने लगे, तो डायरेक्टरों का ऐलान सुना दिया गया। उस वक्त पुलिस आ गई। मजूरी को अपनी इच्छा के विरुद्ध उसी वक्त हड़ताल करनी पड़ी जब गोदाम में इतना माल भरा हुआ कि बहुत तेज माँग होने पर भी छः महीने से पहले न उठ सकता था।

मिर्जा खुर्शेद ने यह बात सुनी, तो मुस्कराए, जैसे कोई मनस्वी योद्धा अपने शत्रु के रण-कौशल पर मुग्ध हो गया हो। एकाएक विचारों में डूबे रहने के बाद बोले-अच्छी बात है। अगर डायरेक्टरों की यही इच्छा है, तो यही सही। हालाँकि उनके मुआफि हैं, लेकिन हमें न्याय का बल है। वह लोग नए आदमी रख कर अपना काम चलाना चाहते हैं। हमारी कोशिश यह होनी चाहिए कि उन्हें एक भी नया आदमी न मिले। यही हमारी फतह होगी।

‘लेकिन हमें न्याय का बल है।’ गद्यांश के आधार पर इस वाक्य का आशय स्पष्ट कीजिए।

- (1) न्याय सर्वदा बलशाली होता है।
- (2) न्याय का बल हमेशा मजदूरों के साथ होता है।
- (3) हालाँकि मिल के मालिकों के अनुकूल थे, लेकिन मजदूरों को यह भरोसा था कि उनकी माँगें जायज हैं, इसलिए न्याय उनके पक्ष में होगा।
- (4) मजदूरों को यह लगता था कि मिल-मालिकों को नए मजदूर नहीं मिल जाएँगे, इसलिए न्याय उनके साथ होगा।

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

मिल में असंतोष के बादल घने होते जा रहे थे। मजदूर 'बिजली' की प्रतियाँ जेब में लिए फिरते और जरा भी अवकाश पाते, तो दो-तीन मजदूर मिल कर उसे पढ़ने लगते। पत्र की बिक्री खूब बढ़ रही थी। मजदूरों के नेता 'बिजली' कार्यालय आधी रात तक बैठे हड़ताल की स्कीम में बनाया करते और प्रातःकाल जब पत्र में यह समाचार मोटे-मोटे अक्षरों में छपता, जनता टूट पड़ती और पत्र की कापियाँ दूने-तिगुने दाम पर बिक जातीं। उधर कंपनी के डायरेक्टर भी अपने घात में बैठे हुए हड़ताल हो जाने में ही उनका हित था। आदमियों की कमी तो है नहीं। बेकारी बढ़ी हुई है, इसके आधे वेतन पर ऐसे आदमियों से मिल सकते हैं। माल की तैयारी में एकदम आधी बचत हो जाएगी। दस-पाँच दिन काम का हरज होगा, कुछ परवश नहीं। आखिर यही निश्चय हो गया कि मजूरी में कमी का ऐलान कर दिया जाए। दिन और समय नियत कर लिया गया, पुलिस को सूचना दे दी गई। मजूरी को कानोंकान खबर न थी। वे अपने घात में थे। उसी वक्त हड़ताल करना चाहते थे, जब गोदाम में बहुत थोड़ा माल रह जाए और माँग की तेजी हो।

एकाएक एक दिन जब मजूर लोग शाम को छूट्टी पाकर चलने लगे, तो डायरेक्टरों का ऐलान सुना दिया गया। उस वक्त पुलिस आ गई। मजूरी को अपनी इच्छा के विरुद्ध उसी वक्त हड़ताल करनी पड़ी जब गोदाम में इतना माल भरा हुआ कि बहुत तेज माँग होने पर भी छः महीने से पहले न उठ सकता था।

मिर्जा खुर्शेद ने यह बात सुनी, तो मुस्कराए, जैसे कोई मनस्वी योद्धा अपने शत्रु के रण-कौशल पर मुग्ध हो गया हो। एकाएक विचारों में डूबे रहने के बाद बोले-अच्छी बात है। अगर डायरेक्टरों की यही इच्छा है, तो यही सही। हालाँकि उनके मुआफि हैं, लेकिन हमें न्याय का बल है। वह लोग नए आदमी रख कर अपना काम चलाना चाहते हैं। हमारी कोशिश यह होनी चाहिए कि उन्हें एक भी नया आदमी न मिले। यही हमारी फतह होगी।

‘लेकिन हमें न्याय का बल है।’ गद्यांश के आधार पर इस वाक्य का आशय स्पष्ट कीजिए।

- (1) न्याय सर्वदा बलशाली होता है।
- (2) न्याय का बल हमेशा मजदूरों के साथ होता है।
- (3) हालाँकि मिल के मालिकों के अनुकूल थे, लेकिन मजदूरों को यह भरोसा था कि उनकी माँगें जायज हैं, इसलिए न्याय उनके पक्ष में होगा।
- (4) मजदूरों को यह लगता था कि मिल-मालिकों को नए मजदूर नहीं मिल जाएँगे, इसलिए न्याय उनके साथ होगा।

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

179 5179

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

मिल में असंतोष के बादल घने होते जा रहे थे। मजदूर 'बिजली' की प्रतियाँ जेब में लिए फिरते और जरा भी अवकाश पाते, तो दो-तीन मजदूर मिल कर उसे पढ़ने लगते। पत्र की बिक्री खूब बढ़ रही थी। मजदूरों के नेता 'बिजली' कार्यालय में आधी रात तक बैठे हड़ताल की स्कीमें बनाया करते और प्रातःकाल जब पत्र में यह समाचार मोटे-मोटे अक्षरों में छपता, तो जनता टूट पड़ती और पत्र की कापियाँ दूने-तिगुने दाम पर बिक जातीं। उधर कंपनी के डायरेक्टर भी अपने घात में बैठे हुए थे। हड़ताल हो जाने में ही उनका हित था। आदमियों की कमी तो है नहीं। बेकारी बढ़ी हुई है, इसके आधे वेतन पर ऐसे आदमी आसानी से मिल सकते हैं। माल की तैयारी में एकदम आधी बचत हो जाएगी। दस-पाँच दिन काम का हरज होगा, कुछ परवाह नहीं। आखिर यही निश्चय हो गया की मजूरी में कमी का ऐलान कर दिया जाए। दिन और समय नियत कर लिया गया, पुलिस को सूचना दे दी गई। मजूरी को कानोंकान खबर न थी। वे अपने घात में थे। उसी वक्त हड़ताल करना चाहते थे, जब गोदाम में बहुत थोड़ा माल रह जाए और माँग की तेजी हो।

एकाएक एक दिन जब मजूर लोग शाम को छूट्टी पाकर चलने लगे, तो डायरेक्टरों का ऐलान सुना दिया गया। उसी वक्त पुलिस आ गई। मजूरी को अपनी इच्छा के विरुद्ध उसी वक्त हड़ताल करनी पड़ी जब गोदाम में इतना माल भरा हुआ था कि बहुत तेज माँग होने पर भी छः महीने से पहले न उठ सकता था।

मिर्जा खुर्शेद ने यह बात सुनी, तो मुस्कराए, जैसे कोई मनस्वी योद्धा अपने शत्रु के रण-कौशल पर मुग्ध हो गया हो। एक क्षण विचारों में डूबे रहने के बाद बोले-अच्छी बात है। अगर डायरेक्टरों की यही इच्छा है, तो यही सही। हालाँकि उनके मुआफिक हैं, लेकिन हमें न्याय का बल है। वह लोग नए आदमी रख कर अपना काम चलाना चाहते हैं। हमारी कोशिश यह होनी चाहिए कि उन्हें एक भी नया आदमी न मिले। यही हमारी फतह होगी।

गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित वाक्यों को व्यवस्थित क्रम दीजिए।

- (A) अगर डायरेक्टरों की यही इच्छा है तो यही सही
- (B) जैसे कोई मनस्वी योद्धा अपने शत्रु के रण-कौशल पर मुग्ध हो गया हो।
- (C) एक क्षण विचारों में डूबे रहने के बाद बोले -
- (D) मिर्जा खुर्शेद ने यह बात सुनी, तो मुस्कराए
- (E) अच्छी बात है।

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए।

- (1) (A), (B), (C), (D), (E)
- (2) (E), (C), (D), (B), (A)
- (3) (D), (B), (C), (E), (A)
- (4) (B), (D), (C), (E), (A)

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

मिल में असंतोष के बादल घने होते जा रहे थे। मजदूर 'बिजली' की प्रतियाँ जेब में लिए फिरते और जरा भी अवकाश पाते, तो दो-तीन मजदूर मिल कर उसे पढ़ने लगते। पत्र की बिक्री खूब बढ़ रही थी। मजदूरों के नेता 'बिजली' कार्यालय में आधी रात तक बैठे हड़ताल की स्कीमें बनाया करते और प्रातःकाल जब पत्र में यह समाचार मोटे-मोटे अक्षरों में छपता, तो जनता टूट पड़ती और पत्र की कापियाँ दूने-तिगुने दाम पर बिक जातीं। उधर कंपनी के डायरेक्टर भी अपने घात में बैठे हुए थे। हड़ताल हो जाने में ही उनका हित था। आदमियों की कमी तो है नहीं। बेकारी बढ़ी हुई है, इसके आधे वेतन पर ऐसे आदमी आसानी से मिल सकते हैं। माल की तैयारी में एकदम आधी बचत हो जाएगी। दस-पाँच दिन काम का हरज होगा, कुछ परवाह नहीं। आखिर यही निश्चय हो गया की मजूरी में कमी का ऐलान कर दिया जाए। दिन और समय नियत कर लिया गया, पुलिस को सूचना दे दी गई। मजूरी को कानोंकान खबर न थी। वे अपने घात में थे। उसी वक्त हड़ताल करना चाहते थे, जब गोदाम में बहुत थोड़ा माल रह जाए और माँग की तेजी हो।

एकाएक एक दिन जब मजूर लोग शाम को छूट्टी पाकर चलने लगे, तो डायरेक्टरों का ऐलान सुना दिया गया। उसी वक्त पुलिस आ गई। मजूरी को अपनी इच्छा के विरुद्ध उसी वक्त हड़ताल करनी पड़ी जब गोदाम में इतना माल भरा हुआ था कि बहुत तेज माँग होने पर भी छः महीने से पहले न उठ सकता था।

मिर्जा खुर्शेद ने यह बात सुनी, तो मुस्कराए, जैसे कोई मनस्वी योद्धा अपने शत्रु के रण-कौशल पर मुग्ध हो गया हो। एक क्षण विचारों में डूबे रहने के बाद बोले-अच्छी बात है। अगर डायरेक्टरों की यही इच्छा है, तो यही सही। हालाँकि उनके मुआफिक हैं, लेकिन हमें न्याय का बल है। वह लोग नए आदमी रख कर अपना काम चलाना चाहते हैं। हमारी कोशिश यह होनी चाहिए कि उन्हें एक भी नया आदमी न मिले। यही हमारी फतह होगी।

गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित वाक्यों को व्यवस्थित क्रम दीजिए।

- अगर डायरेक्टरों की यही इच्छा है तो यही सही
- जैसे कोई मनस्वी योद्धा अपने शत्रु के रण-कौशल पर मुग्ध हो गया हो।
- एक क्षण विचारों में डूबे रहने के बाद बोले -
- मिर्जा खुर्शेद ने यह बात सुनी, तो मुस्कराए
- अच्छी बात है।

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए।

- (A), (B), (C), (D), (E)
- (E), (C), (D), (B), (A)
- (D), (B), (C), (E), (A)
- (B), (D), (C), (E), (A)

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

180 5180

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

मिल में असंतोष के बादल घने होते जा रहे थे। मजदूर 'बिजली' की प्रतियाँ जेब में लिए फिरते और जरा भी अवकाश पाते, तो दो-तीन मजदूर मिल कर उसे पढ़ने लगते। पत्र की बिक्री खूब बढ़ रही थी। मजदूरों के नेता 'बिजली' कार्यालय आधी रात तक बैठे हड़ताल की स्कीमें बनाया करते और प्रातःकाल जब पत्र में यह समाचार मोटे-मोटे अक्षरों में छपता, जनता टूट पड़ती और पत्र की कापियाँ दूने-तिगुने दाम पर बिक जातीं। उधर कंपनी के डायरेक्टर भी अपने घात में बैठे हुए थे हड़ताल हो जाने में ही उनका हित था। आदमियों की कमी तो है नहीं। बेकारी बढ़ी हुई है, इसके आधे वेतन पर ऐसे आदम आसानी से मिल सकते हैं। माल की तैयारी में एकदम आधी बचत हो जाएगी। दस-पाँच दिन काम का हरज होगा, कुछ परव नहीं। आखिर यही निश्चय हो गया की मजूरी में कमी का ऐलान कर दिया जाए। दिन और समय नियत कर लिया गया, पुलिस को सूचना दे दी गई। मजूरों को कानोंकान खबर न थी। वे अपने घात में थे। उसी वक्त हड़ताल करना चाहते थे, जब गोदाम में बहुत थोड़ा माल रह जाए और माँग की तेजी हो।

एकाएक एक दिन जब मजूर लोग शाम को छूट्टी पाकर चलने लगे, तो डायरेक्टरों का ऐलान सुना दिया गया। उस वक्त पुलिस आ गई। मजूरों को अपनी इच्छा के विरुद्ध उसी वक्त हड़ताल करनी पड़ी जब गोदाम में इतना माल भरा हुआ कि बहुत तेज माँग होने पर भी छः महीने से पहले न उठ सकता था।

मिर्जा खुर्शेद ने यह बात सुनी, तो मुस्कराए, जैसे कोई मनस्वी योद्धा अपने शत्रु के रण-कौशल पर मुग्ध हो गया हो। एकाएक विचारों में डूबे रहने के बाद बोले-अच्छी बात है। अगर डायरेक्टरों की यही इच्छा है, तो यही सही। हालाँकि उनके मुआफि हैं, लेकिन हमें न्याय का बल है। वह लोग नए आदमी रख कर अपना काम चलाना चाहते हैं। हमारी कोशिश यह होनी चाहिए कि उन्हें एक भी नया आदमी न मिले। यही हमारी फतह होगी।

निम्नलिखित विकल्पों में गद्यांश का सर्वाधिक उपयुक्त संक्षेपण कौन-सा है?

- (1) मिल के मजदूरों में असंतोष बढ़ रहा था, क्योंकि मजदूरी कम करने की चर्चा गरम थी। 'बिजली' अखबार के दफ्तर बैठकर मजदूरों ने यह योजना बनाई थी कि जब गोदाम में कम माल रह जाएगा, तब वे हड़ताल करेंगे। किन्तु मालिक ने सस्ते मजदूरों की उपलब्धता को देखते हुए मजदूरी कम करने का ऐलान पहले ही कर दिया और मजदूरों को मजबूर हड़ताल पर जाना पड़ा।
- (2) मिल के डायरेक्टरों ने मजदूरी में कमी का ऐलान कर दिया, जिसकी वजह से मजदूरों को हड़ताल करनी पड़ी।
- (3) डायरेक्टर उत्पादन की लागत कम करना चाहते थे, इसलिए उन्होंने जान बूझकर मिल में हड़ताल करवाई।
- (4) मजदूरों को अपनी जायज माँगों के लिए मजबूरन हड़ताल करनी पड़ी।

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

मिल में असंतोष के बादल घने होते जा रहे थे। मजदूर 'बिजली' की प्रतियाँ जेब में लिए फिरते और जरा भी अवकाश पाते, तो दो-तीन मजदूर मिल कर उसे पढ़ने लगते। पत्र की बिक्री खूब बढ़ रही थी। मजदूरों के नेता 'बिजली' कार्यालय आधी रात तक बैठे हड़ताल की स्कीमें बनाया करते और प्रातःकाल जब पत्र में यह समाचार मोटे-मोटे अक्षरों में छपता, जनता टूट पड़ती और पत्र की कापियाँ दूने-तिगुने दाम पर बिक जातीं। उधर कंपनी के डायरेक्टर भी अपने घात में बैठे हुए थे हड़ताल हो जाने में ही उनका हित था। आदमियों की कमी तो है नहीं। बेकारी बढ़ी हुई है, इसके आधे वेतन पर ऐसे आदम आसानी से मिल सकते हैं। माल की तैयारी में एकदम आधी बचत हो जाएगी। दस-पाँच दिन काम का हरज होगा, कुछ परव नहीं। आखिर यही निश्चय हो गया की मजूरी में कमी का ऐलान कर दिया जाए। दिन और समय नियत कर लिया गया, पुलिस को सूचना दे दी गई। मजूरी को कानोंकान खबर न थी। वे अपने घात में थे। उसी वक्त हड़ताल करना चाहते थे, जब गोदाम में बहुत थोड़ा माल रह जाए और माँग की तेजी हो।

एकाएक एक दिन जब मजूर लोग शाम को छूट्टी पाकर चलने लगे, तो डायरेक्टरों का ऐलान सुना दिया गया। उस वक्त पुलिस आ गई। मजूरी को अपनी इच्छा के विरुद्ध उसी वक्त हड़ताल करनी पड़ी जब गोदाम में इतना माल भरा हुआ कि बहुत तेज माँग होने पर भी छः महीने से पहले न उठ सकता था।

मिर्जा खुर्शेद ने यह बात सुनी, तो मुस्कराए, जैसे कोई मनस्वी योद्धा अपने शत्रु के रण-कौशल पर मुग्ध हो गया हो। एकाएक विचारों में डूबे रहने के बाद बोले-अच्छी बात है। अगर डायरेक्टरों की यही इच्छा है, तो यही सही। हालाँकि उनके मुआफि हैं, लेकिन हमें न्याय का बल है। वह लोग नए आदमी रख कर अपना काम चलाना चाहते हैं। हमारी कोशिश यह होनी चाहिए कि उन्हें एक भी नया आदमी न मिले। यही हमारी फतह होगी।

निम्नलिखित विकल्पों में गद्यांश का सर्वाधिक उपयुक्त संक्षेपण कौन-सा है?

- (1) मिल के मजदूरों में असंतोष बढ़ रहा था, क्योंकि मजदूरी कम करने की चर्चा गरम थी। 'बिजली' अखबार के दफ्तर बैठकर मजदूरों ने यह योजना बनाई थी कि जब गोदाम में कम माल रह जाएगा, तब वे हड़ताल करेंगे। किन्तु मालिक ने सस्ते मजदूरों की उपलब्धता को देखते हुए मजदूरी कम करने का ऐलान पहले ही कर दिया और मजदूरों को मजबूर हड़ताल पर जाना पड़ा।
- (2) मिल के डायरेक्टरों ने मजदूरी में कमी का ऐलान कर दिया, जिसकी वजह से मजदूरों को हड़ताल करनी पड़ी।
- (3) डायरेक्टर उत्पादन की लागत कम करना चाहते थे, इसलिए उन्होंने जान बूझकर मिल में हड़ताल करवाई।
- (4) मजदूरों को अपनी जायज माँगों के लिए मजबूरन हड़ताल करनी पड़ी।

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4